23 नवंबर 2025
रविवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

डुमरांव में सार्वजनिक शौचालयों की दुर्दशा, रखरखाव की कमी से लोग फिर खुले में शौच को हो रहे मजबूर

2

ड्रग्स-आतंकवाद के खतरनाक गठजोड़ के खिलाफ भारत : पीएम

- जी 20 लीडर्स समिट में पीएम मोदी ने दिया संदेश

एजेंसी। नई दिल्ली

जोहान्सबर्ग में हो रहे जी-20 देशों के शिखर सम्मेलन के मंच से पीएम नरेन्द्र मोदी ने एक बार फिर आतंकवाद के खिलाफ भारत की सशक्त और स्पष्ट आवाज को दुनिया के सामने रखा। इस बार उन्होंने ड्रग तस्करी और आतंकवाद के बीच बढ़ते खतरनाक नेक्सस को निशाना बनाते हुए जी-20 इनिशिएटिव ऑन काउंटरिंग द ड्रग-टेरर नेक्सस नाम से एक नया वैश्विक अभियान शुरू करने का प्रस्ताव रखा। पीएम मोदी ने इसके अलावा भी दो अन्य प्रस्ताव दुनिया के शीर्ष 20 आर्थिक शक्तियों के समक्ष रखा। इसमें एक प्रस्ताव अगले कुछ वर्षों में 10 लाख अफ्रीकी युवाओं को तकनीकी तौर पर प्रशिक्षित करने का भी है। जबकि एक प्रस्ताव दुनिया के विभिन्न हिस्सों में उपलब्ध पारंपरिक ज्ञान को संजो कर रखने से संबंधित है। पीएम मोदी ने कहा कि मादक द्रव्यों की तस्करी एक बहुत ही बड़ा मुद्दा है। फेंटेनिल जैसे अत्यंत घातक ड्रग्स आज तेजी से फैल रहे हैं। ये सिर्फ सार्वजनिक स्वास्थ्य की नहीं, बल्कि सामाजिक स्थिरता और वैश्विक सुरक्षा के लिए भी गंभीर चुनौती बन गए हैं। सबसे खतरनाक बात यह है कि ड्रग्स की काली कमाई अब आतंकवाद को फाइनांस करने का सबसे बड़ा जरिया बन चुकी है।श्श उन्होंने संकेत दिया कि इस वैश्विक खतरे से निपटने के लिए अब अलग-अलग देशों के अलग-अलग प्रयास काफी नहीं हैं। इसके लिए वैश्विक प्रयास होने चाहिए और इससे जुड़े फाइनेंस, गवर्नेंस और सिक्योरिटी से जुड़े सभी उपकरणों को एक साथ लाना होगा। मोदी का प्रस्ताव है कि ळ20 इस नेक्सस को कमजोर करने के लिए एक संयुक्त रणनीति बनाए और ठोस कार्रवाई करे।

आतंकवाद में मादक-द्रव्यों की अहम भूमिका

भारत ने उक्त प्रस्ताव के तहत सीधे तौर पर सीमा पार आतंकवाद का मुद्दा नहीं उठाया है लेकिन हाल के वर्षों के दौरान भारत का यह अनुभव है कि पड़ोसी देश पाकिस्तान की तरह से पोषित आतंकवाद में मादक-द्रव्यों की अहम भूमिका है। इसके पहले भारत की अगुआई में वर्ष 2023 की नई दिल्ली जी-20 सम्मेलन में आतंकवाद के सभी रूपों की कड़ी निंदा की गई थी और इसके खिलाफ जीरो-टॉलेरेंस की बात पहली बार घोषणा पत्र में शामिल की गई थी।
प्रधानमंत्री मोदी की तरफ से लगातार हर बड़े अंतरराष्ट्रीय मंच के जरिए आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति को न सिर्फ दोहराया जाता है, वैश्विक बिरादरी को कभी सीमा पार आतंकवाद, तो कभी क्रिप्टोकरेंसी तो कभी टेरर-फंडिंग (आतंकवादियों को वित्तीय सुविधा देने) पर समाधान भी सुझाता है। उम्मीद की जा रही है कि दक्षिण अफ्रीका की अध्यक्षता में ही इस इनिशिएटिव को औपचारिक रूप दिया जाएगा।

पारंपरिक ज्ञान को संजोने पर पीएम मोदी ने रखा प्रस्ताव

पारंपरिक ज्ञान को संजोने पर अपना प्रस्ताव रखते हुए पीएम मोदी ने कहा, ह्लदुनिया में कई समुदायों ने अपनी पाररंपिक व पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली को संभालकर रखा है। इन परंपराओं में सांस्कृतिक ज्ञान, सामाजिक एकता और प्रकृति के प्रति गहरे सम्मान के भी दर्शन होते हैं। भारत का प्रस्ताव है कि जी-20 के तहत एक वैश्विक पारंपरिक ज्ञान कोष बनाई जाए। यह वैश्विक प्लेटफॉर्म मानवता के सामूहिक बुद्धिमता को भावी पीढ़ी तक पहुंचाने में मदद करेगा।

प्रदूषण पर यूपी ने लिया बड़ा एक्शन एनसीआर में डीजल ऑटो पर प्रतिबंध

एजेंसी। लखनऊ

उत्तर प्रदेश में बढ़ते वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए योगी आदित्यनाथ सरकार ने यूपी एनसीआर में डीजल से चलने वाले ऑटो रिक्शा पर बड़ा एक्शन प्लान लागू किया है। वाहनों से होने वाला प्रदूषण इस क्षेत्र की सबसे गंभीर समस्या है और इसे कम करने के लिए चरणबद्ध पाबंदियां लागू की गई हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर परिवहन विभाग ने गौतमबुद्धनगर और गाजियाबाद में डीजल ऑटो रिक्शा पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया है। वहीं बागपत में सभी डीजल ऑटो 31 दिसंबर, 2025 तक हटाए जाएंगे। इसके बाद मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, मुजफ्फरनगर और शामली में 31 दिसंबर, 2026 तक चरणबद्ध तरीके से डीजल ऑटो संचालन पर रोक लगाई जाएगी। सरकार का मानना है कि यह कदम वाहनों से होने वाले प्रदूषण और साफ हवा सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है। एनसीआर के इन जिलों में बड़ी आबादी रोजाना प्रदूषण के प्रभाव से जूझती है। डीजल ऑटो पर प्रतिबंध के कारण आने वाले महीनों में एयर क्वालिटी में सुधार होने की उम्मीद जताई जा रही है। योगी सरकार ने सड़क धूल को भी वायु प्रदूषण का एक बड़ा कारण माना है। इसी वजह से नोएडा और ग्रेटर नोएडा में एंटी स्मॉग गन, स्प्रिंकल सिस्टम और मेकेनिकल रोड क्लीनिंग में तेजी लाई गई है। इसके लिए राज्य स्तर पर प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग यूनिट (च्डन्) भी बनाई गई है, जिसमें पर्यावरण, नगरीय विकास, आवास, सार्वजनिक निर्माण और औद्योगिक विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं।

राज्यपाल सबसे पहले प्रोटेम स्पीकर नियुक्त करेंगे जो नवनिर्वाचित सदस्यों को दिलाएंगे शपथ

बिहार विधानसभा अध्यक्ष पद पर प्रेम कुमार व दामोदर रावत का नाम आगे

एजेंसी। पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा राज्य के मंत्रियों को विभागों का बंटवारा किए जाने के एक दिन बाद विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए लामबंदी तेज हो गई है। सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सूत्रों ने शनिवार को यह बात कही। उन्होंने कहा कि गया टाउन विधानसभा सीट से लगातार नौवीं बार चुने गए भाजपा विधायक प्रेम कुमार को अध्यक्ष पद का प्रबल दावेदार माना जा रहा है क्योंकि वह पार्टी के सबसे वरिष्ठ नेताओं में से एक हैं। वहीं, झाझा से जद (यू) के विधायक दामोदर रावत का नाम भी चर्चा में है। सूत्रों ने बताया कि जल्द ही विधानसभा का एक विशेष सत्र बुलाया जाएगा ताकि सभी 243 निर्वाचित सदस्य शपथ ले सकें और अध्यक्ष का चुनाव कर सकें। उन्होंने कहा कि विशेष विधानसभा सत्र शुरू करने की तारीख 25 नवंबर को होने वाली राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में तय की जाएगी।

विधायकों के शपथ लेने के बाद होगा चुनाव

राजग के एक घटक दल के वरिष्ठ नेता ने कहा कि राज्यपाल सबसे पहले ह्यप्रोटेम स्पीकरह्न नियुक्त करेंगे जो नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाएंगे। सदस्यों के शपथ लेने के बाद विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा। सूत्रों ने बताया कि राजग के दोनों मुख्य घटक दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) विधानसभा अध्यक्ष पद पर नजर गड़ाए हुए हैं। जदयू के एक नेता ने कहा कि अब गठबंधन सहयोगियों के बीच विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए लामबंदी तेज हो गई है। उनकी बात का समर्थन करते हुए भाजपा के एक अंदरूनी सूत्र ने कहा कि लामबंदी जारी है। हमारे सबसे वरिष्ठ विधायक प्रेम कुमार विधानसभा अध्यक्ष पद की दौड़ में सबसे आगे हैं। पिछली राजग सरकार में सहकारिता मंत्री रहे प्रेम कुमार ने इस बार कांग्रेस उम्मीदवार अखौरी ओंकार नाथ को 26,423 मतों के अंतर से हराया है. वह 2015 से 2017 तक बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष भी रहे हैं। जदयू के सूत्रों ने बताया कि झाझा से विधायक दामोदर रावत का भी नाम इस पद को लेकर चर्चा में हैं। निवर्तमान

26 मंत्रियों ने ली है पद की शपथ

जदयू प्रमुख नीतीश कुमार (74) ने बृहस्पतिवार को एक भव्य समारोह में रिकॉर्ड 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। नीतीश कुमार के साथ 26 मंत्रियों ने पद की शपथ ली जिनमें भारतीय जनता पार्टी के 14, जनता दल यूनाइटेड के आठ, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के दो और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) और राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) के एक-एक मंत्री हैं। शपथ ले चुके मंत्रियों को विभाग सौंप दिया गया है। सभी ने पदभार ग्रहण करते हुए कार्य करना शुरू कर दिया है।

सात करोड़ की लूट को अंजाम देने वाले तीन अपराधी गिरफ्तार

एजेंसी। बेंगलूरू

कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरू में हाल ही में हुई एटीएम कैश वैन से सात करोड़ रुपये की लूट के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक पुलिस कांस्टेबल समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। साथ ही पुलिस ने लूटे गए सात करोड़ में से पांच करोड़ रुपये से ज्यादा बरामद भी कर लिए हैं। अब पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर लूट में शामिल अन्य संदिग्धों की तलाश में जुटी है। बेंगलूरू पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने बताया कि लूट की इस घटना की जांच में 200 से ज्यादा पुलिसकर्मी जुटे हैं। उन्होंने बताया कि, अब तक 5.76 करोड़ रुपये बरामद किए गए हैं और बाकी रकम का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। बेंगलूरू पुलिस के मुताबिक, घटना के 24 घंटों के अंदर ही पुलिस ने संदिग्धों और शामिल गाड़ियों की पहचान कर ली थी। तीनों आरोपियों को 54 घंटे के अंदर हिरासत में ले लिया गया और अगले छह घंटे में चोरी किए गए रुपयों में से 5.76 करोड़ बरामद कर लिए गए। गिरफ्तार लोगों में गोविंदराजनगर पुलिस स्टेशन का एक कांस्टेबल सीएमएस इंफोसिस्टम्स का एक पुराना कर्मचारी और कैश रिफिल गाड़ी का इंचार्ज शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि जांच जारी है और ग्रुप के बाकी सदस्यों को पकड़ने की कोशिश चल रही हैं।

मां के खिलाफ चुनाव लड़ने वाले का काउंटिंग एजेंट बने थे दीपक प्रकाश

एजेंसी। पटना

बिहार की राजनीति में सिर्फ सीटों का फेरबदल ही नहीं बल्कि कई रोचक घटनाएं भी देखने को मिल रही हैं। इनमें सबसे हैरान कर देने वाला मामला आरएलएम कोटे से मंत्री बनाए गए दीपक प्रकाश का है। दीपक प्रकाश ने हाल ही में पंचायती राज विभाग का कार्यभार संभाला है। पीएम मोदी की मौजूदगी में शपथ लेने वाले दीपक प्रकाश त्स्ड अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा के बेटे हैं। चुनाव नतीजों के बाद उनकी मां ने सासाराम सीट से जीत दर्ज की। जबकि, दीपक प्रकाश ने उसी सीट पर एक ऐसे निर्दलीय उम्मीदवार के काउंटिंग एजेंट के रूप में काम किया था, जिसे बेहद कम वोट मिले थे और उसकी जमानत जब्त हो गई थी। दीपक प्रकाश ने बिहार विधानसभा चुनाव में सासाराम विधानसभा सीट से निर्दलीय उम्मीदवार रामायण पासवान के लिए काउंटिंग एजेंट की भूमिका निभाई थी। चुनाव आयोग के रिकॉर्ड के अनुसार, मतगणना के दौरान उनकी भूमिका अभिकर्ता (एजेंट) की थी। चुनाव में रामायण पासवान को सिर्फ 327 वोट मिले और उनकी जमानत जब्त हो गई। राजनीतिक हलकों में ये चर्चा का विषय है कि उन्होंने अपनी मां की चुनावी टीम के बजाय एक ऐसे निर्दलीय उम्मीदवार के लिए काम किया, जिसकी हार तय थी। सासाराम विधानसभा सीट पर परिवार की राजनीति में जीत और हार के दोनों पहलू एक साथ देखने को मिले। एक तरफ, दीपक प्रकाश की माँ स्नेहलता कुशवाहा ने आरएलएम पार्टी के टिकट पर उसी सीट से चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचीं। वहीं, दूसरी ओर, दीपक प्रकाश जिस निर्दलीय उम्मीदवार के काउंटिंग एजेंट थे, उसकी जमानत जब्त हो गई।

राफेल, सुखोई-30 एमकेआई जैसे लड़ाकू विमानों को भी उड़ाने में सक्षम

न्योमा एयरबेस से होगी चीनी सीमा की निगरानी

एजेंसी। नई दिल्ली

अब चीन की शातिर चालबाजी को रोकने के लिए भारत ने सॉलिड उपाय कर दिया है। इसके तहत न्योमा एयरबेस का उपयोग प्रभावी तरीके से शुरू कर दिया गया है। दुनियां की सबसे ऊंची एयरबेस से चीन की हर हरकत पर पैनी नजर रखी जा रही है और किसी भी तरह की हरकत का मुंहतोड़ जवाब देने की तैयारी भी कर ली गई है। हाल में 12 नवंबर को भारतीयवायु सेना प्रमुख एपी सिंह को इस एयरबेस के पास सी-130जे श्सुपर हरक्यूलिसश परिवहन विमान उड़ाते देखा गया। उन्होंने दिल्ली के पास हिंडन से पूर्वी लद्दाख में नवनिर्मित न्योमा हवाई अड्डे के लिए उड़ान भरी, उनके साथ पश्चिमी वायु कमान प्रमुख, एयर मार्शल जीतेंद्र मिश्रा भी थे। एपी सिंह ने एयरबेस का चक्कर लगाकर चीन को एक कड़ा संदेश जरूर दे दिया। इस उड़ान ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण न्योमा एयरबेस के आधिकारिक उद्घाटन को चिह्नित किया, जो वास्तविक नियंत्रण रेखा, भारत और चीन के बीच वास्तविक सीमा से केवल 35 किलोमीटर दूर स्थित है। । 13,710 फीट की ऊंचाई पर, न्योमा अब दुनिया के सबसे ऊंचे परिचालन लड़ाकू-सक्षम हवाई अड्डों में से एक है।

एयरबेस से राफेल, सुखोई-30 जैसे लड़ाकू विमान गरजेंगे

न्योमा को एक साधारण मिट्टी की हवाई पट्टी से 2.7 किलोमीटर लंबे कठोर फुटपाथ वाले रनवे में बदल दिया। यह नया रनवे भारी-भरकम परिवहन विमानों और अंततः राफेल, सुखोई-30 एमकेआई जैसे लड़ाकू विमानों को भी उड़ाने में सक्षम है। न्योमा क्षेत्र में तैनात सैनिकों के लिए एक अग्रिम पड़ाव और उन तक जल्दी से रसद पहुंचाने के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। यह हवाई अड्डा 2026 की शुरूआत तक लड़ाकू अभियानों के लिए भी उपलब्ध होगा, हालांकि उच्च ऊंचाई एक सीमित कारक होगी, ठीक उसी तरह जैसे चीनी वायु सेना को एलएसी के पार सामना करना पड़ता है। न्योमा की एलएसी से निकटता भारत को पूर्वी लद्दाख में तेजी से प्रतिक्रिया करने का लाभ देती है। विशेष रूप से पैंगोंग त्सो, डेमचोक और देपसांग की ओर, जिनमें से सभी ने 2020 की घुसपैठ के दौरान घर्षण देखा था।

संगम सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल

परामर्श शुल्क मात्र ₹ 1/-

- जनरल फिजिशियन
- स्त्री रोग विशेषज्ञ
- जनरल व गेस्ट्रो सर्जरी
- बाल रोग विशेषज्ञ
- नाक, कान, गला विशेषज्ञ
- हड्डी व जोड़ रोग विशेषज्ञ
- न्यूरो फिजिशियन व सर्जरी
- हृदय रोग विशेषज्ञ
- ओनको सर्जरी (कैंसर)
- यूरोलॉजी सर्जरी
- फिजियो थेरेपी सेन्टर
- पैथोलॉजी

Add.: 53/2, Avadhpuri Colony, Khargapur, Gomti Nagar, Lucknow - 226010 | Email : Sangamhospitals2025@gamil.com
Mob.: 9956026260, 9044872872

A. D. GROUP OF EDUCATION

Recognized By:- Health Department Gov. Of Bihar, Bihar Nursing Council Jharkhand Nursing Council, BUHS Bihar, Ranchi University, PCI New Delhi | INC New Delhi

पाल पैरामेडिकल इंस्टिट्यूट एंड हॉस्पिटल

नि:शुल्क शिक्षा अभियान पढ़ना, रहना एवं खाना मुफ्त

नर्सिंग एवं पारामेडिकल के क्षेत्र में कैरियर बनाने का सुनहरा मौका

मेडिकल | डेन्टल | आयुर्वेदा | होमियोपैथी | यूनानी | वेटरनरी | नेचुरोपैथी

के क्षेत्र में कैरियर बनाने का सुनहरा मौका

India & Abroad के Top मेडिकल कॉलेज में नामांकन करावाएं

100% प्लेसमेंट की सुविधा

JAMUI College Of Pharmacy (Bihar) PCI-4409
S.N.S. College Of Health. Education (Ranchi) PCI-7033
R.S. Institute Of Health Education (Ranchi) PCI-9093
S.N.S. Intitute Of Health Education (Ranchi)
RAJIV College Of Health. Education (Ranchi)
S.S. College Of Nursing (Buxar)

WHO Approved College High FMGE Passing Percentage
World Class Education with affordable
Super Multi Speciality Hospital with good patient flow
For: NEET Qualified Students

ADMISSION DEPARTMENT OF EDUCATION

B.ED | D.Le.Ed | BBA BCA | MBA | BA | B.Sc B.Com | POLYTECHNIC | MA | M.Sc | M.Com | MBBS BDS | BHMS, BUMS, BAMS, MD, MS

NCISM I NMC & WHO Approved College
Apply Online: www.palparamedical.com

ANM I B.Sc Nursing I GNM I D. Pharma I B. Pharma
BPT I DMLT I CMS ED I DRESSER I BMLT I P.B.sc Nursing

+91 8851335609, 9472164547, 6206049137
Head Office:- Itarhi Block Buxar, Bihar (802123)
Our Branch office:- Patna I Lucknow I Noida

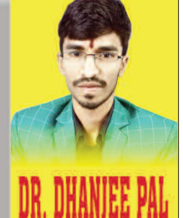

DR. DHANJEE PAL
DIRECTOR/CEO

कड़ी चुनौतियों के बीच मिली ब्रह्मपुर में जीत, विधायक शंभूनाथ सिंह यादव ने जनता का जताया आभार

■ विवादों, तकनीकी बाधाओं और सघन मुकाबले के बाद मिली जीत को विधायक ने बताया जनता के विश्वास की विजय; ब्रह्मपुर की राजनीतिक अहमियत पर भी दिया

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

ब्रह्मपुर विधानसभा से निर्वाचित राजद विधायक शंभूनाथ सिंह यादव ने विजय के बाद शनिवार की दोपहर चंद्रपुरा स्थित पासवान टोली पहुंचकर मतदाताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से ब्रह्मपुर की जनता ने उन पर भरोसा जताया है, वह न सिर्फ भावुक करने वाला है बल्कि राजनीतिक रूप से भी प्रेरणादायक है। विधायक यादव ने अपने संबोधन में आरोप लगाया कि देशभर में एनडीए और भाजपा द्वारा कथित तौर पर चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने तथा वोट चोरी की कोशिशों की चर्चा होती रही, फिर भी ब्रह्मपुर की जनता ने लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति सम्मान दिखाते हुए उन्हें मजबूत समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि यह जनादेश उनके लिए ह्लकृतज्ञता का ऋणह्व है, जिसे वे आने वाले समय में विकास कार्यों के माध्यम से चुकाने का प्रयास करेंगे।इस बार ब्रह्मपुर विधानसभा बिहार की सबसे चर्चित सीटों में शामिल रही। मतगणना के दौरान तीन ईवीएम में तकनीकी गड़बड़ी सामने आई, जिसके कारण अंतिम तीन राउंड की गिनती विविपैट से करानी पड़ी। इससे पूरे जिले का राजनीतिक तापमान बढ़ गया था और सभी की निगाहें ब्रह्मपुर पर टिकी थीं। कड़ी प्रतिस्पर्धा ने मुकाबले को और रोचक बना दिया। अंततः राजद उम्मीदवार शंभूनाथ सिंह यादव ने 3,220 वोटों के अंतर से जीत हासिल की। उन्हें कुल 95,828 वोट मिले, जबकि एनडीए प्रत्याशी हुलास पांडेय को 92,608 वोट प्राप्त हुए। बक्सर जिले की चार विधानसभा सीटों में ब्रह्मपुर ही वह एकमात्र सीट रही जो महागठबंधन के खाते में गई। बक्सर, राजपुर और डुमरांव तीनों सीटें एनडीए ने जीत लीं। वर्ष 2020 में सभी चार सीटों पर महागठबंधन का कब्जा था, ऐसे में इस बार केवल ब्रह्मपुर का बचना राजनीतिक विश्लेषकों के लिए विशेष चर्चा का विषय बना हुआ है। राजद समर्थकों का मानना है कि यह जीत संगठन की मजबूती, स्थानीय मुद्दों की पहचान और जनता के भरोसे का प्रत्यक्ष परिणाम है। विधायक यादव ने कहा कि वे ब्रह्मपुर क्षेत्र के विकास और जनकल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे। क्षेत्र के ज्वलंत मुद्दों को विधानसभा में मजबूती से उठाने का आश्वासन देते हुए उन्होंने कहा कि यह जीत सिर्फ एक राजनीतिक सफलता नहीं, बल्कि जनभागीदारी और विश्वास की जीत है जिसे वे हर कदम पर सार्थक बनाना चाहते हैं।

चौसा में चलती बाइक से गिरकर महिला घायल, सदर अस्पताल रेफर

केटी न्यूज/बक्सर

चौसा-बक्सर मुख्य मार्ग पर शनिवार की दोपहर एक दर्दनाक हादसा उस समय हुआ, जब मुफस्सिल थाना क्षेत्र के डुमडेरवा ब्रह्मस्थान के पास चलती बाइक से गिरकर 55 वर्षीय महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार महिला बाइक के पीछे बैठी हुई थी, तभी अचानक संतुलन बिगड़ने से वह सड़क पर गिर पड़ी। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत मदद करते हुए घायल महिला को चौसा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया। हालांकि स्थिति गंभीर होने के कारण डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए उन्हें बक्सर सदर अस्पताल रेफर कर दिया। घायल महिला की पहचान कैमूर जिले के नुआंव निवासी खुशुब निशा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह अपने छोटे पुत्र के साथ निजी बाइक से इलाज के लिए बक्सर जा रही थीं। इसी दौरान डुमडेरवा के पास अचानक दुर्घटना हो गई। हादसे में महिला के सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आई हैं, जबकि बाइक चला रहा उनका पुत्र सुरक्षित बताया जा रहा है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने सड़क सुरक्षा को लेकर चिंता जाहिर की। इस सम्बन्ध में एसआइ चन्दन कुमार ने बताया कि घटना की जानकारी के बाद पुलिस को भेजा गया है। जहा महिला सुरक्षित है।

डुमरांव में सार्वजनिक शौचालयों की दुर्दशा, रखरखाव की कमी से लोग फिर खुले में शौच को हो रहे मजबूर

■ वार्ड 22 के दुसाध टोली में टंकी भरने से बढ़ी परेशानी, शिकायत के बाद भी नप की कार्रवाई नदारद, बस्ती में भारी आक्रोश, जल्द समाधान नहीं हुआ तो होगा विरोध-प्रदर्शन

केटी न्यूज/डुमरांव

शहर को खुले में शौच मुक्त बनाने के उद्देश्य से नगर पंचायत द्वारा करोड़ों की लागत से बनाए गए 19 सार्वजनिक शौचालय अब उपेक्षा और लापरवाही का शिकार हो रहे हैं। इनमें से लगभग एक दर्जन शौचालय तो आज भी उपयोग में हैं, लेकिन इनमें भी सफाई और रखरखाव की स्थिति अत्यंत खराब है। वहीं, करीब आधा दर्जन शौचालय ऐसे स्थानों पर बनाए गए हैं जहां लोग सुविधा का उपयोग ही नहीं करते। परिणामस्वरूप, आम लोगों को फिर से खुले में शौच करने जैसी मजबूरियों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे गंभीर हालत वार्ड 22 के दुसाध टोली स्थित सार्वजनिक शौचालय की है, जिसकी सेप्टिक टंकी कई दिनों से पूरी तरह भर चुकी है। बदबू और गंदगी के कारण आसपास का माहौल दूषित हो चुका है। महिलाओं और बच्चों के लिए स्थिति और भी दयनीय है। सुरक्षित और स्वच्छ सुविधा के अभाव में उन्हें खुले स्थानों का सहारा लेना पड़ रहा है।

लोगों की बढ़ी परेशानी, शिकायत पर भी नहीं हुई कार्रवाई

दुसाध टोली में रहने वाले भाजपा नेता विनोद पासवान ने इस समस्या को लेकर नगर पंचायत अधिकारियों से औपचारिक शिकायत की थी। उन्होंने बताया कि बस्ती में पिछले कई दिनों से शौचालय की टंकी भर जाने से स्थिति बदतर होती जा रही है। रास्ते में गंदगी, कीचड़ और बदबू ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। शिकायतकर्ता पासवान का कहना है कि यदि 24 घंटे के भीतर टंकी की सफाई नहीं कराई गई तो वे डीएम और एसडीओ को पत्र लिखकर विरोध-प्रदर्शन शुरू करेंगे। उन्होंने चेतावनी दी है कि इस अव्यवस्था की पूरी जिम्मेदारी नगर पंचायत की होगी। स्थानीय लोग भी इस मुद्दे पर आक्रोशित हैं और नप पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगा रहे हैं। बस्ती के निवासियों का कहना है कि शौचालय के आसपास कीचड़ और गंदगी का अंबार लगा रहता है। सड़कें महीनों से खराब पड़ी हैं, जिससे महिलाओं और बच्चों का निकलना तक मुश्किल हो गया है। सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्वच्छता से जुड़े इस गंभीर मामले पर नगर प्रशासन की उदासीनता लोगों में असंतोष पैदा कर रही है।

सड़क निर्माण अटका, वार्ड पार्षद ने बताई वजह

वार्ड 22 के पार्षद अमर पासवान ने बताया कि बस्ती में सड़क निर्माण के लिए उन्होंने लंबे समय पहले नगर पंचायत को प्रस्ताव भेजा था। चयन भी हो चुका था, लेकिन चुनाव आचार संहिता लागू होने के कारण काम अधर में लटक गया। अब चुनाव समाप्त हो चुके हैं और पासवान ने आश्वासन दिया कि वे जल्द ही सड़क निर्माण कार्य को पुनः शुरू कराने की दिशा में पहल करेंगे। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि सड़क बन जाती, तो बरसात और नालियों की गंदगी से होने वाली समस्याओं में काफी कमी आती। लेकिन निर्माण कार्य की देरी ने इस क्षेत्र को नारकीय स्थिति में पहुंचा दिया है।

नप स्वच्छता पदाधिकारी का दावा, जल्द होगा समाधान

इस मुद्दे पर जब नगर पंचायत स्वच्छता पदाधिकारी से बात की गई तो उन्होंने स्वीकार किया कि दुसाध टोली के सार्वजनिक शौचालय की टंकी भरने की शिकायत उन्हें प्राप्त हो चुकी है। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द टंकी की सफाई कराई जाएगी। साथ ही, शहर के अन्य सार्वजनिक शौचालयों की भी जांच करके जहां भी समस्या होगी, उसका समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। हालांकि, क्षेत्र के लोगों का कहना है कि नप अधिकारियों के ष्जल्द कार्रवाई के दावे कई बार किए जाते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति जस की तस बनी रहती है।

लोगों की उम्मीद, केवल घोषणा नहीं, हो ठोस कार्रवाई

शहरवासियों का कहना है कि स्वच्छता जैसे संवेदनशील मुद्दे पर नगर प्रशासन को गंभीरता से कदम उठाने चाहिए। एक तरफ सरकार स्वच्छ भारत मिशन को सफल बनाने में जुटी है, वहीं दूसरी तरफ मूलभूत सुविधाओं के रखरखाव में लापरवाही पूरे अभियान की छवि धूमिल करती है। वार्ड 22 की समस्या ने शहर में सार्वजनिक शौचालयों की वास्तविक स्थिति को उजागर कर दिया है। अब देखना यह है कि नगर पंचायत इस दिशा में कितनी तेजी से काम करती है और लोगों की परेशानी कब तक कम होती है।

चौपाल में किसानों को दी गई कम लागत में बेहतर पैदावार के टिप्स

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड के केसठ एवं दसियांव गांव में शनिवार को कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंध अभिकरण आत्मा, बक्सर द्वारा कृषि जन कल्याण चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को कम लागत में बेहतर पैदावार देने वाली नवीनतम तकनीकों की जानकारी प्रदान करना और कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं से अवगत कराना था।प्रखंड तकनीकी प्रबंधक डॉ. प्रफुल कुमार ने बताया कि चौपाल के माध्यम से प्रखंड के सभी पंचायतों में कृषि विभाग की टीम ने दौरा कर किसानों के बीच कृषि, उद्यान, यंत्रीकरण, भूमि संरक्षण, मिट्टी जांच तथा पराली प्रबंधन जैसी प्रमुख योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से धान कटाई के बाद खेत में बचे अवशेषों के वैज्ञानिक प्रबंधन पर जोर देते हुए किसानों से पराली न जलाने की अपील की।किसान समन्वयक हरिश्चंद्र पासवान ने कहा कि किसान अपने-अपने पंचायतों में लगने वाले चौपाल में अवश्य पहुंचें, ताकि वे सरकारी योजनाओं एवं नई तकनीकों का प्रत्यक्ष लाभ उठा सकें। उन्होंने बताया कि विभाग किसानों को समय-समय पर मार्गदर्शन दे रहा है, जिससे उत्पादन बढ़ाने और लागत कम करने में सहायता मिल रही है। उन्होंने यह भी कहा कि अधिक जानकारी एवं तकनीकी सहायता के लिए किसान अपने पंचायत के किसान सलाहकार, कृषि समन्वयक, सहायक तकनीकी प्रबंधक, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक या प्रखंड कृषि पदाधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। मौके पर लेखपाल प्रफुल कुमार, किसान सलाहकार अमरेन्द्र प्रसाद, विजय कुमार सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः– सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

बुकिंग कार्यालय और ओवरब्रिज के पास ऑटो वाले बेतरतीब ढंग से लगा देते हैं, जिससे बढ़ावा मिलता है

केटी न्यूज/डुमरांव

स्थानीय रेलवे स्टेशन के सौंदर्यीकरण और विकसित करने का काम इतना मंथर गति से चल रहा है, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी हो रही है। रेलवे स्टेशन के बुकिंग काउंटर और ओवरब्रिज के पास ऑटो को बेतरतीब ढंग से खड़ा कर दिया जाता है, जिससे जाम लग जाता है। ट्रेन से उतरकर ओवरब्रीज से जैसे ही उतरते हैं, ऑटो वाले सवारी को चढ़ाने को लेकर पूरे रोड को जाम कर देते हैं। ऐसे में यात्री जाम में फंस तो जरूर जाते हैं, नया भोजपुर और फोरलेन से आने वाले वाहन भी आकर फंस जाते हैं। यह सिलसिला जब से प्लेटफार्म को बनाने का काम लगा है, तभी से यह सिलसिला चल रहा है। अबतक रेलवे स्टेशन का काम पूरा हो जाना चाहिए, लेकिन मुख्य रोड पर ही गड्ढे की खुदई कर दिये जाने से परेशानी और बढ़ गई है। मालूम हो कि डुमरांव रेलवे स्टेशन को चार प्लेटफार्म में विस्तारित करने को लेकर 17 करोड़ रूपया आवंटित हुआ है। लगभग एक साल से काम लगा हुआ है, लेकिन अभी काम आधा-अधूरा पड़ा हुआ है। बीच में छह माह तक कोई काम ही नहीं हुआ। प्लेटफार्म बढ़ाने के लिये काम तो लग गया, लेकिन ऑटो स्टैंड के लिये कोई स्थल नहीं दिया गया, जिससे जाम को बढ़ावा मिल रहा है। यात्रियों का कहना है कि रेलवे अपने काम को पूरा भी नहीं किया है और नहीं स्टैंड के लिये स्थल ही दिया है। रोज-रोज की इस समस्या से जाम लगने के कारण कईबार ऐसा हुआ है कि यात्रियों की ट्रेन छूट गई है। सबसे परेशानी महिला यात्रियों और उनके साथ यात्रा करने वाले बच्चों और बुजुर्ग लोगों को होती है।

25 नवम्बर को बक्सर में रोजगार शिविर, 100 पदों पर होगी नियुक्ति

■ एसआईएस सुरक्षा सेवा कंपनी करेगी चयन, मैट्रिक/इंटर पास युवाओं के लिए सुनहरा अवसर

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार सरकार के श्रम संसाधन विभाग तथा जिला नियोजनालय, बक्सर के तत्वावधान में आगामी 25 नवम्बर (मंगलवार) को संयुक्त श्रम भवन, बक्सर में एक दिवसीय रोजगार शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह श्रम भवन औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), बक्सर के परिसर में स्थित है। जिला नियोजनालय की ओर से इस शिविर में बड़ी संख्या में युवाओं के शामिल होने की अपेक्षा की गई है।

इस रोजगार शिविर में एसआईएस सुरक्षा सेवा प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रतिभाग किया जाएगा। कंपनी ने 19 से 40 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं के लिए सुरक्षा प्रहरी (गार्ड) एवं पर्यवेक्षक (सुपरवाइजर) पदों पर नियुक्ति की घोषणा की है। नियोक्ता कंपनी द्वारा कुल 100 रिक्त पद उपलब्ध कराए गए हैं। इन पदों के लिए मैट्रिक या इंटरमीडिएट उत्तीर्ण युवक आवेदन के पात्र होंगे।कंपनी द्वारा निर्धारित मासिक वेतन 17,000 रुपये से 25,000 रुपये (सकल पारिश्रमिक) के बीच रहेगा। चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति पूरे देश में विभिन्न कार्यस्थलों पर की जाएगी। यह अवसर उन युवाओं के लिए विशेष लाभदायक माना जा रहा है जो निजी क्षेत्र में सुरक्षा सेवाओं से संबंधित नौकरी के इच्छुक हैं। जिला नियोजन पदाधिकारी प्रणव प्रतीक ने सभी इच्छुक आवेदकों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे के बीच रोजगार शिविर में उपस्थित हों। इसके लिए अभ्यर्थी अपने सभी आवश्यक दस्तावेज लेकर आएं, जिनमें आधार कार्ड, पैन कार्ड, शैक्षणिक प्रमाण पत्र, बायोडाटा तथा यदि उपलब्ध हो तो स्नातक प्रमाण पत्र भी शामिल हैं।

श्री प्रतीक ने यह भी बताया कि शिविर स्थल पर ही राष्ट्रीय कैरियर सेवा पोर्टल (एनसीएस) पर अभ्यर्थियों का निःशुल्क पंजीकरण किया जाएगा, ताकि चयन प्रक्रिया सुचारू रूप से चल सके। जिला नियोजनालय ने युवाओं से आग्रह किया है कि वे इस अवसर का भरपूर लाभ उठाएं और समय पर उपस्थित होकर आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करें। रोजगार शिविर को लेकर जिले के युवा वर्ग में उत्साह देखा जा रहा है। बड़ी संख्या में युवा सुरक्षा सेवाओं में रोजगार पाने के उद्देश्य से शिविर में शामिल होने की तैयारी कर रहे हैं। प्रशासन का मानना है कि ऐसे आयोजनों से स्थानीय युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर मिलेंगे और कौशल विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएंः
■ विशाल और सुसज्जित हॉल
■ आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
■ ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
■ बड़ा पार्किंग एरिया
■ 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
■ साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
■ बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
■ हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर

सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

ठंड ने दी दस्तक से बाजार में सजने लगी गर्म कपड़े की दुकानें

केटी न्यूज/डुमरांव

सुबह और शाम में अब ठंड का अहसास होने लगा है। इस वजह से गर्म कपड़ों की जरूरत खासकर बच्चों व बुजुर्गों को महसूस होने लगी है। पिछले तीन दिनों से न्यूनतम तापमान 16 डिग्री तक पहुंच गया। ठंड की दस्तक आते ही बाजारों में गर्म कपड़ों की दुकानें सजने लगी और खरीदार भी अपने मन मुताबिक खरीदारी तेज कर दिए है। जैसे-जैसे तापमान गिरेगा वैसे-वैसे ऊनी कपड़ों की मांग भी बढ़ेगी। लग्न व ठंड को लेकर धीरे-धीरे मंडियों की रौनक बढ़ने लगी है। शहर के गोला रोड, स्टेशन रोड, चौक रोड सहित अन्य कई मंडियों में भी अधिकतर छोटी-बड़ी दुकानें गर्म कपड़ों के सेल में जुट गयी है। फुटपाथी दुकानों में भी अधिकतर गर्म कपड़े दिखाई दे रहे है। नामी-गिरामी ब्रांडों के शो रूमों में भी ऊनी कोर्ट, जैकेट, स्वेटर, कंबल आदि मंगाये गये है। इधर लग्न को लेकर कपड़ो के बाजार में भीड़ बढ़ी है। व्यवसायी अविनाश सिंह, सुरेश गुप्ता, अमरेंद्र कुमार आदि ने बताया कि दुकानों पर स्वेटर, जैकेट, इनर, मफलर आदि की मांग बढ़ गयी है। नन्हें बच्चों के गर्म कपड़े की बिक्री में तेजी आयी है। दुकानों पर कुछ लोग फुल स्वेटर व टोपी तो कोई मफलर एवं ऊनी चादर की मांग कर रहे थे। जैकेट, कोट, बंडी की भी खरीदारी हो रही है। ऊनी कपड़ों की खरीदारी कर रहे अमरजीत सिंह व राजेश कुमार ने बताया कि अभी दुकानों पर भीड़ कम है। अभी खरीदारी करने पर अपनी पसंद व अच्छी गुणवत्ता वाला कपड़ा मिल जाएगा। भीड़ में खरीदाने पर दिक्कत हो सकती है। अच्छा समान बिक जाने पर बाद में नहीं मिल पाता है।

इन चीजों की हो रही खरीदारी

इलेक्ट्रॉनिक सामान के विक्रेता दीपक कुमार, राजकुमार ने बताया कि अभी गुलाब ठंड का असर है। अभी ज्यादा ग्राहक पानी गरम करने के लिए इमरशन रॉड खरीद रहे हैं। कुछ लोग कमरों को गर्म करने के लिए ब्लोवर, रूम हिटर की खरीदारी कर रहे हैं। गीजर की भी बिक्री हो रही है। उन्होंने बताया कि लोगों की डिमांड को देखते हुए ठंड से बचाव से संबंधित विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक समानों का आर्डर दिया गया है। एक- दो दिनों में दुकान पर पहुंच जायेगा।

-- माल स्टॉक कर रहे कारोबारी

ऊनी कपड़ा के व्यवसायी अविनाश सिंह व अमरेंद्र कुमार ने बताया कि ठंड में बिकने वाले जैकेट, स्वेटर, मफलर, शॉल, टोपी आदि बाहर से मंगा लिए हैं। अभी कुछ और आइटम आनेवाला है। दुकान पर कुछ लोग खरीदारी करने आ रहे हैं। जैसे-जैसे ठंड बढ़ेगी, ग्राहकों की संख्या में इजाफा होगा। बच्चों के कपड़ों की बिक्री ज्यादा होती है।

बच्चों के चहुमुंखी विकास के लिए कृतसंकल्पित कैंब्रिज परिवार : टीएन चौबे

- **कैंब्रिज स्कूल डुमरांव में वार्षिक खेल स्पर्धा 2025 का भव्य आगाज**
- **स्वस्थ शरीर, स्वस्थ मस्तिष्क, थीम पर बच्चों ने बिखेरा हुनर**

केटी न्यूज/डुमरांव

कैंब्रिज स्कूल, डुमरांव का वार्षिक खेल दिवस इस बार अनोखे उत्साह और रंगारंग माहौल के बीच मनाया गया। ह्यस्वस्थ शरीर, स्वस्थ मस्तिष्कह्ल थीम पर आधारित स्पर्धा 2025 का शुभारंभ शनिवार को विद्यालय परिसर के खेल मैदान में हुआ, जहां विद्यार्थियों ने खेलकूद और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगरपालिका उपआयुक्त राहुलधर पाण्डेय एवं स्कूल चेयरमैन टी. एन. चौबे सहित विशिष्ट अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया।

अनुशासन और भयमुक्त शिक्षा है विद्यालय की पहचान : चेयरमैन चौबे

कार्यक्रम की औपचारिक शुरूआत स्कूल चेयरमैन टी. एन. चौबे द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुई। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि विद्यालय बच्चों के चौमुखी विकास के लिए कृतसंकल्पित है। खेलकूद से बच्चों में नेतृत्व, अनुशासन और टीम स्पिरिट विकसित होती है, जो आधुनिक समय की अनिवार्य आवश्यकताएं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि विद्यालय में भयमुक्त शिक्षा और अनुशासित वातावरण के कारण ही बच्चे स्कूल को अपना दूसरा घर समझते हैं। हार से न घबराने और निरंतर मेहनत के मूल मंत्र को बच्चों को समझाते हुए उन्होंने बताया कि सफलता हमेशा धैर्यवान और परिश्रमी को ही मिलती है।

मुख्य अतिथि ने विद्यालय के बहुआयामी प्रयासों की सराहना की

उपायुक्त राहुलधर पाण्डेय ने विद्यालय द्वारा बच्चों को गुणवत्तापूर्ण एवं बहुआयामी मंच उपलब्ध कराने के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने भाग लेने वाले बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेलकूद बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में आधारशिला का काम करती है। अनुशासन, नेतृत्व और आपसी सहयोग जैसी गुणात्मक विशेषताएं खेलों के माध्यम से ही विकसित होती हैं।

मार्च-पास्ट, नृत्य और कराटे ने जीता सबका मन

हाउसवाइज मार्च-पास्ट की सलामी मुख्य अतिथियों द्वारा ली गई। तत्पश्चात छात्राओं ने आकर्षक स्वागतम नृत्य प्रस्तुत किया, जबकि छात्रों ने कराटे कौशल का प्रदर्शन कर मंच और मैदान में मौजूद अभिभावकों तथा अतिथियों को अचंभित कर दिया।

टैगोर हाउस रहा चैंपियन

विभिन्न प्रतियोगिताओं में हाउसों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। अंतिम परिणाम में प्रथम स्थान पर टैगोर हाउस, द्वितीय स्थान पर तानसेन हाउस जबकि तृतीय स्थान विश्वामित्र हाउस घोषित किया गया।

सैकड़ों प्रतिभागियों ने दर्ज की दमदार उपस्थिति

म्यूजिकल चेयर, बलून बर्स्ट, रिले रेस, स्पून-मार्बल रेस, 50 एवं 100 मीटर रेस, सैक रेस, केटरपिलर रेस, फुटबॉल, क्रिकेट, बैडमिंटन, खो-खो, चेस, कराटे, मैथ रेस सहित दर्जनों खेलों में बच्चों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। पीयूष कुमार, श्रीजा कुमारी, उत्कर्ष राय, शिवांस कुमार, आरूही कुमारी समेत अनेक प्रतिभागियों ने शानदार प्रदर्शन किया। स्पर्धा के सफल संचालन में राजेश कुमार, आदित्य पाण्डेय, सागर कुमार, नेहा कुमारी, रागिनी सिंह सहित दर्जनों शिक्षकों की विशेष भूमिका रही। कार्यक्रम का मंच संचालन सीनियर इंचार्ज रॉबिन राय एवं कक्षा 11 की छात्रा सोनल चौबे ने किया।

एक नजर

भूमि विवाद निपटारे में प्रशासन की सक्रियता, जनता दरबार ने बढ़ाया भरोसा

बक्सर। भूमि से जुड़े तनाव और बढ़ते विवादों के बीच शनिवार को प्रखंड सभागार में आयोजित जनता दरबार ने लोगों को समाधान का भरोसा दिया। नई व्यवस्था के तहत थाने से हटाकर अंचल प्रशासन के नियंत्रण में आए इस दरबार में तीन मामलों पर सुनवाई हुई। उल्लेखनीय रूप से दो मामलों का निपटारा मौके पर ही कर दिया गया, जिससे उपस्थित लोगों में राहत और संतोष दिखा। इस पूरी प्रक्रिया का नेतृत्व राजस्व पदाधिकारी उद्धव मिश्रा और पुलिस पदाधिकारियों की टीम ने किया। राजस्व कर्मियों की मौजूदगी में पक्षकारों के दस्तावेजों की जांच की गई और दोनों पक्षों की बातों को विस्तार से सुना गया। जिन मामलों में कागजात अधूरे थे, उन्हें अगली तारीख पर उपस्थित होने का निर्देश दिया गया। नई व्यवस्था का बड़ा संदेश यह रहा कि भूमि विवादों को केवल पुलिस-प्रशासनिक कार्रवाई के रूप में नहीं, बल्कि राजस्व और कानूनी प्रक्रिया के तहत सुलझाने पर जोर दिया जा रहा है। इससे न केवल निर्णय अधिक पारदर्शी होंगे, बल्कि अनावश्यक टकराव और तनाव भी कम होगा। अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि व्यक्तिगत झगड़ों और विवादों की जगह ऐसे मंचों का उपयोग करें, जहां समाधान कानूनी रूप से दर्ज और संरक्षित रहता है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य गांव-स्तर पर शांतिपूर्ण सहमति और त्वरित निपटारा सुनिश्चित करना है।

कतिकनार में डीआरपी ने किया मॉर्निंग फॉलो-अप, शौचालय उपयोग को लेकर लोगों में बढ़ी जागरूकता

केसठ। शनिवार की सुबह कतिकनार पंचायत के विभिन्न गांवों में लोहिया स्वच्छता अभियान के तहत हमारा शौचालय, हमारा सम्मान कार्यक्रम के अंतर्गत डीआरपी त्रिभुवन सिंह द्वारा व्यापक मॉर्निंग फॉलो-अप अभियान चलाया गया। डीआरपी ने गांव की गलियों और मोहल्लों का पैदल निरीक्षण करते हुए ग्रामीणों को शौचालय के नियमित उपयोग के प्रति जागरूक किया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने लोगों से कहा कि सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई शौचालय सुविधा का उपयोग करना प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। खुले में शौच करने से अस्वच्छता बढ़ती है और इससे बीमारियों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। उन्होंने स्वच्छता को परिवार और समाज दोनों के स्वास्थ्य से जुड़ा अहम विषय बताया।डीआरपी ने उन परिवारों की भी पहचान की जिन्होंने अब तक शौचालय निर्माण नहीं कराया है। उन्होंने ऐसे परिवारों को शीघ्र शौचालय निर्माण के लिए प्रेरित किया और कहा कि जब तक सभी लोग शौचालय निर्माण और उपयोग को जीवनशैली का हिस्सा नहीं बनाते, तब तक अभियान का उद्देश्य पूर्ण नहीं हो सकता।कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता प्रवेक्षक प्रदीप कुमार, सफाई कर्मियों और अन्य ग्रामीण भी मौजूद थे। डीआरपी ने सफाई कर्मियों के साथ बैठक कर गांव की स्वच्छता व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मॉर्निंग फॉलो-अप के दौरान ग्रामीणों में स्वच्छता को लेकर सकारात्मक रुझान देखने को मिला। कई लोगों ने शौचालय उपयोग और साफ-सफाई बनाए रखने का आश्वासन दिया। डीआरपी ने अपील की कि स्वच्छता को आदत बनाकर ही हमारा शौचालय, हमारा सम्मान अभियान को सफल बनाया जा सकता है।

चौसा नगर पंचायत सशक्त स्थायी समिति की बैठक संपन्न, लिए गए कई अहम फैसले

नगर विकास की रफ्तार बढ़ाने को चौसा नगर पंचायत की बड़ी पहल

- **सफाई व्यवस्था से लेकर स्ट्रीट लाइट, यात्री शेड, ट्रेड लाइसेंस अभियान और हाउस टैक्स माफी तककृनगर के समग्र विकास को लेकर बनी व्यापक**

केटी न्यूज/चौसा

नगर पंचायत चौसा में शनिवार को मुख्य पार्षद किरण देवी की अध्यक्षता में आयोजित सशक्त स्थायी समिति की बैठक नगर विकास की दिशा में कई बड़े निर्णयों के लिए अहम साबित हुई। कार्यपालक पदाधिकारी रानी कुमारी द्वारा संचालित इस बैठक में सफाई व्यवस्था, जनसुविधाओं के विस्तार, कर राहत और व्यापारियों को लेकर महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा की गई और सभी बिंदुओं पर सर्वसम्मति से निर्णय लिए गए।

बैठक की शुरूआत नगर की साफ-सफाई व्यवस्था की समीक्षा से हुई। मुख्य पार्षद ने बताया कि नगर में सफाई कार्यों के लिए चयनित एजेंसी के साथ किया गया दो वर्ष का एग्रीमेंट अब अपने पहले साल की अवधि पूरी कर चुका है। एजेंसी के कार्यों में संतोषजनक प्रगति को देखते हुए बचे हुए एक वर्ष के लिए अनुबंध के नवीनीकरण पर समिति ने मुहर लगा दी। यह निर्णय नगर में निरंतर और बेहतर सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लिया गया है।

इसके साथ ही बैठक में व्यापारियों को व्यापार अनुज्ञप्ति (ट्रेड लाइसेंस) निर्गत कराने को लेकर एक बड़े जागरूकता अभियान चलाने पर सहमति बनी। नगर पंचायत आगामी दिनों में वार्डह्वार्ड अभियान चलाकर व्यापारियों को लाइसेंस की अनिवार्यता और लाभों के बारे में बताएगा, ताकि अधिक से अधिक व्यापारी नियमानुसार लाइसेंस प्राप्त कर सकें। नगर में जल्द ही पोस्टर, माइकिंग और प्रचारह्प्रसार सामग्री के माध्यम से इस अभियान को गति दी जाएगी।

बैठक का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा नगर के सभी वार्डों में जनसुविधाओं के विस्तार से जुड़ा रहा। समिति ने विभिन्न वार्डों में आवश्यकतानुसार स्ट्रीट लाइट लगाने का निर्णय लिया, ताकि अंधेरे वाले क्षेत्रों में प्रकाश व्यवस्था मजबूत की जा सके। इसके अलावा पेयजल सुविधा को बेहतर बनाने के लिए चापाकल एवं वाटर कूलर स्थापित करने, सार्वजनिक स्थलों पर यात्री शेड और सामुदायिक शेड निर्माण, पार्कों एवं सार्वजनिक स्थानों पर सीमेंटेड कुर्सियां लगाने तथा सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए सीसीटीवी कैमरों के विस्तार की स्वीकृति दी गई। नगर के भीड़भाड़ वाले चौराहों और प्रमुख इलाकों में हाई मास्ट लाइट लगाने का भी निर्णय लिया गया, ताकि रात के समय सुरक्षा और आवाजाही सुचारू रहे। नाली-गली निर्माण, मरम्मत और सौंदर्यीकरण जैसे बुनियादी कार्यों को भी मंजूरी मिली, जिससे वार्डों में विकास कार्यों की गति तेज होने की उम्मीद है। आर्थिक मोर्चे पर भी बैठक से लोगों को राहत की खबर सामने आई। समिति को यह जानकारी दी गई कि सरकार ने मार्च 2026 तक होल्डिंग टैक्स पर लगने वाली पेनल्टी और ब्याज पूरी तरह माफ कर दिया है। इस अहम घोषणा को लेकर नगर में बड़े स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाएगा, ताकि लोग इस राहत का लाभ उठा सकें। नगर पंचायत वार्ड-वार्ड शिविर लगाकर बकाया होल्डिंग टैक्स जमा कराने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करेगी और उन्हें माफी योजना की विस्तृत जानकारी देगी।

बैठक में उपस्थित उप मुख्य पार्षद सरिता देवी, समिति सदस्य ललिता देवी, चंदन चौधरी, आनंद कुमार रावत, सहायक लोक स्वच्छता पदाधिकारी मोहम्मद अरशद हैदर नकवी एवं प्रभारी प्रधान सहायक सत्य प्रकाश ने अपने-अपने सुझाव रखते हुए नगर के समग्र विकास के लिए कई बिंदुओं पर जोर दिया।

सशक्त स्थायी समिति की यह बैठक न केवल आगामी महीनों के विकास कार्यों का खाका तय करती है, बल्कि यह भी दशार्ती है कि नगर पंचायत चौसा नगर के हर वार्ड तक बुनियादी सुविधाओं को पहुंचाने और प्रशासनिक पारदर्शिता बढ़ाने को लेकर गंभीर है।

बैठक के निर्णयों से साफ है कि नगर पंचायत चौसा आने वाले दिनों में तेजी से विकास कार्यों को जमीन पर उतारने के लिए पूरी तैयारी के साथ आगे बढ़ रही है, और इसका प्रत्यक्ष लाभ नगरवासियों को मिलने वाला है।

पुराना बाजार पुल के पास सोलर स्ट्रीट लाइट बंद, स्थानीय लोगों में नाराजगी

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड स्थित पुराना बाजार पुल के पास लगे सोलर स्ट्रीट लाइट कई दिनों से बंद पड़े हैं, जिससे स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ गई है। रात में अंधेरा रहने से राहगीरों, विशेषकर महिलाओं, बुजुर्गों को आवाजाही में परेशानी हो रही है। सड़क पर पर्याप्त रोशनी नहीं होने से दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है।स्थानीय लोगों ने बताया कि सोलर लाइट लगने के बाद प्रारंभिक दिनों में व्यवस्थाएं ठीक थीं, लेकिन अब कुछ समय से ये लाइटें पूरी तरह बंद हो चुकी हैं। ग्रामीणों का कहना है कि विभाग द्वारा यह निर्देश जारी किया गया था कि शाम के समय या रात में बीपीआरओ तथा पंचायत सचिव निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करेंगे कि कौन-सी सोलर लाइटें जल रही हैं और कौन-सी खराब हैं। इसके बावजूद मौके पर कोई प्रभावी निरीक्षण नहीं किया जा रहा है।लोगों का कहना है कि यदि नियमित निरीक्षण होता तो खराब लाइटों की तुरंत मरम्मत कराई जा सकती थी और ग्रामीणों को अंधेरे में रहने की समस्या नहीं झेलनी पड़ती। ग्रामीणों ने बीडीओ व संबंधित विभाग से मांग की है कि जल्द से जल्द सोलर स्ट्रीट लाइट की मरम्मत करवाई जाए ताकि सड़क मार्ग सुरक्षित और रोशन हो सके।

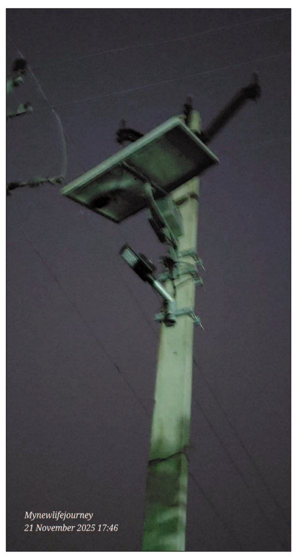

डुमरांव में भूमि विवादों के त्वरित निपटारे पर जोर, दो मामलों का स्थल पर समाधान

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव प्रखंड कार्यालय के सभागार में शनिवार को आयोजित शनिवारीय भूमि विवाद निबटारा बैठक में प्रखंड क्षेत्र के लंबित मामलों के शीघ्र और पारदर्शी समाधान पर विशेष बल दिया गया। प्रभारी सीओ कुमार दिनेश की अध्यक्षता में हुई इस बैठक का मुख्य उद्देश्य था कि ग्राम स्तर पर उत्पन्न भूमि संबंधी विवादों को प्रखंड स्तर पर ही सुलझाकर आम लोगों को त्वरित राहत प्रदान करना।

बैठक के दौरान उपस्थित आवेदकों से उनके मामलों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की गई। दोनों पक्षों को आमने-सामने बैठाकर विवाद के मूल बिंदुओं को समझा गया और आपसी सहमति से समाधान ढूंढने की पहल की गई। इसी प्रक्रिया में दो भूमि विवाद मामलों का ऑन-द-स्पॉट निपटारा किया गया। दोनों पक्षों की उपस्थिति में आवश्यक दस्तावेजों की जांच की गई तथा सहमतिपत्र तैयार कर मामलों का निष्पादन किया गया, जिससे संबंधित परिवारों को तुरंत राहत मिली।

वहीं एक अन्य मामले में दस्तावेजों और स्थल स्थिति में स्पष्टता नहीं मिलने पर प्रभारी सीओ ने राजस्वकर्मियों को तत्काल नापी कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सत्यापन रिपोर्ट मिलने के बाद उस विवाद का भी जल्द समाधान किया जाएगा। राजस्व एवं दस्तावेजवंशी कर्मचारियों को निर्देश दिया गया कि वे स्थल निरीक्षण में किसी भी प्रकार की देरी न करें और सटीक जानकारी प्रस्तुत करें।

प्रभारी सीओ कुमार दिनेश ने बताया कि हर शनिवार आयोजित होने वाली यह बैठक भूमि विवादों को कम करने का एक प्रभावी माध्यम साबित हो रही है। इससे जहाँ लोगों को अनावश्यक कानूनी प्रक्रियाओं से राहत मिलती है, वहीं तनावपूर्ण परिस्थितियों से भी बचाव होता है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे अपने विवादों को बिना कारण लंबित न रखें और समाधान हेतु नियमित रूप से प्रखंड कार्यालय में आयोजित बैठकों में भाग लें।

बैठक में राजस्वकर्मी, दस्तावेजवंशी कर्मचारी सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय युवा उत्सव एवं विज्ञान मेला 2-3 दिसंबर को होगा आयोजित

- **अनुमंडल स्तर पर 28-29 नवंबर को होंगे स्क्रीनिंग कार्यक्रम**
- **प्रतिभागियों के लिए अनुमंडल स्तरीय क्वालिफिकेशन अनिवार्य**

केटी न्यूज/बक्सर

उप विकास आयुक्त आकाश चौधरी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय युवा उत्सव और विज्ञान मेले के आयोजन को लेकर समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में कला, संस्कृति एवं युवा विभाग बिहार तथा जिला प्रशासन द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की गई।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जिला स्तरीय विज्ञान मेला 02 दिसंबर को तथा जिला स्तरीय युवा उत्सव 03 दिसंबर को राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय, महदह में आयोजित किया जाएगा। इसके पूर्व अनुमंडल स्तरीय युवा उत्सव 28 नवंबर 2025 को प्लस टू राज उच्च विद्यालय डुमरांव तथा नगर भवन बक्सर में आयोजित होगा। वहीं अनुमंडल स्तरीय विज्ञान मेला 29 नवंबर को तय किया गया है।

उप विकास आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभावान युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित की जाए तथा प्रत्येक प्रतिभागी को जिला स्तर तक पहुंचने के लिए अनिवार्य रूप से अनुमंडल स्तरीय प्रतियोगिताओं में क्वालीफाई करना होगा। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर किसी भी प्रतिभागी को सीधे प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। जिला पदाधिकारी ने बताया कि जिला स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को आगे राज्य स्तरीय कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

बैठक में यह भी तय हुआ कि विभागीय मानकों के अनुरूप हर विधा में प्रतिभागियों का चयन किया जाएगा। अनुमंडल पदाधिकारी बक्सर और डुमरांव को जिला शिक्षा पदाधिकारी के साथ समन्वय स्थापित करते हुए कार्यक्रम के व्यापक प्रचार-प्रसार तथा प्रत्येक विधा से पांच-पांच प्रतिभागियों के चयन की जिम्मेदारी सौंपी गई। चयनित प्रतिभागियों की सूची जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी को उपलब्ध कराई जाएगी।

जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि वे जिले के कला संगठनों एवं कलाकारों से संपर्क कर ऐसे प्रतिभागियों को भी चिन्हित करें, जिन्होंने पूर्व में राज्य या राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाई हो। चयन प्रक्रिया में केवल संख्या नहीं, बल्कि गुणवत्ता को प्राथमिकता देने पर बल दिया गया।

जिले के सरकारी, निजी विद्यालयों एवं महाविद्यालयों से भी उत्कृष्ट छात्रों के चयन हेतु प्राचार्यों से संपर्क कर विधावार पांच-पांच छात्रों की सूची उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। जिला स्तर पर चयनित प्रतिभागियों की अंतिम सूची निर्णायक मंडल की रिपोर्ट के आधार पर जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी द्वारा समेकित कर विभाग को भेजी जाएगी।

कला एवं संस्कृति पदाधिकारी ने बताया कि विभिन्न विधाओं में निर्णय के लिए जिला पदाधिकारी द्वारा निर्णायक मंडल का गठन कर दिया गया है।

युवा उत्सव में समूह लोकनृत्य, एकल लोकनृत्य, लोकगीत, शास्त्रीय गायन, वाद्य-वादन, हारमोनियम (सुगम), शास्त्रीय नृत्य, कहानी लेखन, कविता, चित्रकला, वक्तृता, लघु नाटक, मूर्तिकला तथा छायाचित्र प्रतियोगिता जैसी विधाओं को शामिल किया गया है।

प्रतिभागियों को निर्देश दिया गया है कि वे अपनी-अपनी विधा में भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी के कार्यालय में आवेदन जमा करें।

डुमरांव में रेलवे टैक के समीप चाट में मिला अज्ञात युवक का शव, मचा हड़कंप

केटी न्यूज/बक्सर

डुमरांव में रेलवे लाईन के समीप एक युवक का शव मिलने से हड़कंप गया है। घटना नया भोजपुर थाना क्षेत्र के पुराना भोजपुर गांव के समाने पोल संख्या 647/10 के समीप की है। शव 40 वषीर्ये युवक का है जो इनर के उपर सफेद टी-शर्ट तथा लुंगी पहना है। इसकी जानकारी मिलते ही नया भोजपुर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। बताया जाता है कि शव रेलवे टैज्क के किनारे चाट में पड़ा था। शनिवार की दोपहर किसी की नजर उस पर पड़ी। इसके बाद जीआरपी व स्थानीय पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। जानकारी मिलते ही नया भोजपुर पुलिस मौके पर पहुंच शव को कब्जे में ले जांच-पड़ताल में जुट गई है। शव देखने से ऐसा लग रहा है कि उसकी मौत दो-तीन दिन पहले हुई होगी। फिलहाल युवक की शिनाख्त नहीं हो पाई है तथा उसकी मौत हादसा है या फिर हत्या इसकी जानकारी भी नहीं मिल पाई है। उसके पैर में जख्म के निशान मिले है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही इस मामले में कुछ कहा जा सकता है। नया भोजपुर के प्रभारी थानाध्यक्ष श्रीराम ठाकुर ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि शव को कब्जे में ले लिया गया है। पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि शिनाख्त के लिए उसकी तस्वीर को विभिन्न सोशल मीडिया व साइबर सेनानी ग्रुपो के साथ ही आस पास के थानों व रेल पुलिस को भेजा गया है।

हर्निया के ऑपरेशन के बाद मरीज की संदिग्ध मौत, डॉक्टर पर इलाज में लापरवाही का आरोप

एजेंसी। गोपालगंज

गोपालगंज जिले के स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल खड़े करने वाला एक गंभीर मामला सामने आया है, जहाँ शहर स्थित एक निजी नर्सिंग होम में इलाज के क्रम में एक मरीज की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल में जमकर हंगामा किया। उमृतक की पहचान उचकागांव थाना क्षेत्र के इनर राय के टोला के जोगिन्दर पासवान के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, जोगिन्दर को हर्निया का ऑपरेशन कराने के उद्देश्य से नगर थाना क्षेत्र के चिराई घर के समीप स्थित मुस्कान नर्सिंग होम में भर्ती

कराया गया था। डॉक्टर अरविन्द शर्मा द्वारा ऑपरेशन किया गया। परिजनों का कहना है कि ऑपरेशन के बाद लगभग दो घंटे तक जोगिन्दर पासवान लगातार दर्द से कराहते रहे और उनकी हालत बिगड़ती जा रही थी। परिवार का आरोप है कि डॉक्टर और स्टाफ ने स्थिति को गंभीरता से नहीं लिया और दर्द बढ़ने पर उन्हें एक इंजेक्शन लगाया गया, जिसके कुछ ही देर बाद उनकी मौत हो गई। शोकाकुल परिजन अस्पताल परिसर में फूट-फूटकर रोते नजर आए। मृतक के परिजनों ने कहा, हमने अपने घर के सदस्य को इलाज के भरोसे अस्पताल में भर्ती कराया था, लेकिन हमें उसकी लाश मिली। डॉक्टर की लापरवाही ने हमारी दुनिया उजाड़ दी है। हम न्याय चाहते हैं। परिजनों ने कहा कि जब उनकी हालत बहुत बिगड़ गई, तब एक इंजेक्शन दिया गया। उसके तुरंत बाद उनकी साँसें रुक गईं। परिजनों ने गुस्से और दर्द से भरी आवाज में कहा, अगर डॉक्टर ने जिम्मेदारी दिखाई होती, तो आज हमारा परिवार बिखरता नहीं। हम चाहते हैं कि इस लापरवाही के लिए सख्त कार्रवाई हो। घटना की सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस मौके पर पहुँची और किसी तरह परिजनों को समझा-बुझाकर शांत कराया। पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है और कहा है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल नर्सिंग होम प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। वहीं, मृतक के घर में मातम छाया हुआ है और परिजन न्याय की गुहार लगा रहे हैं।

भोजपुर में मिठाई दुकानदार और पुत्र की डबल मर्डर मिस्ट्री सुलझी...

पोखर में डूबने से 3 मासूम बच्चों की दर्दनाक मौत परिजनों में मचा कोहराम, रो-रोकर हुआ बुरा हाल

एजेंसी/छपरा

छपरा के एकमा थाना क्षेत्र से शनिवार को दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। मछली पालन के लिए बनाए गए एक पोखरे में डूबने से तीन मासूम बच्चों की मौत हो गई। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गयी। वही परिजनों के बीच कोहराम मच गया। चारों तरफ चीख-पुकार मच गयी। इस घटना ने इलाके के लोगों को भी झकझोर कर रख दिया। मृत बच्चों में दो चचेरे भाई-बहन हैं जो एकमा थाना क्षेत्र के परसा पूर्वी पंचायत के धनवती गांव निवासी मनोज मांझी का 4 वर्षीय पुत्र उज्जवल कुमार और सरोज मांझी के 3 वर्षीय पुत्री तान्या कुमारी। तीसरी मृतका सिवान जिले के महाराजगंज थाना क्षेत्र के पकवालिया गांव निवासी 6 वर्षीय सोनी कुमारी बताई जा रही है, जो अपने मामा के घर शादी में आई हुई थी। परिवार में खुशियों का माहौल देखते-देखते मातम में बदल गया और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों ने बताया कि तीनों बच्चे घर के पास खेलते-खेलते कैसे पोखरा में पहुंच गए पता नहीं चला।किसी को अंदाजा भी नहीं हुआ कि वे कब मछली पालन वाले पोखरे की ओर चले गए। काफी देर तक जब बच्चे वापस नहीं आए तो उन्हें ढूंढना शुरू किया गया। इसी दौरान ग्रामीणों की नजर पोखरे में तैर रहे एक शव पर पड़ी।लोग जैसे ही बच्चे को बाहर निकालने लगे, उनके पैरों के नीचे एक-एक कर दो और शव मिले। क्षणभर में चारों ओर चीख-पुकार मच गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। आनन-फानन ग्रामीणों की मदद से तीनों को एकमा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक डॉ. इरफान ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। एकमा थानाध्यक्ष ध्रुव प्रसाद सिंह ने बताया कि यह बेहद दुखद घटना है। तीनों बच्चों की मौत पोखरे में डूबने से हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए छपरा सदर अस्पताल भेज दिया है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। गांव में मातमी सन्नाटा तीन मासूमों की एक साथ मौत ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे पोखरों के चारों ओर सुरक्षा दीवार या बैरिकेडिंग की व्यवस्था की जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

स्वास्थ्य उपकेंद्र के सभी विभागों में ओपीडी सहित जनस्वास्थ्य सेवाओं की गई जांच

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

सूर्यपुरा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर शिवोबहार स्वास्थ्य उपकेंद्र में एनक्यूयूएएस असेसर सेंट्रल टीम द्वारा निरीक्षण किया गया। टीम में डॉ. सजाद हुसैन,डॉ.डबल कुमार और रोहतास जिला से डीएचएस डॉ. राजीव शामिल रहे। उनके साथ प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. संजीव कुमार सिन्हा,बीएचएम मोहम्मद इरफान खान,बीसीएम धनंजय कुमार और सीएचओ सचिन कुमार मौजूद थे। निरीक्षण के दौरान टीम ने उपकेंद्र के सभी विभागों में ओपीडी,दवा व्यवस्था,रिकॉर्ड मेंटेनेंस, मातृ-शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, स्वच्छता, स्वास्थ्य परामर्श और जनस्वास्थ्य सेवाओं की विस्तृत जांच की। जांच के उपरांत टीम ने शिवोबहार स्वास्थ्य उपकेंद्र की कुल व्यवस्थाओं को संतोषजनक पाया और कई सुधारात्मक कदमों की सराहना की । मौके पर स्वास्थ्य विभाग के वरीय अधिकारियों के साथ जीएनएम अनिल कुमार, कलावती कुमारी, रेनु कुमारी, एएनएम सोनू कुमार, विमल कुमार, अंकित कुमार, ईएमटी सोनू कुमार तथा सभी आशा एवं स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे ।निरीक्षण से संबंधित जानकारी बीएचएम मोहम्मद इरफान खान ने दी । स्थानीय स्तर पर हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर की सेवाओं के संतोषजनक पाए जाने से स्वास्थ्य कर्मियों में उत्साह देखा गया।

मुंगेर में तीन दिनों से लापता युवक का शव झील में मिला, परिजनों ने हत्या की जताई आशंका

एजेंसी/मुंगेर

मुंगेर में तीन दिनों से लापता 29 वर्षीय युवक का हवेली खड़गपुर झील में तैरता हुआ शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पानी से बाहर निकाला। परिजन हत्या की आशंका जता रहे हैं और पुलिस से कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की छानबीन में जुटी है। उमुंगेर जिले के हवेली खड़गपुर में उस समय हड़कंप मच गया, जब स्थानीय लोगों ने हवेली खड़गपुर झील में एक युवक का शव तैरता हुआ देखा। देखते ही देखते लोगों की भीड़ जमा हो गई और लोगों ने इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी।जानकारी मिलते ही हवेली खड़गपुर थाना अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार मिश्रा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को झील से बाहर निकलवाया और शव की शिनाख्त की प्रक्रिया शुरू की। छानबीन के दौरान पता चला कि शव मोहनपुर गांव के 29 वर्षीय

सुमन कुमार का है, जो 18 नवंबर से लापता था। परिजनों ने उसकी गुमशुदगी की शिकायत पहले ही खड़गपुर थाना में दर्ज कराई थी। शव मिलने की सूचना पर परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और शव की पहचान सुमन कुमार के रूप में की। सुमन कुमार मोहनपुर निवासी संजय शर्मा का बड़ा बेटा था और रायपुरा सैनिक चौक पर साइबर कैफे चलाता था। अचानक हुई इस घटना ने पूरे परिवार को सदमे में डाल दिया है। घर में मातम का माहौल है, जबकि गांव के लोग भी बड़ी संख्या में झील स्थल पर पहुंचे। परिजनों ने सुमन की मौत को संदिग्ध बताते हुए आशंका जताई है कि उसकी हत्या कर शव को झील में फेंक दिया गया है। परिवार ने पुलिस प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर सच्चाई सामने लाने और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उवही पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की बारीकी से जांच की जा रही है। पुलिस ने वैज्ञानिक साक्ष्यों को जुटाने के लिए एफएसएल टीम को भी बुलाया है। ताकि घटनास्थल और शव से जुड़े सबूतों की गहन जांच की जा सके।

एक नजर

12 पर जुमार्ना के साथ केस दर्ज

बिक्रमगंज। विद्युत ऊर्जा चोरी को लेकर चलाये जा रहे विशेष अभियान तहत विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल बिक्रमगंज क्षेत्र अंतर्गत गुप्त सुचना के आधार पर एक जांच दल का गठन किया गया । जांच के क्रम में पाया गया कि ग्राम गीधा टोला के घरेलू परिसर में मीटर से पहले तार में कटिंग कर एक अतिरिक्त तार अवैध रूप से जोड़कर विद्युत ऊर्जा चोरी करने को लेकर योगेंद्र सिंह पर 15 हजार 373, बीरेंद्र सिंह 14 हजार 158,चंदेश्वर सिंह 14 हजार 715, जितेन्द्र सिंह 33 हजार 908, गुप्तेश्वर सिंह 14 हजार 158, फूलकुमारी देवी 11 हजार 678, जवाहर सिंह 40 हजार 630 व प्रखंड संझौली के समहुता निवासी महेंद्र सिंह 20 हजार 725, राम सकल सिंह 18 हजार 845, रिंकू कुंवर 15 हजार 707 तथा प्रशाखा बिक्रमगंज के टकनपुरा निवासी मीना देवी 13 हजार 889 तथा दीपू देवी 13 हजार 149 रुपये राजस्व की क्षति लगायी गई है । सभी 12 उपभोक्ताओं द्वारा मीटर बाईपास करने के कारण वास्तविक पठन अवरुद्ध हो रहा था एवं विभाग के राजस्व की क्षति हो रही थी । सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार द्वारा बताया गया कि बिजली चोरी के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है ।जिसमें स्मार्ट प्रीपेड मीटर रिचार्ज नहीं कराने वाले उपभोक्ताओं के परिसर का सघन जांच की जा रही है । जांच में स्मार्ट प्रीपेड मीटर या नॉर्मल मीटर की सील टूटी हुई,टेम्परिंग या बाईपास पाए जाने पर तत्काल प्राथमिकी दर्ज कराया जा रहा है । जिनके स्मार्ट प्रीपेड मीटर का लाइन बकाया रहने के कारण स्वतः कटा हुआ है । वह अपना बकाया राशि जमा करने के पश्चात ही विद्युत ऊर्जा का उपभोग करें । जो उपभोक्ता स्मार्ट प्रीपेड मीटर या नॉर्मल मीटर बाईपास कर विद्युत ऊर्जा की चोरी कर रहे हैं । वह दुरुस्त कर लें तथा जो व्यक्ति बिजली का कनेक्शन नहीं लिए हैं । वह कनेक्शन ले लें एवं अनावश्यक होने वाली परेशानियों से बचे अन्यथा पकड़े जाने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी ।

23 से 25 नवंबर तक विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

बिक्रमगंज । विद्युत आपूर्ति प्रशाखा दिनारा क्षेत्र अंतर्गत 132 केवी डेहरी से कोचस ट्रांसमिशन लाइन का रिकॉन्डक्टिंग का कार्य होने के कारण 11 केवी मेदनीपुर,बीसीकलां व राजपुर फीडर का विद्युत आपूर्ति 23 से 25 नवंबर को 9 बजे से 16 बजे तक बन्द रहेगी । कनीय विद्युत अभियंता दिनारा विकाश कुमार ने सभी उपभोक्ताओं से आग्रह किया है कि विद्युत आपूर्ति बंद होने से पहले ही बिजली संबंधित अपना जरूरी कार्य निपटा लेंगे ।

शराब के बाद अब बुलेट से स्मैक की डिलीवरी: 2 तस्करों को पुलिस ने दबोचा

पटना। बिहार में शराब की होम डिलीवरी तो आपने सुना होगा अब स्मैक की भी होम डिलीवरी की जा रही है, वो भी बुलेट से धंधेबाज स्मैक घर पर पहुंचा रहे हैं। ताजा मामला बिहार के सहरसा जिले से है जहां सिमरी बख्तियारपुर थाना की पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। उयह कार्रवाई शुक्रवार की देर रात एनएच-107 स्थित भिखा गाछी के पास की गई। पुलिस ने एक बुलेट बाईक से 46.70 ग्राम स्मैक बरामद किया है। दोनों तस्कर बाईक से मादक पदार्थ की डिलीवरी करने जा रहे थे। पुलिस ने मौके से बुलेट बाईक भी जब्त किया है। शनिवार को थाने में आयोजित प्रेस वार्ता में एसडीपीओ मुकेश कुमार ठाकुर ने बताया कि सिमरी बख्तियारपुर थानाध्यक्ष अमरनाथ कुमार को मादक पदार्थ के तस्करी की सूचना मिली थी। रात 11:56 बजे सूचना मिली थी कि एक बुलेट बाईक से दो युवक सरडीहा से भौरा की ओर तस्करी के लिए मादक पदार्थ लेकर जा रहे हैं। प्राप्त सूचना के आलोक में थानाध्यक्ष के निर्देश पर पुअनि रामनाथ पासवान के नेतृत्व में पुलिस टीम रात में गश्त पर थी। सूचना मिलते ही टीम सक्रिय हुई और तुरंत पीछा किया। रात 12:15 बजे भिखा गाछी के पास पुलिस ने घेराबंदी कर बाईक को रोक लिया और दोनों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार तस्करों की पहचान गौसपुर गांव निवासी गदर कुमार और भौंरा गांव निवासी सोनू कुमार के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान सोनू कुमार की जैकेट से काले प्लास्टिक में लिपटा चिपचिपा पदार्थ मिला, जिसकी पहचान स्मैक के रूप में की गई। मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में किए गए वजन में इसकी मात्रा 46.70 ग्राम पाई गई। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर दोनों को जेल भेज दिया है। तस्करों के आपराधिक नेटवर्क की जांच जारी है। वहीं इस बाबत एसडीपीओ मुकेश ठाकुर ने कहा कि यह कार्रवाई मादक पदार्थों के अवैध कारोबार पर नकेल कसने की दिशा में बख्तियारपुर पुलिस की बड़ी सफलता है और आगे भी ऐसे अभियान जारी रहेंगे।

हादसे का दिन शनिवार: बेतिया में अनियंत्रित बस ने ली महिला की जान

बेतिया। शनिवार को बेतिया और अरवल में भीषण सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गयी है। बेतिया में बेलगाम बस ने एक महिला को रौंद दिया जिससे उनकी मौत हो गयी। वही अरवल में इको वैन ने एक 70 साल के बुजुर्ग को कुचल दिया जिससे घटनास्थल पर ही उनकी जान चली गयी। इस घटना से परिजनों के बीच कोहराम मचा हुआ है। बेतिया के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के हरिवाटिका चौक के पास शुक्रवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे में सावित्री पांडे बनुछापर हजमा टोला, वार्ड 2 निवासी की मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक तेज रफ्तार और अनियंत्रित बस ने उन्हें जोरदार ठोकर मार दी, जिसके बाद बस सीधे उन्हें कुचलते हुए आगे बढ़ गई। हादसा इतना भयावह था कि महिला की मौके पर ही मौत हो गई और उनका सिर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। मृतका के पति अशोक पांडे ने बताया कि वह दोनों मोटरसाइकिल से भगवती नगर में एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए निकले थे। रास्ते में हरिवाटिका चौक पहुँचने पर उनकी पत्नी सावित्री पांडे कुछ सामान खरीदने के लिए उतरीं और पास की एक दुकान पर खरीदारी कर रही थीं। तभी अचानक पीछे से आ रही एक अनियंत्रित बस तेज गति से महिला को ठोकर मारकर कुचलते हुए निकल गई।

तमिलनाडु से बिहार आ रहा दुनिया का सबसे बड़ा शिवलिंग

■ महाबलीपुरम में 10 साल से हो रहा था निर्माण, इतने रुपए लगे बनाने में

एजेंसी/पटना

दुनियां का सबसे बड़ा शिवलिंग तमिलनाडु से बिहार लाया जा रहा है। इसका निर्माण 10 साल से महाबलीपुरम के पट्टीकाडु गांव में चल रहा था। शिवलिंग का काम पूरा होने के बाद 21 नवंबर दिन शुक्रवार को इसे बिहार के लिए रवाना किया गया। इसे 96 चक्का वाले ट्रक पर रखकर सड़क मार्ग से लाया जा रहा है। जिसे बिहार के पूर्वी चंपारण स्थित चकिया में निमार्णाधीन विराट रामायण मंदिर में स्थापित किया जाएगा। यहां आने में करीब 25 दिन लगेंगे। आचार्य किशोर कुणाल जी के बेटे और बिहार राज्य धार्मिक न्यास

पर्षद के सदस्य सायण कुणाल ने इसे लेकर सोशल मीडिया पर एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा कि हर हर महादेव, जल्द स्थापित होगा अपने बिहार में. बता दें कि विराट रामायण मंदिर का निर्माण बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के केसरिया और चकिया के बीच जानकीनगर में हो रहा है। जो आचार्य किशोर कुणाल का ड्रीम प्रोजेक्ट है। बिहार के इस सबसे बड़े मंदिर में दुनिया का सबसे बड़ा शिवलिंग स्थापित किया जाएगा। 3 करोड़ रुपये की लागत से बने शिवलिंग को तमिलनाडु के महाबलीपुरम से 96 चक्कों की गाड़ी पर रखकर चकिया लाया जा रहा है। 21 नवंबर को तमिलनाडु के महाबलीपुरम से यह बिहार के लिए रवाना हो गया है। इसे लाने के लिए महावीर मंदिर के सुपरिटेंडेंट के.सुधाकरण और जनसंपर्क पदाधिकारी अजय कुमार सिंह महाबलीपुरम गये हुए हैं। महाबलीपुरम में पहले शिवलिंग की पूरे विधि-विधान से पूजा की गयी उसके बाद 5 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से इसे 96 चक्कों की स्पेशल गाड़ी पर लाया जा रहा है। इसे बिहार लाने में करीब 25 दिन लग सकता है। इसका वजन बहुत ज्यादा है जिसे सही सलामत मंदिर तक लाने के लिए चकिया से कैथवलिया तक पुल और पुलिया का निर्माण कराया जा रहा है। 12 किलोमीटर तक सड़कों का निर्माण तेजी से हो रहा है। महावीर मंदिर न्यास के सदस्य सायण कुणाल ने बताया कि जिस शिवलिंग को महाबलीपुरम से लाया जा रहा है वह विश्व का सबसे बड़ा मोनोलिथ स्ट्रक्चर का शिवलिंग है। जिसकी ऊंचाई 33 फीट और गोलाई भी 33 फीट ही है। जिसका वजन भी ज्यादा है। वजन 210 मीट्रिक टन बताया जा रहा है। 96 चक्कों की विशेष रथ से इसे लाया जाएगा। साथ में रथ पर एक हजार छोटे शिवलिंग भी रहेगा। इसे सहस्त्रलिंगम के रूप में जाना जाता है। ब्लैक ग्रेनाइट पत्थर की चट्टान को तराशकर इस शिवलिंग का निर्माण किया गया है। चांदी के 15 फीट ऊंचे अरघा पर यह शिवलिंग स्थापित होगा। उन्होंने बताया कि तमिलनाडु के महाबलीपुरम से बिहार के लिए वोल्वो हाइड्रोलिक पुलर रथ शुक्रवार को रवाना हुई है, इसे जगह-जगह रोका जाएगा और पूजा-पाठ किया जाएगा। इस रथ का लोग भव्य तरीके से स्वागत करेंगे। इस गाड़ी के साथ-साथ एक स्क्वाड भी मौजूद रहेगा।

जमुई में हाथियों का आतंक : झारखंड से आए झुंड ने कई घर तोड़े, ग्रामीणों में दहशत

एजेंसी/पटना

जमुई में हाथियों का आतंक जारी है। झारखंड के जंगली इलाके से हाथियों का एक बड़ा झुंड जमुई जिले के बटिया और कटहरा टांड़ क्षेत्र में घुस आया। इससे इलाके में रहने वाले लोगों के बीच अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। उआधा दर्जन हाथियों का झुंड झारखंड के गिरिडीह सीमा क्षेत्र से होते हुए जमुई के कटहरा टांड़ के जंगली इलाके में प्रवेश कर गया। इसके बाद हाथियों ने सोनो प्रखंड के बटिया इलाके में आधा दर्जन घरों को तोड़ दिया। घर टूटते देख लोग जान बचाकर भागने को मजबूर हो गए। स्थानीय लोगों ने पारंपरिक हथियारों की मदद से हाथियों को भगाने की कोशिश की,

लेकिन हाथियों ने खोज में गए कुछ ग्रामीणों पर हमला कर दिया, जिसमें कई लोग घायल हो गए। हाथियों के आबादी वाले क्षेत्र में पहुँचने से पूरे इलाके में दहशत फैल गई है। स्थानीय पंकज बरनवाल और अन्य ग्रामीणों ने बताया कि हाथियों का यह झुंड झारखंड के रास्ते जमुई में घुसा और कई झोपड़ीनुमा घरों को भी नुकसान पहुँचाया। हाथियों की दहशत से ग्रामीण भयभीत हैं। उघटना की जानकारी बटिया और सोनो थाना पुलिस को दे दी गई है। पुलिस हाथियों को वापस जंगल की ओर खदेड़ने में जुटी है। वन विभाग की टीम को भी सूचना दे दी गई है और टीम लगातार हाथियों को जंगल की ओर मोड़ने का प्रयास कर रही है।

बिहार में नई सरकार का काम शुरू, अब सौ से अधिक सड़को को बनाया जाएगा स्टेट हाइवे

एजेंसी। मुजफ्फरपुर

बिहार के मुजफ्फरपुर जिले की मुख्य सड़कों को स्टेट हाईवे में अपग्रेड करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। जिले के लगभग आधा दर्जन और राज्य भर की 100 से अधिक मुख्य सड़कों को स्टेट हाईवे में वर्गीकृत किए जाने की संभावना है। पथ निर्माण विभाग ने सभी अधीक्षण अभियंता और कार्यपालक अभियंताओं से ऐसी मुख्य सड़कों की सूची मांगी है, जिनकी फुटफाल एक लाख से अधिक हो और जो स्टेट हाईवे या नेशनल हाईवे से सीधे जुड़ी हों। विभाग के अधिकारी ने बताया कि वर्गीकरण के बाद सड़क की चौड़ाई बढ़ाई जाएगी, सड़क सुरक्षा के मानक लागू होंगे और सड़क निर्माण की गुणवत्ता में सुधार किया जाएगा। इससे ट्रैफिक की रफ्तार बढ़ेगी, मरम्मत समय पर होगी और यातायात प्रभावित नहीं होगा। हालांकि, शहर में अतिक्रमण एक गंभीर समस्या बनी हुई है। मुजफ्फरपुर नगर निगम ने शहर से अतिक्रमण हटाने के लिए योजना बनाई है, लेकिन मोतीझील, अघोरिया बाजार, कल्याणी, स्टेशन रोड, क्लब रोड, जूरन छपरा और इमलीचट्टी एरिया में दुकानों और फुटपाथ पर कब्जा कायम है। मोतीझील में तो पार्किंग स्थल को पूरी तरह से अतिक्रमित कर लिया गया है, पुल के नीचे ऊनी कपड़ों की दुकानें लग गई हैं, जिससे रोज जाम लगता है। कल्याणी, हरिसभा चौक, क्लब रोड, पानी टंकी चौक रोड और मिठनपुरा रोड पर बड़े और छोटे अतिक्रमण हैं, जिनकी वजह से पैदल चलना मुश्किल हो गया है। सड़क पर दुकानें और ग्राहकों के वाहन होने के कारण हमेशा हादसे का खतरा रहता है। स्टेशन रोड और सदर अस्पताल रोड पर अतिक्रमणकारियों के लिए अलग से पेवर ब्लॉक बना दिए गए हैं, जिससे उन्हें दुकान लगाने में आसानी हो गई हैशहर के दो प्रमुख प्रवेश बिंदु अघोरिया बाजार और टावर चौक में भी अतिक्रमण का यही हाल है। आरडीएस कालेज इलाके में कभी-कभी सफाई या सावन में अभियान चलते हैं, लेकिन फिर वही स्थिति बनी रहती है। आम लोगों का मानना है कि अतिक्रमण अक्सर आपसी मिलीभगत से होता है और अवैध होते हुए भी कभी निर्णायक कार्रवाई नहीं होती। सड़कों के स्टेट हाईवे में अपग्रेड होने और अतिक्रमण हटाने के प्रयासों से न केवल ट्रैफिक सुगमता में सुधार होगा बल्कि शहर की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था और सड़क यातायात की गुणवत्ता भी बेहतर होगी। नागरिकों को सुविधा, सुरक्षा और सुचारु यातायात का लाभ मिलेगा, जबकि निगम प्रशासन को अतिक्रमण को रोकने और सड़क सुधार योजनाओं को लागू करने में निर्णायक कदम उठाने होंगे। इसके अलावा, पथ निर्माण विभाग आगामी रिपोर्ट के आधार पर सड़क अपग्रेडेशन के लिए विस्तृत सर्वे और तकनीकी मूल्यांकन करेगा, जिससे सड़क की संरचना और यातायात क्षमता में स्थायी सुधार हो सके। सरकारी और निजी सहयोग से इस परियोजना को तेजी से पूरा करने पर जोर दिया जा रहा है, ताकि शहर के वासियों को दीर्घकालिक लाभ मिल सके।

सम्राट चौधरी के गृहमंत्री बनते ही कुख्यात अपराधी का एनकाउंटर, पुलिस ने मर्डर के आरोपी को मारी गोली

एजेंसी। बेगूसराय

बिहार के नए गृहमंत्री के तौर पर सम्राट चौधरी ने चार्ज ले लिया है और इसका असर भी दिखना शुरू हो गया है. बेगूसराय में अपराधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई है. एसटीएफ और बेगूसराय पुलिस की बड़ी कार्रवाई सामने आई है. इस कार्रवाई में पुलिस के साथ एनकाउंटर मे एक कुख्यात अपराधी घायल हो गया है. बताया जाता है कि सर्च ऑपरेशन के दौरान अपराधियों ने पुलिस पर गोली चलाई थी. जवाबी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने भी गोली चलाई, जिसमें एक अपराधी घायल हो गया है. वहीं एक अपराधी के पकड़े जाने की सूचना है.कुख्यात अपराधी को लगी गोलीः जानकारी के अनुसार गुप्त सूचना के आधार पर साहेबपुरकमाल थाना क्षेत्र के मल्हीपुर और शालिग्रामी गांव के बीच यह कार्रवाई देर रात हुई है. पुलिस के साथ हुए इस मुठभेड़ में कुख्यात अपराधी शिवदत्त राय को जांघ में गोली लगी है, जिसको इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. इसके पहले भी दो दिन पहले तेघड़ा इलाके में हुए एनकाउंटर मे एक अपराधी जख्मी हो गया था. जिसके बाद यह दूसरी बड़ी कार्रवाई है, जिसे बीती रात साहेबपुरकमाल थाना क्षेत्र में एसटीएफ और बेगूसराय पुलिस की संयुक्त टीम ने अंजाम दिया.बिहार पुलिस ने दी जानाकारीः बिहार पुलिस ने अपने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा है कि अवैध आग्नेयास्त्र एवं भारी मात्रा में हथियार बनाने की सामग्री तथा अन्य सामान बरामद किया गया है. 07 देसी पिस्टल. 01अर्द्धनिर्मित देसी पिस्तौल, 07 मैगजीन, 3,70,000 रुपया नकद और अवैध कफ सिरप 970 बोतल और हथियार बनाने वाले अन्य सामानों एवं उपकरणों जब्त किए गए हैं.ए हालांकि रात में हुई इस कार्रवाई में अबतक कोई भी आधिकारिक बयान नहीं आया है. बेगूसराय के एसपी इस मामले में पीसी करने वाले हैं, जिसके बाद ही विशेष जानकारी मिल पायेगी. घायल शिवदत्त राय तेघड़ा थाना क्षेत्र का शातिर और फरार अपराधी बताया जाता है।

गुप्त सूचना पर एक्शन

सूत्रों के मुताबिक पुलिस को सूचना मिली थी कि मल्हीपुर इलाके में शिवदत्त राय हथियार खरीदने पहुंचने वाला है, जिसके बाद एसटीएफ की जिला पुलिस के सहयोग से घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया. इसी बीच शालीग्राम गांव के आस-पास दो बाइक पर सवार बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी।

अपराधियों का पुलिस पर फायरिंग

आत्मरक्षा में पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की. इसी दौरान एक गोली शिवदत्त राय को लगी. वहीं रात के अंधेरे का फायदा उठाकर अन्य अपराधी भागने मे सफल रहे. जानकारी के मुताबिक हथियार सहित पुलिस ने मौके से कैश और कफ सिरप बरामद किया है.कुख्यात अपराधी पर कई संगीन मामले दर्जः घायल शिवदत्त राय पर तेघड़ा थाना क्षेत्र के धनकौल पंचायत के सरपंच पुत्र की हत्या सहित कई अन्य संगीन मामले दर्ज हैं. वह कई वर्षों से फरार चल रहा था. वहीं पकड़े गए एक अन्य अपराधी के बारे में अभी तक कुछ जानकारी आधिकारिक तौर पर साझा नहीं की गई है.

एक नजर

बेतिया में आईटीबीपी जवान ने खुद को गोली मारी, मौके पर ही मौत

बेतिया। पश्चिम चंपारण के बेतिया में शनिवार की दोपहर करीब डेढ़ बजे आईटीबीपी के एक जवान ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना श्रीनगर थाना क्षेत्र के कोहंड भवानीपुर की है, जहां के राजकीय उत्क्रमित उच्च विद्यालय में इलेक्शन ड्यूटी के दौरान आईटीबीपी जवानों को ठहराया गया था। फिलहाल वही ठहरे एक जवान ने स्कूल की छत पर जाकर खुद को गोली मार ली। उसने यह कदम क्यों उठाया इसका पता अभी नहीं चल पाया है। हालांकि मृतक की पहचान हो गयी है। आईटीबीपी जवान की पहचान झारखंड के धनबाद जिले के चिरकुंडा निवासी 33 वर्षीय गौतम कुमार यादव के रूप में हुई है। इस घटना से मौके पर अफरा-तफरी मच गयी। लोग जबतक उसे अस्पताल ले जाते उससे पहले ही मौके पर ही मौत हो गयी। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंचे सदर एसडीपीओ रजनीश कांत प्रियदर्शी ने पूरी घटना की जानकारी ली। ऋछ की टीम भी घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस घटना के सभी बिन्दुओं की जांच में जुटी है। आईटीबीपी जवान ने इतना बड़ा कदम क्यों उठा लिया इस बात का पता लगाने में पुलिस लगी है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है वही मृतक के परिजनों को इस घटना की जानकारी दी गयी है। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों के बीच कोहराम मचा हुआ है। वही आईटीबीपी के अन्य जवान भी इस घटना से हैरान हैं। पुलिस घटना के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

बिहार सारण जिले में में एसएसपी का ताबड़तोड़ एक्शन, 24 घंटे में 40 अपराधी गिरफ्तार

सारण। सारण जिले में अपराध और अवैध शराब के खिलाफ जंग छेड़ते हुए सारण पुलिस ने एक बार फिर से सख्त तेवर दिखाए हैं। वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर 21 नवंबर को पूरे जिले में चले विशेष अभियान में सिर्फ 24 घंटे के अंदर 40 अपराधियों को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया गया है। इनमें से 15 वारंटी, 14 शराब पीते पकड़े गए लोग, 4 शराब कारोबारी, 4 हत्या के प्रयास के आरोपी और अन्य आर्म्स एक्ट के केस शामिल हैं। इतना ही नहीं, कई गांवों में छुपी देशी शराब की भट्ठियां भी ध्वस्त कर दी गईं हैं। इस अभियान में पुलिस ने 232.42 लीटर अवैध शराब बरामद की है, जिसमें 188.80 लीटर देसी और 43.62 लीटर विदेशी शराब थी। दो भट्ठियों से दो गैस सिलेंडर, दो बरनल और भारी मात्रा में महुआ भी जब्त हुआ है। साथ ही एक देसी कट्टा, एक मोबाइल फोन और तीन अपहत लोगों को भी छुड़ाया गया है। वहीं, यातायात नियम तोड़ने वालों 57 वाहनों का चालान कर 1 लाख 10 हजार 500 रुपये का जुमार्ना वसूला गया है। पुलिस का कहना है कि शराबबंदी को सख्ती से लागू करने के लिए ऐसे अभियान अब रोज का हिस्सा बनेंगे। सारण के एसएसपी ने साफ कहा है कि जिले को अपराध और नशे से मुक्त करने के लिए कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी जाएगी। जो लोग कानून को हाथ में ले रहे हैं या अवैध शराब का धंधा चला रहे हैं, उनके लिए अब कोई जगह नहीं बचेगी। ग्रामीण इलाकों में लोगों ने पुलिस की इस कार्रवाई का स्वागत किया है। उनका कहना है कि शराब माफिया और गुंडों के हौसले इतने बुलंद हो गए थे कि रात में निकलना मुश्किल था। अब लगातार छापेमारी और गिरफ्तारियों से माहौल में सुधार की उम्मीद जगी है।

बरबीघा बायपास पर सड़क हादसे में 20 वर्षीय युवक की मौत, दो युवक गंभीर रूप से घायल

एजेंसी। शेखपुरा

शेखपुरा जिले के बरबीघा थाना क्षेत्र में शुक्रवार की देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को हिला कर रख दिया। करमनचक गांव के पास तेज रफ्तार दो बाइकों की आमनेझ्रसामने की टक्कर में 20 वर्षीय युवक संटू कुमार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य–नवलेश कुमार (25) और श्री कुमार (22)–गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा इतना भयावह था कि मौके पर मौजूद लोग भी दहल उठे।एमृतक की पहचान दिलीप राम के बड़े पुत्र संटू कुमार के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोनों बाइकें तेज रफ्तार में थीं और अचानक सामने आने से भीषण टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि संटू कुमार सड़क पर दूर जा गिरे और उनके सिर में गंभीर चोटें आईं। डॉक्टरों ने बताया कि टक्कर की तीव्रता के कारण उनके सिर का अंदरूनी हिस्सा बाहर आ चुका था, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने पुष्टि की है कि मृतक ने हेलमेट नहीं पहन रखा था, जो उनकी मौत का बड़ा कारण बना। हादसे में घायल हुए नवलेश और श्री कुमार दोनों करमनचक गांव के ही रहने वाले हैं। टक्कर के बाद वे भी सड़क पर दूर जाकर गिरे और बुरी तरह जख्मी हो गए। एक युवक के दोनों पैर टूट गए, जबकि दूसरे का कंधा बुरी तरह चटक गया। आसपास के लोगों ने तत्काल इसकी सूचना डायल 112 और स्थानीय पुलिस को दी। बरबीघा थाना अध्यक्ष गौरव कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और तीनों को तुरंत रेफरल अस्पताल बरबीघा भेजा। संटू को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया, जबकि दोनों घायलों की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।पुलिस ने घटनास्थल से दोनों क्षतिग्रस्त बाइकों को जब्त कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारियों ने प्राथमिक जांच में बताया कि तेज रफ्तार, लापरवाही और हेलमेट का उपयोग न करना इस दुर्घटना के मुख्य कारण प्रतीत होते हैं। थानाध्यक्ष गौरव कुमार ने अपील की कि लोग सड़क पर वाहन चलाते समय सुरक्षा नियमों का पालन करें, वरना छोटी सी गलती भी ज़िंदगी ले सकती है।

प्रतिबंधित मांस पकड़ाया, भड़के लोगों को शांत कराने के लिए पुलिस ने की 10 राउंड फायरिंग

एजेंसी। सीतामढ़ी

बिहार के सीतामढ़ी जिले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां परसौनी थाना क्षेत्र में परशुरामपुर चौक पर मंगलवार को सनसनीखेज घटना सामने आई, जब टेंपो में ले जाया जा रहा संदिग्ध गाय का मांस पकड़ा गया। स्थानीय लोगों ने तीन युवकों को पकड़ लिया, जिनमें से एक की पहचान मीनापुर के बलहा निवासी के रूप में हुई, जिसमें एक युवक की पहचान शाह हुसैन, उम्र 25 वर्ष, पिता मो अल्लाउद्दीन, घर पिपराही थाना क्षेत्र के मीनापुर का रहने वाले के रुप में हुआ है, जबकि दो अन्य युवक मौके का फायदा उठाकर फरार होने में सफल रहे। जानकारी के मुताबिक, टेंपो में लगभग 100 से 200 किलोग्राम गाय का मांस लदा हुआ था। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और युवकों को पकड़कर थाने ले जाने का प्रयास किया। लेकिन इस दौरान स्थानीय लोगों ने पुलिस के कार्रवाई का विरोध किया, जिससे स्थिति तनावपूर्ण बढ़ गई। बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने लगभग 10 राउंड हवा में फायरिंग की। इसके बाद पुलिस ने पकड़े गए युवक को सुरक्षित रूप से थाने ले जाकर पूछताछ शुरू की। पुलिस का कहना है कि यह मामला केवल कानून-व्यवस्था का नहीं, बल्कि गाय के मांस की तस्करी और अवैध व्यापार से जुड़ा गंभीर मामला है। थाने और जिले के पुलिस अधिकारी पूरे नेटवर्क की जांच में जुट गए हैं, ताकि यह पता लगाया जा सके कि इतनी बड़ी मात्रा में मांस कहां से लाई गई थी और इसका उपयोग कहां किया जाना था। स्थानीय प्रशासन ने चेतावनी दी है कि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और गिरफ्तार युवक से पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, फरार दोनों युवकों की तलाश तेज कर दी गई है।फिलहाल स्थिति सामान्य है,आरोपी व ऑटो थाना में है।

लालगंज, सराय मार्ग पर बाइक टक्कर एक युवक की मौत, दो गंभीर रूप से घायल

एजेंसी। वैशाली

बिहार के वैशाली जिले से एक दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है। लालगंजझ्रसराय मुख्य मार्ग पर शनिवार को हुई इस घटना में एक युवक की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के समय सड़क पर हलचल बढ़ गई और आसपास के लोग घटनास्थल पर एकत्र हो गए। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत डायल 112 पुलिस को सूचित किया, जिसके बाद पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घायलों को लालगंज रेफरल अस्पताल पहुंचाया। रेफरल अस्पताल में चिकित्सकों ने कुंदन कुमार उर्फ.गोलू को मृत घोषित कर दिया। कुंदन की उम्र 20 वर्ष बताई जा रही है और वह सराय थाना क्षेत्र के मझौली महमदपुर बजुर्ग गांव निवासी पूरन राय के पुत्र थे। वहीं, दुर्घटना में घायल अन्य दो युवकों में से एक की पहचान दीपलाल राय के पुत्र गौरव कुमार के रूप में की गई है। तीसरे घायल युवक की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। गंभीर रूप से घायल दोनों युवकों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए वैशाली सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस के अनुसार, हादसा पचदमिया गांव के समीप हुआ। कुंदन कुमार और गौरव कुमार अपने रिश्तेदार के घर भगवानपुररति से बाइक लेकर अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान सरायझ्रलालगंज मुख्य मार्ग पर सामने से आ रही एक दूसरी बाइक से उनकी बाइक की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में कुंदन कुमार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई और गौरव कुमार सहित अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही लालगंज थानाध्यक्ष संतोष कुमार, दरोगा अशोक राय और पुलिस बल तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी और घायलों का इलाज सुनिश्चित किया। पुलिस मामले की जांच-पड़ताल में जुट गई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि हादसे के बाद सड़क पर अफरातफरी मच गई थी और परिजन अस्पताल पहुंचते ही कोहराम मच गया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि दोनों बाइक सवारों की गति और सड़क पर सतर्कता की कमी इस हादसे का मुख्य कारण प्रतीत हो रहा है।

बिहार के कई जिलों में कड़ाके की ठंड मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

- बच्चों और बुजुर्गों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत

एजेंसी। पटना

बिहार के लोगों को अब आने वाले दिनों में भीषण ठंड का सामना करना होगा। मौसम विभाग के अनुसार, आज यानी 22 नवंबर शनिवार से राज्य भर में न्यूनतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज होगी। इससे कई जिलों जैसे पटना, गया, पूर्णिया और भागलपुर में रात का पारा 10 डिग्री से नीचे लुढ़क सकता है। पश्चिमी विक्षोभ और ला नीना प्रभाव के चलते ठंडी हवाओं का दौर जारी रहेगा, जबकि अधिकतम तापमान में ज्यादा बदलाव नहीं होगा। अगले 6-7 दिनों तक मौसम शुष्क बना रहेगा, लेकिन सुबह के समय हल्के से मध्यम कोहरे की चादर बिछेगी। शुक्रवार को राज्य के ज्यादातर इलाकों में तापमान में मामूली बढ़ोतरी देखी गई। सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान 31.6 डिग्री मोतिहारी में और न्यूनतम 13.2 डिग्री औरंगाबाद में रिकॉर्ड हुआ। पटना में न्यूनतम 17.7 और अधिकतम 28.7 डिग्री रहा। दृश्यता की बात करें तो पूर्णिया में सिर्फ 800 मीटर तक सीमित रही। विशेषज्ञों का कहना है कि बंगाल की खाड़ी में बन रहा निम्न दबाव का क्षेत्र 23-24 नवंबर को हल्की बारिश ला सकता है, जो ठंड को और बढ़ा देगा। उत्तरी और मध्य जिलों में कोहरा ज्यादा प्रभावित करेगा। राजधानी पटना में आज आसमान साफ रहेगा, दिन में धूप खिलेगी लेकिन सुबह-शाम ठंडक सताएगी। कल की तुलना में न्यूनतम तापमान 2-3 डिग्री नीचे आ सकता है। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि कोहरे के कारण सुबह के समय धीमी गति से वाहन चलाएं। किसानों को फसलों की सुरक्षा के लिए भी अलर्ट जारी किया गया है। दक्षिणी जिलों में अभी भी तापमान 12-15 डिग्री के आसपास रहेगा, लेकिन उत्तरी हिस्सों में गिरावट ज्यादा तेज होगी। यह शुरूआती सर्दी का संकेत है, जो नवंबर के अंत तक और तीव्र हो सकती है। लोगों को गर्म कपड़े पहनने और बच्चों-बुजुर्गों का खास ख्याल रखने की नसीहत दी गई है। मौसम विभाग लगातार निगरानी रख रहा है, लेकिन अगर कोहरा गहराया तो यातायात पर ज्यादा असर पड़ सकता है।

शादी में शामिल होने जा रहे चाचा-भतीजे की मौत पेड़ से टकराकर गड्ढे में गिरी कार, गई जान

एजेंसी। खगड़िया

बिहार के खगड़िया जिले के मड़ैया सहायक थाना क्षेत्र के देवरी में सोमवार देर शाम एक भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें स्विफ्ट डिजायर कार सवार चचेरे चाचा और भतीजे की दर्दनाक मौत हो गई। घटना इतनी भयावह थी कि टक्कर के बाद कार पेड़ से भिड़कर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और सड़क किनारे बने गड्ढे में जा गिरी। जानकारी के अनुसार, दोनों युवक कार से अपने गांव बैसा से महेशखूंट स्थित एक दोस्त की शादी में शामिल होने जा रहे थे। रास्ते में देवरी के पास कार अनियंत्रित हो गई और जोरदार टक्कर के साथ हादसे का शिकार हो गई। कार में सवार लगभग 35 वर्षीय रूपेश कुमार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि करीब 26 वर्षीय रोशन कुमार (मूल नाम संदर्भ अनुसार) को स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उनकी भी मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए और वाहन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार की रफ्तार काफी तेज थी और एक मोड़ पर चालक का संतुलन बिगड़ गया, जिसके बाद गाड़ी पेड़ से जा टकराई। स्थानीय ग्रामीणों ने आवाज सुनकर मौके पर पहुंचकर तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर मड़ैया पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर सदर अस्पताल खगड़िया भेज दिया।

सुभाषितम्

प्रतिभा का अर्थ है बुद्धि में नई कोपलें फूटते रहना। नई कल्पना नया उत्साह, नई खोज प्रतिभा के लक्षण हैं। - विनोबा भावे

देश में नई श्रम संहिता लागू

भारत सरकार ने शुक्रवार को लेबर संहिता के चार जो नए कानून तैयार किए हैं, उनको अधिसूचित कर दिया गया और अब ये देशभर में लागू हो गए हैं। इनके अनुसार ही अब कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन की गारंटी दी गई है। ओवरटाइम भी वेतन से दो गुना देना होगा। एक साल काम करने के बाद अब कर्मचारियों को ग्रेच्युटी का लाभ मिल सकेगा। 40 साल की उम्र पूरी कर चुके श्रमिकों के लिए अब मुफ्त हेल्थ चेकअप कराने की जिम्मेदारी नियोक्ताओं पर डाली गई है। सरकार ने दावा किया है, कि 1920 से लेकर 1950 के बीच में देश में 29 श्रम कानून लागू थे, अब उन कानूनों को समाप्त कर दिया गया है। सोशल सिक्योरिटी कोड, इंडस्ट्रियल रिलेशंस कोड, वेजेस कोड और ऑक्यूपेशनल सेफ्टी हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशंस कोड के नाम से नए कर कानून बनाए गए हैं। इनके जरिए अब किसी भी क्षेत्र का श्रमिक हो उसे इन कानून का लाभ मिलेगा। श्रमिकों में महिला और पुरुषों के बीच का भेद-भाव समाप्त किया गया है। अब दोनों को समान वेतन मिलेगा। ओवरटाइम करने पर वेतन का दोगुना भुगतान, नियोक्ता को करना अनिवार्य किया गया है। कर्मचारियों को हर माह की 7 तारीख तक अनिवार्य रूप से भुगतान प्राप्त हो, इसका भी प्रावधान नए कानून में किया गया है। श्रमिकों के लिए पीएफ, ग्रेजुएटी और सामाजिक सुरक्षा का प्रावधान भी किया गया है। नए कानून के अनुसार अब किसी कर्मचारी का वेतन रोका नहीं जा सकेगा। 26 हफ्ते की गर्भवती महिलाओं को मैटरनिटी लीव देना अनिवार्य किया गया है। वर्क फ्रॉम होम की सुविधा को भी अब कानून बनाया गया है। महिला के निर्भर परिवारजनों में अब सास-ससुर को भी शामिल कर दिया गया है। महिला चाहे तो वह अपने सास-ससुर को शामिल करने का विकल्प चुन सकती है। श्रमिकों की सुरक्षा के दायरे को बढ़ाया गया है। अभी तक 10 से कम कर्मचारी वाली इकाई पर श्रम कानून लागू नहीं होते थे, लेकिन अब इन पर भी श्रम कानून लागू होंगे। संस्थाओं को पांच फीसदी राशि सोशल सिक्योरिटी फंड में देने का प्रावधान किया गया है। दुर्घटना रोजगार संबंधी और अन्य मामलों में वेलफेयर बेनिफिट्स लागू किए जाएंगे। यदि कर्मचारी माइग्रेट होता है तो ऐसी स्थिति में भी उसके अधिकार सुरक्षित किए गए हैं। श्रमिकों के लिए कार्यस्थल पर कैंटीन, पानी पीने की व्यवस्था और आराम इत्यादि का भी प्रावधान किया गया है। श्रमिकों के लिए पेड लीव की व्यवस्था भी श्रम कानून में की गई है। श्रम कानून में तीन नई परिभाषाओं को जोड़ा गया है। फिक्स्ड टर्म अपॉइंटमेंट, इसमें कर्मचारियों को एक निश्चित अवधि के लिए रखने की व्यवस्था है। अवधि समाप्त होने के बाद नौकरी खत्म हो जाएगी। श्रमिकों के लिए देश भर में न्यूनतम वेतनमान तय किया गया है। कोई भी राज्य इससे कम वेतन फिक्स नहीं करेगा। आवश्यक होने पर वह वेतनमान को ज्यादा कितना भी कर सकता है। राष्ट्रीय स्तर पर बनाए गए सेफ्टी और हेल्थ स्टैंडर्ड को सारे देश में एक साथ लागू किया जा रहा है। सरकार ने श्रम कानून में जो परिवर्तन किए हैं उसमें श्रमिकों के लिए जो अच्छे प्रावधान किए हैं उनका प्रचार-प्रसार जोर-जोर से किया जा रहा है, लेकिन पुराने श्रम कानून में जिस तरह के अधिकार श्रमिकों को प्राप्त थे वह अधिकार नए कानून में खत्म कर दिए गए हैं। अब कर्मचारियों को नियोक्ता अपनी सुविधा अनुसार कांटेक्ट के आधार पर रख सकेंगे। नियम तो पहले भी बने हैं, लेकिन नियमों का पालन श्रमिकों के लिए हो नहीं पाता है। पिछले 75 वर्षों में श्रमिकों की समस्याओं के लिए बहुत सारी विशेष अदालतें भी काम कर रहीं थीं, लेकिन इनसे बड़े स्तर पर कर्मचारियों को कोई लाभ मिला हो ऐसा देखने में नहीं आता है। श्रम कानूनो का पालन कराने के लिए सरकार ने प्रत्येक राज्य में बड़ी संख्या में अधिकारियों और इंस्पेक्टर्स की नियुक्ति कर रखी है, लेकिन वह सब कर्मचारियों के स्थान पर नियुक्ताओं की ज्यादा फिक्र करते हैं।

चिंतन-मनन

अहिंसा का स्वरूप

सामान्यतः अहिंसा को निषेधार्थक माना जाता है। न हिंसा -अहिंसा- हिंसा का अभाव अहिंसा है, यह इसकी एकांगी परिभाषा है। इसको सवार्गीण रूप से परिभाषित करने के लिए इसके विधेयार्थ और निषेधार्थ दोनों को समझना जरूरी है। किसी प्राणी के प्राणों का वियोजन नहीं करना, इस सूत्र का हिंसा के संदर्भ में जितना मूल्य है, उससे भी अधिक मूल्य है किसी भी प्राणी के प्रति अनिष्ट चिंतन के बहिष्कार का। अस्त्य विचार हिंसा है। असत्य वचन सा है। जितना कुछ झूठ बोला जाता है, वह हिंसा की प्रेरणा से ही बोला जाता है। असत चिंतन और असत वाणी की तरह असत व्यवहार मात्र हिंसा है, चाहे वह किसी के भी प्रति हो। मनुष्य की प्रवृत्ति सत और असत दोनों प्रकार की होती है। जिस प्रवृत्ति के साथ असत शब्द का योग हो जाता है, वह हिंसा-संवलित ही होती है। दूसरों के प्रति द्वेष की भावना, ईर्ष्या, उन्हें गिराने का मनोभाव और उनकी बढ़ती हुई प्रतिष्ठा को रोकने के सारे प्रयत्न हिंसा में अंतर्गर्भित हैं। दूसरों के मन में भय उत्पन्न करना, उनके सामने दुखद परिस्थितियां उभार देने, उनके विकास के मार्ग में बाधा पहुंचाना आदि प्रवृत्तियां भी हिंसा की परिधि में समाविष्ट हैं। इन प्रवृत्तियों का सर्वथा निरोध अहिंसा का आदर्श है। यह अहिंसा का नेगेटिव पक्ष है। अपने पॉजिटिव पक्ष में अहिंसा समता, मैत्री, संयम आदि उदात्त वृत्तियों से अनुबंधित है। यहां अहिंसा का वाच्यार्थ न मारने तक की सीमा में आबद्ध नहीं है। जहां यह प्रतिबद्धता जुड़ जाती है, अहिंसा का व्यापक अर्थ एक छोटे-से संदर्भ में समा जाता है। समता का धरातल असीम है। मैत्री की पौध इसी धरातल पर फली-फूली रह सकती है। इससे आत्मौपम्य की भावना जागृत होती है। आत्मतुला की बुद्धि से प्रेरित व्यक्ति कही अहिंसा को समझ सकता है और उसका पालन कर सकता है। जो व्यक्ति छोटे और बड़े, अनुकूल और प्रतिकूल हर प्राणी के प्रति समत्व बुद्धि का विकास करता है, वह अहिंसक होता है।

बिहार में आखिर नीतीश कुमार मुख्यमंत्री क्यों बने?

- संजय गोस्वामी

बिहार में सारी राजनीती में शतरंज के खेल में शह और मात में आखिर बीजेपी 2025 में सबसे बड़े दल 89 सीट लाकर भी अपना मुख्य मंत्री क्यों नहीं बना पाई इसकी खास वजह है। एनडीए में केंद्र में आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री चंद्राबाबू नायडू की अहम भूमिका थी। चुनाव के बाद चंद्रबाबू नायडू के बेटे नारे लोकेश पटना,इसलिए पहुंचे की कहीं बिहार में जेडूयू को तोड़कर या जेडीयू को छोड़कर बहुमत का आंकड़ा लेकर बड़ी पार्टी के नाते बीजेपी अपना सीएम का दावा राज्यपाल को न सौंप दें,और बीजेपी अपना मुख्यमंत्री न बना लें, 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद जो सरकार बनाने की परिस्थिति थी ।उसमें बीजेपी बहुमत के आंकड़ो के साथ सरकार न बना लें क्योंकि उसके 89 विधायक थे सरकार बनाने हेतु 122 का नम्बर चाहिए था। जिसमें 19 चिराग पासवान के और हम के 5 और उपेंद्र कुशवाहा के 4 विधायक थे यानि कुल 28 की संख्या थी 89 में 28 जोड़ने से 117 विधायक थे सिर्फ 5 विधायक तो चाहिए था जिसमें बसपा का 1 आई आई सी का 1 1निर्दलीय और 3 तो हो गया बाकी तो बहुमत साबित के समय एआईएमआईएम के 5 विधायक उपस्थित ही नहीं होते,तो सरकार तो बीजेपी की बन ही जाती इसलिए एआईएमआईएम के प्रमुख ओबैसी को डर लगने लगा और चुनाव परिणाम के बाद नीतीश कुमार को सीएम के सवाल पर बीजेपी की खामोशी से ये पता चल रहा था कि , बीजेपी नीतीश कुमार को बिहार के मुख्यमंत्री बनाने के मूड में नहीं है क्योंकि राज्य पाल भी उनके पार्टी का ही है, और महाराष्ट्र में उनका प्रयास भी सरकार बनाने में सफल रहा था जानकारी के अनुसार इसलिए चंद्रा बाबू नायडू से नीतीश ने सहयोगी दल होने के नाते सपोर्ट माँगा और वो नीतीश कुमार को मुख्य मंत्री बनाने के लिए अड़ गए थे क्योंकि उन्हें भी अपने राज्य में भविष्य में टी डी पी को सत्ता में बनाए रखना है ।इसलिए सारी राजनीती गतिविधियों की जानकारी के लिए उनके पुत्र पटना में थे, ताकि यदि बीजेपी कोई चाल चले तो केंद्र में उनके 15 सांसद और 12 सांसद जेडीयू के केंद्र में समर्थन वापस ले लेती,और जानकारों के अनुसार केंद्र में सरकार का गिरना तय था, क्योंकि शिव सेना के शिंदे गुट के भी 6 सांसद भी इधर महाराष्ट्र की सियासत से निकाय चुनाव और पार्टी तोड़ने को लेकर खुश नहीं थे। ऐ सब यदि समर्थन वापस लेते तो केंद्र में सरकार गिर सकता था, क्योंकि जब बहुमत साबित होना रहता है तो बीजेपी के भी 240 सासंद में कितने गैरहाजिर रहते ऐ भी एक प्रश्नचिन्ह था। क्योंकि कुछ तो नाराजगी पार्टी के अंदर है चूँकि अटलजी के समय जब एआईआईडीमके के प्रमुख ने 1998 में अटलजी के सरकार से समर्थन वापस लेकर अविश्वास प्रस्ताव लाया था, तो 1वोट से सरकार गिर गई थी इसलिए बीजेपी सेंटर में कोई रिश्क नहीं लेना चाहती थी इसलिए नीतीश कुमार बाल बाल बचे और मुख्यमंत्री बनने में कामयाब हुए इधर जेडीयू ने अपने सहयोगी दल को ऐ समझाने में कामयाब हुए की यदि मैं यानी नीतीश सरकार बिहार में नहीं रहूँगा तो आपकी पार्टी तो छोटी छोटी है और बीजेपी उसे आसानी से तोड़ देगी,यही कारण था कि जो बीजेपी ने नीतीश कुमार को सीएम पद का ऐलान नहीं कर पा रही थी क्योंकि उसे लगा कि 89 सीट लाकर राज्यपाल बड़े दल के रूप में सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करेंगी, इसलिए नीतीश ने सबको समझाया आप भले ही पार्टी का नेतृत्व कर रहें हैं लेकिन विधायक तो पाला बदल सकते हैं, इसलिए पहले ही चिराग पासवान, जितन राम मांझी, और उपेंद्र कुशवाहा ने एनडीए की बैठक से पहले ही बिहार के मुख्यमंत्री पद के लिए नीतीश कुमार का ऐलान कर दि थी,क्योंकि 2020 में वीआईपी तो एनडीए के साथ थी बाद में विधायक तोड़ने के बाद महागठबंधन में चले गए और इस बार के चुनाव में महागठबंधन में उप मुख्यमंत्री के पद का भी मुकेश सहनी ने करवा दिया। अब चुनाव के बाद जिस तरह बिहार में डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी को गृह मंत्री का पद मिला है, इससे ऐ लगता है कि अभी भी खेल खत्म नहीं हुआ क्योंकि विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव इसपर सवाल कर रहें हैं कि नीतीश सरकार से 20 साल बाद गृह मंत्रालय लेकर भाजपा उन्हें कमजोर कर दि है, सम्राट चौधरी पहले आरजेडी में थे बाद में 2023 में अचानक बीजेपी में प्रदेश अध्यक्ष की हैसियत से पार्टी में आएं जबकी प्रशांत किशोर की डिजिटल टीम ने शिल्पी मर्द केस पर सम्राट चौधरी का नाम जोड़ा था और उसको लेकर आर के सिंह ने भी सवाल उठाये थे, बाद में उन्हें पार्टी से 6 साल के लिए निलंबित कर दिया दरअसल सम्राट चौधरी का अहम रोल 2024 में जब आरजेडी से जे डी यू ने समर्थन वापस लेकर विधायक के जोड़ तोड़ और तेजस्वी यादव का विधायक को अपने आवास में कैद कर उनके घर से विधायक को उठाकर कहीं रास्ते से पकड़ कर जिसमें बीजेपी बाद में विधानसभा में बहुमत साबित करने में पहले स्पीकर को हटाया और बाद में बहुमत साबित किया ऐ बिल्कुल वैसा ही था जब 2018 के महाराष्ट्र के चुनाव में बीजेपी और शिव सेना के बीच मुख्यमंत्री पद को लेकर तकरार हुआ और एक दिन देवेंद्र फड़नवीस और अजीत पवार ने मिलकर राजभवन में मुख्य मंत्री और अजीत पवार ने उप मुख्यमंत्री पद की शपथ तो ले ली लेकिन बाद में शिव सेना के विधायक, एनसीपी और कांग्रेस ने मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया और बहुमत सिद्ध होने तक सारे विधायक एक होटल से दूसरी होटल में शिफ्ट होते गए हालांकि 2022 में शिव सेना में एक नाथ शिंदे की बगावत के बाद उसकी सरकार गिर गई, आज ऐ स्थिति है कि ना तो शिंदे सरकार में संतुष्ट नजर आ रहें हैं और ना हि उद्धव ठाकरे को उनका निर्णय सही लग रहा है इससे जो क्षेत्रीए पार्टी है ।उसमें गलत मैसेज गया जिसदिन बीजेपी को जेडीयू के सहयोग से सरकार बनानी थी। ठीक उस रात सम्राट चौधरी ने रात भर अपने विधायक की घेरा बंदी कर रहें थे अतः उस समय सम्राट चौधरी ने बीजेपी के विधायक को डराया था,और लगता है कि इन सबके कारण गृहमंत्री का इनाम मिला, लेकिन उनके बोल चाल से मालूम होता है ,की छवि बीजेपी के अच्छे नेताओं में नहीं है जैसे दूसरे डिप्टी सी एम विजय कुमार सिन्हा हैं, क्योंकि वो बीजेपी के कार्यकर्ता के रूप में जमीन से जुड़े हैं, दरअसल सम्राट चौधरी, पूर्व मंत्री बिहार सरकार शकुनि चौधरी के पुत्र हैं जो आरजेडी के कट्टर नेता थे। अतः आदमी का स्वभाव कुछ दिनों में नहीं बदलता है उसके लिए परिवार में आप किस तरह पले बढ़े उस पर निर्भर करता है। बिहार में पूर्व उप मुख्य मंत्री सुशील कुमार मोदी जिस तरह बीजेपी में एक अच्छी छवि बनाई और एक नाम श्री नन्द किशोर यादव का भी है,जो पहले बिहार में एनडीए के संयोजक थे बाद में बिहार में मंत्री भी बने बाद में वे स्पीकर बने और 2025 में उनको टिकट ही नहीं मिला डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा को भी गृह मंत्रालय दिया जा सकता था, जिस पर किसी ने कोई भी आरोप नहीं लगाएं हैं, और बोलचाल में भी ठीक हैं अतः बीजेपी को इस बात पर भी ध्यान देने की जरुरत है,कि पार्टी में अच्छे लोगो और किसी ने कोई भी आरोप नहीं लगाएं हो उसे ही अहम मंत्रालय मिले।

धर्मेंद्र : हिन्दी सिनेमा का सबसे खूबसूरत सितारा

- दिलीप कुमार पाठक

भारतीय सिनेमा के सबसे उम्रदराज अभिनेताओं की फेहरिस्त में सबसे बुजुर्ग धर्मेंद्र की तबियत बिगड़ी तो मीडिया ने उन्हें जल्दबाजी में मृत घोषित कर दिया और उनकी याद में कितने ही सारे प्रोग्राम चला दिए गए। परिणामस्वरूप पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गई, हालांकि पुष्टि नहीं हुई तो हमने अपनी जन सरोकार मैग्जीन के रिपोर्टर को रिसर्च के लिए लगाया तो उनकी सुपुत्री ने कहा कि धरम जी बिल्कुल ठीक हैं और रिकवर हो रहे हैं, इसी बहाने आज हिन्दी सिनेमा के ही मैन धरम जी के सिनेमाई एवं उनकी ज़िन्दगी का अध्ययन करते हैं साथ ही उनके लिए भगवान से प्रार्थना करते हैं कि हिन्दी सिनेमा के ही मैन शतायु हों, देवानंद साहब कहते थे धर्मेंद्र जैसा खूबसूरत मैं क्या कोई भी नहीं है। दिलीप कुमार कहते थे काश मैं भी उसी कोख से जन्म लेता जिससे तुमने लिया है तो मैं भी तुम्हारी तरह खूबसूरत होता। अगर धरम जी की अदाकारी एवं उनकी फि ल्मों का अध्ययन किया जाए तो पता लगेगा कि उनके हिस्से कम से कम 10 नेशनल अवॉर्ड एवं 20 फिल्मफेयर होते। भारतीय सिनेमा की बदकिस्मती है कि धरम जी को आजतक दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित नहीं किया गया, हालांकि हमारे यहां किसी का भी मूल्यांकन मरने के बाद होता है दुःखद यही है। 70 के दशक में धर्मेन्द्र को दुनिया के सबसे खूबसूरत मर्दों में से एक चुना गया था। यह सम्मान पाने वाले वह भारत के पहले शख्स थे। उनके अलावा यह सम्मान सिर्फ सलमान खान के पास है। इसके साथ ही उन्हें विश्व स्तर पर ह्लवर्ल्ड आयरन मैन अवार्डह्व भी हासिल है। 8 दिसम्बर 1935 को जन्मे धरम ने दिलीप कुमार को देखकर सिनेमा में आने का ख्वाब देखा था। दिलीप कुमार, देवानंद, राजकपूर, त्रिमूर्ति के बराबर अकेले में अगर किसी के पास प्रतिभा थी तो वे केवल और केवल धर्मेंद्र ही हैं, अपने से बड़े लोगों को इज्जत देना, और छोटों को बेशुमार प्यार देना धर्मेंद्र की अदा है जो उन्हें मोस्ट लविंग इंसान बनाती है, और खूबी उन्हें लोकप्रिय बनाती है। धर्मेंद्र हिन्दी सिनेमा के इकलौते ऐसे सुपरस्टार हैं, जिनका कोई दुश्मन नहीं है सारे के सारे उनके मित्र हैं। धरम जी फि ल्मों के प्रसिद्ध अभिनेता, फि ल्म निमार्ता और राजनीतिज्ञ हैं, ये बीकानेर से भारतीय जनता पार्टी के 14वीं लोकसभा में सांसद रहे। धर्मेन्द्र, हिंदी फि ल्मों में अपनी मजबूत कद काठी और एक्शन के लिए हीमैन के नाम से भी जाने जाते हैं। हिन्दी सिनेमा में अगर अमिताभ बच्चन सदी के महानायक हैं तो धर्मेन्द्र उसी सदी के महा सितारे हैं, जो अपनी अदाओं से ना सिर्फ दर्शकों की पसंद बने थे बल्कि उनकी दमदार शख्सियत का लोहा विदेशों में भी माना गया था। धरम जी भारत के पहले ऐसे सुपरस्टार हैं जिन्होंने रिकॉर्ड सबसे ज़्यादा सुपरहिट फि ल्में दीं। हिन्दी सिनेमा की डगर पर चलने के लिए 1958 में उन्होंने फि ल्मफेयर टैलेन्ट कॉन्टेस्ट में हिस्सा लिया और चल पड़े एक ऐसे सफर पर जहां उन्हें कामयाबी, शोहरत और पैसा सब मिला। धर्मेंद्र ने अपने सिनेमा करियर की शुरूआत अर्जुन हिंगोरानी की 1960 में आई फि ल्म फि ल्म दिल भी तेरा हम भी तेरे से की थी। उन्होंने 1960 के दशक के शुरू में कई रोमाटिक फि ल्मों में काम किया। 1974 के बाद दर्शकों ने उन्हें एक्शन हीरो के रूप में देखा। अपने कैरियर की शुरूआत में उन्होंने कई प्रमुख अभिनेत्रियों के साथ अभिनय किया। वह नूतन के साथ सूरत और सीरत (1962) और बंदिनी (1963) में दिखाई दिए तो 1942 में फि ल्म अनपढ़ और 1964 में आई फि ल्म पूजा के फूल में वह माला सिन्हा के साथ दिखाई दिए। 1962 की फि ल्म शादी और 1964 में आई मिलन की बेला में वह सायरा बानो के साथ दिखाई दिए। हिंदी फि ल्म आँखें में जब उन्हें दर्शकों ने एक शेर से लड़ते देखा तो सभी दांतों तले अंगुली दबा गए और उन्हें नाम मिला शेरों का शेर धर्मेंद्र। धर्मेंद्र को भारत सरकार ने पद्म भूषण से भी सम्मानित किया। धर्मेन्द्र को सबसे ज़्यादा सत्यकाम, शोले अनुपमा, चुपके - चुपके में अभिनय करने के लिए याद किया जाता है। 1975 में प्रदर्शित हुई फि ल्म शोले धर्मेंद्र के कैरियर की सबसे बड़ी हिट साबित हुई। हिंदी सिनेमा के सुनहरे पन्नों में अपना नाम सुनिश्चित करा चुकी रमेश सिप्पी निर्देशित फि ल्म शोले ने धर्मेंद्र को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलवाई। इस फि ल्म के बाद धर्मेंद्र की गिनती विश्व के टॉप 10 बेजोड़ अभिनेताओं में होने लगी। अपने कैरियर में धर्मेन्द्र ने हर किस्म के रोल किए। रोल चाहे फि ल्म सत्यकाम के सीधे-सादे ईमानदार हीरो का हो, फि ल्म शोले के एक्शन हीरो का हो या फिर फि ल्म चुपके चुपके के कॉमेडियन हीरो का, सभी को सफलतापूर्वक निभा कर दिखा देने वाले धर्मेंद्र सिंह देओल अभिनय प्रतिभा के धनी कलाकार हैं। साल 1966 में आई उनकी फि ल्म ह्लफूल और पत्थरह्व को सबसे अधिक सफलता मिली। इस फि ल्म के लिए धर्मेन्द्र को पहली बार सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के फि ल्मफेयर पुरस्कार के लिए नामित किया गया था। इसके साथ ही उन्हें फि ल्म नौकर बीवी का और आई मिलन की बेला जैसी फि ल्मों के लिए भी फि ल्मफेयर पुरस्कार नामित किया गया था। हिन्दी सिनेमा का इतिहास जब भी लिखा जाएगा धर्मेंद्र को एक कम्प्लीट हीरो के रूप में याद किया जाएगा, चूंकि धर्मेंद्र जैसे सुपरस्टार बार - बार जन्म नहीं लेते।

शराब की लुभावनी पैकेजिंग के खतरे एवं सुप्रीम कोर्ट की चिंता

- ललित गर्ग

हाल ही में देश की शीर्ष अदालत ने शराब की पैकेजिंग को लेकर जो गंभीर टिप्पणी की है, वह केवल कानूनी हस्तक्षेप नहीं बल्कि सामाजिक चेतना को झकझोरने वाली चेतावनी है। अदालत ने स्पष्ट कहा है कि शराब को इस तरह आकर्षक और लुभावना बनाकर प्रस्तुत करना सार्वजनिक स्वास्थ्य के साथ-साथ संस्कृति एवं सामाजिक के साथ खिलवाड़ है। चमकीली बोतलें, विदेशी डिजाइन, चटकदार रंग और ग्लैमरस बॉक्स-ये सब रणनीतियां लोगों को, विशेषकर युवाओं को, महिलाओं को शराब की ओर खींचने का साधन बन चुकी हैं। शराब की यह भ्रामक एवं बाजारवादी पैकेजिंग एक गंभीर एवं नया खतरा है। यह प्रवृत्ति केवल बाजार का विस्तार नहीं बल्कि पूरे समाज के स्वास्थ्य, नैतिकता और मानसिक संतुलन पर गहरा हमला है। जन-स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाली शराब कम्पनियों की दुराग्रही सोच एवं गुमराह करने वाली पैकिंग एक आपराधिक कृत्य है। जूस पैक जैसे दिखने वाले टेट्रा पैक में बेची जा रही शराब अनेक खतरों को आमंत्रण है। आज जब देश शराब की वजह से होने वाली बीमारियों, दुर्घटनाओं, हिंसा, पारिवारिक विघटन और मानसिक अवसाद जैसी समस्याओं से जूझ रहा है, तब शराब को ह्लफैशनेबलह्व बनाकर बेचना एक बहुत बड़ा खतरा बन जाता है। शराब कंपनियों ने पैकेजिंग को आधुनिकता, प्रतिष्ठा और स्टाइल से जोड़ दिया है, जिससे युवा वर्ग इसे किसी उपलब्धि जैसा मानने लगा है। सामाजिक और मनोवैज्ञानिक रूप से यह पैकेजिंग व्यक्ति के मन में यह भ्रम पैदा करती है कि शराब पीना आधुनिकता का प्रतीक है, जबकि वास्तविकता यह है कि शराब हर रूप में शरीर और मन के लिए घातक जहर है। शराब के घातक एवं दुष्प्रभाव किसी से छिपे नहीं हैं। यह धीरे-धीरे शरीर को भीतर से खोखला करते हुए नशे की अंधी गलियों में धकेल देती है। लिवर सिरोसिस, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, कैंसर, मानसिक असंतुलन, अवसाद और नींद की गंभीर समस्याएं शराब सेवन की सीधी देन हैं। सड़क दुर्घटनाओं में मरने वाले हजारों लोग शराब पीकर गाड़ी चलाने के कारण अपनी जान गंवाते हैं। घरेलू हिंसा, अपराध और परिवारों के टूटने में शराब की भूमिका लंबे समय से प्रमाणित है। ऐसे में शराब को आकर्षक पैकेजिंग में परोसना मानो लोगों को स्वेच्छा से विनाश के रास्ते पर भेजने जैसा है। सुप्रीम कोर्ट ने इसीलिए चिंता जताई है कि शराब की बोतलों की पैकिंग ऐसी नहीं होनी चाहिए जो उपभोक्ता को उसकी वास्तविक हानियों से दूर ले जाए। चेतावनियां अक्सर बोतल के किनारे इस तरह लगाई जाती हैं कि वे दिखती ही नहीं। कंपनियां स्वास्थ्य चेतावनियों को ढककर अपने उत्पाद की सुंदरता को आगे करती हैं। यह न केवल अनैतिक है बल्कि स्वास्थ्य संबंधी नीतियों की मूल भावना के भी विरुद्ध है। जब सरकार तंबाकू पर बड़ी और भयावह चेतावनियों को अनिवार्य कर चुकी है, तो शराब जिसका स्वास्थ्य पर प्रभाव कई मामलों में उतना ही विनाशकारी है, उसकी पैकेजिंग पर भी समान कठोर नियम लागू होना चाहिए। समाज में शराब की बढ़ती स्वीकृति का बड़ा कारण यह भी है कि शराब उद्योग ने पैकेजिंग को ही आकर्षक विज्ञापन का माध्यम बना दिया है। जहां शराब विज्ञापन पर कानूनी रोक है, वहां कंपनियां रंगीन बोतलों और खूबसूरत बॉक्सों को ही प्रचार का तरीका बना लेती हैं। यह परोक्ष विज्ञापन है, जो कानून की भावना का उल्लंघन करता है और युवाओं को नशे की ओर ले जाता है।

आज का राशिफल

मेष दोपहर के बाद किसी उच्चाधिकारी से वाद-विवाद की स्थिति बनती हुई नजर आ रही है।	**तुला** दिन लाभ से भरा रहने वाला है। शुक्र ग्रह के प्रभाव से सुख में आज के दिन वृद्धि होगी।
वृषभ दिन उतार-चढ़ाव भरा रहने वाला है। कार्यस्थल पर किसी अधिकारी से मतभेद संभव दिख रही है।	**वृश्चिक** आज का दिन परोपकार से भरा रहेगा। दूसरों की मदद करने करने का मौका मिलेगा।
मिथुन दिन चुनौतीपूर्ण दिख रहा है। किसी प्रियजन से अलग होने का दुख मन को परेशान कर सकता है।	**धनु** दिन तनावपूर्ण रह सकता है। मंगल की स्थिति अशांति और मतभेद उत्पन्न कर सकती है।
कर्क चंद्रमा के अनुकूल प्रभाव से व्यापार और साझेदारी में सफलता के योग बनते हुए नजर आ रहे हैं।	**मकर** आज अचानक धन लाभ के योग बन रहे हैं। किसी नई डील से लाभ प्राप्त होगा।
सिंह दिन मिश्रित परिणाम देने वाला रहेगा। आपकी लोकप्रियता आज के दिन बढ़ती हुई दिख रही है।	**कुंभ** दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। किसी बड़ी सफलता का समाचार प्राप्त हो सकता है।
कन्या आज का दिन सम्मान रहने वाला है। शनि और केतु का योग उत्तम संपत्ति प्राप्ति का संकेत दे रहा है।	**मीन** आज का दिन ऊर्जा से भरपूर रहेगा। गुरु का प्रभाव करियर में प्रगति के संकेत दे रहा है।

विशेष

तेजस फाइटर जेट क्रैश

दुबई में एयर शो आयोजित हुआ था इसमें इसमें कई देशों के सैन्य विशेषज्ञ फाइटर जेट के कौशल को देखने और उनको खरीदने के लिए दुबई में एकत्रित हुए थे। कई देशों के हवाई जहाज यहां पर और शो में भाग लेने के लिए आए थे। भारत ने अपना पहला स्वदेशी तेजस फाइटर इस शो में भेजा था। यह तेजस फाइटर क्रेश हो गया। जिसके कारण भारत को बड़ा झटका लगा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तेजस के ब्रांड एंबेसडर बनकर पूरी दुनिया में इसे सबसे बेहतर एयरक्राफ्ट बता रहे थे। एक तेजस पहले ही राजस्थान में क्रैश हो चुका है। दूसरा दुबई में एयर शो के दौरान क्रेश हो गया है। जिसको लेकर तरह-तरह की बातें कही जा रही हैं। यह भी कहा जा रहा है,इंजन तो अमेरिका का लगा है। बहुत से पार्ट दूसरे देशों के लगे हैं। तो यह स्वदेशी कैसे हो गया।

श्रमिकों के लिए नए कानून

भारत सरकार ने शुक्रवार को श्रमिकों के हित मे चार जो नए कानून बनाए हैं। उनकी अधिसूचना जारी कर दी है। यह चार नए कानून सारे देश में लागू हो गए हैं। श्रमिकों को इससे फायदा होगा या नुकसान होगा। श्रमिक संगठनों का कहना है, सरकार ने सब धान 22 पसेरी की तरह श्रम कानून में श्रमिकों के हितों को तोल दिया है। इससे श्रमिकों को फायदा कम नुकसान ज्यादा होगा। देश में बेरोजगारी बढ़ेगी। असंगठित क्षेत्र में जो रोजगार मिल रहा था। वह भी नए कानून लागू होने के बाद खत्म हो जाएंगे। रोजगार कम मिलेगा, बेरोजगारी और बढ़ेगी।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1531: स्विटजरलैंड का दूसरा गृहयुद्ध समाप्त हुआ। 1891: लक्जमबर्ग नीदरलैंड्स से अलग हुआ। 1891: ब्राजील के प्रथम राष्ट्रपति डियोडोरोड फ्रांसेका को नौ सेना में विद्रोह के कारण पद से हटना पड़ा। 1932: सऊदी अरब का गठन हुआ। 1937: प्रसिद्ध वैज्ञानिक जगदीशचंद्र बोस का निधन। 1943: द्वितीय विश्व युद्ध में अमरीका ने प्रशांत महासागर में तरावा में जापानियों को शिकस्त दी। 1971: चीन सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बना। 1972: बोलीविया सरकार ने आपात स्थिति की घोषणा की। 1983: भारत में पहली बार राष्ट्रकुल का सम्मेलन हुआ। 1986: फिलीपींस की राष्ट्रपति कोराजोन एक्विनो ने रक्षा मंत्री जुआन पांस एनरिले को बर्खास्त कर दिया। 1988: अजरबैजान की जातीय हिंसा में तीन सोवियत सैनिक मारे गए और सौ से अधिक घायल हो गए।

दैनिक पंचांग

23 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

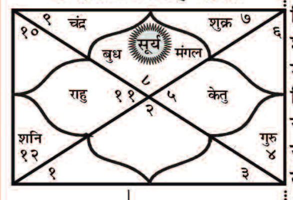

रविवार 2025 वर्ष का 327 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2082
शक संवत् 1947
मास मृगशीर्ष **पक्ष** शुक्ल
तिथि तृतीया 19.25 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मूल 19.28 बजे को समाप्त।
योग धृति 12.09 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 06.20 बजे तदनन्तर गर 19.25 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 2.7 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 20° 21'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872537
जूलियन दिन 2461002.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जमादि उस्सानी
तारीख 01

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृश्चिक में	धनु	08.08 बजे से
चंद्र	धनु में	मकर	10.13 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	कुंभ	12.00 बजे से
बुध	वृश्चिक में	मीन	13.33 बजे से
गुरु	कर्क में	मेष	15.03 बजे से
शुक्र	तुला में	वृष	16.43 बजे से
शनि	मीन में	मिथुन	18.41 बजे से
राहु	कुंभ में	कर्क	20.55 बजे से
केतु	सिंह में	सिंह	23.11 बजे से
		कन्या	01.23 बजे से
		तुला	03.33 बजे से
		वृश्चिक	05.48 ब.से

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

धनबाद के बरवाअड्डा में सड़क किनारे पड़ा था शव, पुलिस ने 24 घंटे बाद उठाया, शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

धनबाद, एजेंसी। धनबाद के बरवाअड्डा थाना क्षेत्र स्थित किसान चौक पर शुक्रवार सुबह एक अज्ञात वृद्ध की मौत हो गई, मगर उसका शव पूरे 24 घंटे तक सड़क किनारे ही पड़ा रहा। स्थानीय लोगों के अनुसार मृतक लंबे समय से कचरा बीनकर अपना गुजारा कर रहा था। शुक्रवार सुबह करीब 9 बजे उसकी मौत हो गई। आसपास के दुकानदारों और राहगीरों ने तुरंत पुलिस को सूचना भी दी, लेकिन पूरे दिन और रातभर कोई कार्रवाई नहीं हुई। सड़क किनारे शव पड़े रहने से लोगों में नाराजगी बढ़ती गई, वहीं पुलिस की निष्क्रियता पर सवाल उठने लगे।

मीडिया में मामला आने के बाद जागी पुलिस : शुक्रवार रात तक कोई कदम नहीं उठाए जाने के बाद मामला मीडिया में आने पर शनिवार सुबह पुलिस हरकत में आई। बरवाअड्डा थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि शव के पास से गुजरते राहगीर और दुकानदार लगातार पुलिस की लापरवाही को लेकर चर्चा कर रहे थे, लेकिन पुलिस की ओर से किसी अधिकारी ने मौके पर आने की जहमत नहीं उठाई। सुबह तक शव वहीं पड़ा रहा, जिससे क्षेत्र में भय और असहजता का माहौल बन गया। स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि सुबह 10 बजे ही घटना की जानकारी पुलिस को दी गई थी, बावजूद इसके पुलिस की ओर से कोई संवेदनशील कदम नहीं उठाया गया।

जनता की समस्याओं से पुलिस बेखबर : घटना पर जेएलकेएम नेता हरेंद्र रजक ने बरवाअड्डा पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि थाना क्षेत्र की पुलिस केवल उगाही में व्यस्त रहती है और आम जनता की समस्याओं पर ध्यान नहीं देती। रजक ने यह भी कहा कि किसान चौक पर अधिकांश समय पुलिस पेट्रोलिंग वाहन मौजूद रहता है, फिर भी एक शव 24 घंटे तक सड़क पर पड़ा रहा, जो पुलिस की संवेदनहीनता का स्पष्ट उदाहरण है। स्थानीय दुकानदारों ने भी मृतक की पहचान वासेपुर निवासी के रूप में की है।

जमशेदपुर में आपसी विवाद में पत्नी ने फांसी लगाई, शव देख पति ने भी कर ली खुदकुशी,

जमशेदपुर, एजेंसी। आदित्यपुर आरआइटी थाना क्षेत्र में रोहन इंटरप्राइजेज कंपनी के कैंपस में रहने वाले पति-पत्नी ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मृतकों की पहचान दीपक कुमार (25) और उनकी पत्नी आरती कुमारी (21) के रूप में हुई है। बताया जाता है कि आपसी मतभेद की वजह से दोनों ने यह खौफनाक कदम उठाया। दोनों मूलरूप से बिहार के गयाजी के फतेहपुर के रहने वाले थे। दोनों डेढ़ साल पहले घर से भागकर आदित्यपुर पहुंचे थे और यहां कंपनी के कैंपस में रहते थे।

गुरुवार की रात करीब नौ बजे कंपनी से ड्यूटी से घर : लौटने पर दीपक ने पत्नी का शव फंदे पर लटका देखा। इसके बाद दीपक ने अपने परिजनों को फोन कर पत्नी के सुसाइड करने की सूचना दी और खुद भी आत्महत्या कर ली। शुक्रवार सुबह आठ बजे दीपक के ड्यूटी नहीं पहुंचने पर सहकर्मी अली खोजते हुए उसके घर पहुंचा तो दोनों को मृत पाया। पुलिस ने फॉरेंसिक जांच समेत अन्य सभी बिंदुओं पर छानबीन के बाद दोनों का शव पोस्टमार्टम के लिए सरायकेला भेज दिया है। देर रात दीपक के परिजनों ने आरआइटी थाना पहुंच कर शिकायत दर्ज कराई।

आदित्यपुर स्थित रणबीर पॉलीमर इंडस्ट्रीज कंपनी के मैनेजर पीएन सिंह ने बताया कि दो साल पहले औरंगाबाद के रहनेवाले उनके स्टॉफ मंतोष ने दीपक को अपना रिश्तेदार बता कर कंपनी में नौकरी लगाई थी। दीपक का ठिकाना नहीं था, इसलिए पास में बंद पड़ी कंपनी रोहन इंटरप्राइजेज में रहने के लिए एक कमरा दे दिया गया था।

पड़ोसी ने बताया कि दोनों के बीच अक्सर अनबन होती थी : दीपक के पड़ोसी व सहकर्मी मंतोष ने पुलिस को बताया कि पति-पत्नी में अक्सर अनबन होती रहती थी। गुरुवार की रात 10 बजे दीपक को अपने कमरे का दरवाजा खटखटाते देखा गया था। शुक्रवार सुबह दीपक और उसकी पत्नी का शव मिला। इधर, आरआइटी थाना प्रभारी संजीव कुमार सिंह ने बताया कि आरंभिक जांच में पता चला कि पति-पत्नी ने आपसी विवाद की वजह से फांसी लगाकर आत्महत्या की है।

सांप के जहर का इंटरनेशनल रैकेट पकड़ाया

20किलोग्राम पेंगोलिन शल्क, 1.2 लीटर जहर बरामद- कीमत 80 करोड़; मेड इन फ्रांस की आईडी जब्त

पलामू, एजेंसी। पलामू में वन विभाग और वाइल्ड लाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो ने वन्यजीव तस्करी के एक बड़े अंतरराष्ट्रीय रैकेट का पर्दाफाश किया है। रैकेट को पकड़ने के लिए ज्वाइंट अभियान 18 नवंबर से चल रहा था। शुरुआती कार्रवाई छतरपुर पश्चिमी वन प्रक्षेत्र की ओर से हरिहरगंज में की गई। टीम ने औरंगाबाद जिले के देव से एक पिता-पुत्र और हरिहरगंज के एक व्यवसायी सहित तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया।

इनके पास से लगभग 1200 मिलीलीटर सांप का जहर और करीब 20 किलोग्राम पेंगोलिन के शल्क बरामद हुए। अधिकारियों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय बाजार में जब्त जहर की कीमत लगभग 80 करोड़ रुपए और पेंगोलिन शल्क की कीमत करीब 20 लाख रुपए आंकी गई है। इतनी बड़ी मात्रा में बरामदगी से यह साफ हो गया कि यह तस्करी स्थानीय स्तर पर ही नहीं, बल्कि सीमा पार के नेटवर्क से भी जुड़ी है।

जांच में खुलासे के बाद दूसरी कार्रवाई, कुल 10 आरोपी गिरफ्तार : पहली कार्रवाई के बाद वन विभाग ने गिरफ्तार तस्करों से पूछताछ की।

इस पूछताछ के आधार पर रैकेट के अन्य सदस्यों की पहचान हुई। पूछताछ में मिले इनपुट के आधार पर दूसरी छापेमारी की गई। इस दौरान राहुल कुमार, गोपाल प्रसाद सिंह, मानकी सिंह, शमीतुल्ला मियां, तैयब अंसारी, अनिल यादव और विनोद चंद्रवंशी सहित सात और आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से करीब 10 किलोग्राम पेंगोलिन का टुकड़ा बरामद किया गया।

इस तरह कुल गिरफ्तारियों की संख्या 10 हो गई है। डीएफओ सत्यम कुमार ने बताया कि यह एक बड़ा और संगठित वन्यजीव तस्करी रैकेट है, जिसमें स्थानीय नेटवर्क के साथ-साथ बिहार और पलामू के तस्करों की संलिप्तता भी सामने आई है। उन्होंने कहा कि सांप के जहर की इतनी बड़ी मात्रा मिलना बताता है कि यह गिरोह लंबे समय से सक्रिय था। विभिन्न जगहों से जहर इकट्ठा कर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सप्लाई कर रहा था।

मेड इन फ्रांस आईडी कार्ड से इंटरनेशनल लिंक की पुष्टि : अधिकारियों ने बताया कि जब्त सांप के जहर के साथ एक आईडी कार्ड भी मिला है, जिस पर 'मेड इन फ्रांस' लिखा हुआ था।

इस कार्ड ने जांच टीम की चिंताएं और बढ़ा दी हैं। इससे साफ संकेत मिल रहा है कि यह नेटवर्क विदेशी बाजारों से भी जुड़ा हुआ था। जहर की सप्लाई किसी इंटरनेशनल चैनल के माध्यम से की जाती थी। जांच एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि पकड़े गए तस्करों का विदेशी गिरोहों से क्या संबंध है।

सांप के जहर को किस रास्ते से अंतरराष्ट्रीय बाजार में भेजा जाता था। वन विभाग का कहना है कि इस रैकेट के पीछे और भी कई लोग हो सकते हैं। जिनकी पहचान की जा रही है। फिलहाल पूरे मामले की जांच तेज कर दी गई है।

भारत-साउथ अफ्रीका वन डे मैच:3 घंटे में बिकीं पहले दिन जारी सभी ऑनलाइन टिकटें

रांची, एजेंसी। जेएससीए स्टेडियम में 30 नवंबर को भारत-दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले एक दिवसीय क्रिकेट मैच की पहले दिन जारी सभी ऑनलाइन टिकटें शुक्रवार को बेवसाइट खुलते ही बिक गईं। लगभग तीन घंटे बाद ही बेवसाइट पर टिकट सोल्ड आउट का मैसेज दिखने लगा। क्रिकेट प्रेमियों को अब शनिवार को ऑनलाइन टिकट उपलब्ध होने का इंतजार है। पहले दिन ईस्ट एंड वेस्ट हिल के टिकट की सबसे ज्यादा डिमांड रही, जिसकी कीमत 1200 रुपए है। इसके बाद विंग-ए और विंग- सी के अपर टीयर की टिकटें तेजी से सोल्ड आउट हुई। इसकी कीमत 1300 रुपए निर्धारित की गई है। इसके बाद अन्य सभी दर की टिकटें बिकी।

25 नवंबर से ऑफलाइन टिकट बिक्री की व्यवस्था की गई है। इसके लिए स्टेडियम के बाहर 6 काउंटर बनाए गए हैं। 2 काउंटर से ऑनलाइन बुक कराने वाले को टिकट दिया जाएगा। वहीं एक काउंटर महिलाओं के लिए होगा। इसके अलावा 3 काउंटर से आम लोग टिकट खरीद सकेंगे।

सरायकेला में ई-रिक्शा पर पलटा हाइवा, तीन की मौत

हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से जख्मी, टोटो सवार सभी जा रहे थे पूजा करने

सरायकेला, एजेंसी। सरायकेला में शनिवार को बड़ा सड़क हादसा हो गया। राजनगर थाना क्षेत्र स्थित हाता-चाईबासा मुख्य मार्ग पर पांच सवारियों से भरी ई-रिक्शा (टोटो) पर एक हाइवा पलट गया। हादसे में ई-रिक्शा सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि तीन लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। हादसा कुजू बांकसाई और 5 नंबर गेट के बीच हुआ। जानकारी के अनुसार, पश्चिम सिंहभूम के तांतनगर सिंदरी गांव से पांच लोग पूजा के लिए राजनगर आ रहे थे। ये सभी ई-रिक्शा में सवार थे। इसी दौरान, एक हाइवा अनियंत्रित होकर सीधे ई-रिक्शा पर पलट गया।

घायलों को काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया : हाइवा के नीचे दबने से दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से अन्य घायलों को काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया। सभी घायलों को चाईबासा सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां एक और जख्मी ने दम तोड़ दिया। दो की हालत गंभीर बनी हुई है। फिलहाल मृतक और घायलों की पहचान नहीं हो सकी है।

आक्रोशित ग्रामीणों ने किया रोड जा : इधर, हादसे से आक्रोशित स्थानीय ग्रामीणों ने मुख्य सड़क को जाम कर विरोध प्रदर्शन किया, जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। घटना की सूचना मिलते ही एसडीपीओ, प्रशिक्षु डीएसपी और राजनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास कर रही है।

पाकुड़ डेली सब्जी मार्केट में भीषण आग:लाखों की हरी सब्जियां व सामान जलकर राख

पाकुड़, एजेंसी। पाकुड़ नगर थाना क्षेत्र के रेलवे फाटक के पास स्थित डेली सब्जी मार्केट में देर रात एक भीषण आग लग गई, जिसमें लाखों रुपए की हरी सब्जियां और अन्य सामान जलकर राख हो गए। आग गणेश प्रसाद भगत की सब्जी दुकान में लगी, जहां शिमला मिर्च, मशरूम, बीन्स और गाजर सहित बड़ी मात्रा में सब्जियां रखी हुई थीं। आग इतनी भयावह थी कि कुछ ही मिनटों में दुकान में रखा सारा माल जल गया। दुकान में मौजूद कई महत्वपूर्ण कागजात और करीब 50 हजार रुपए मूल्य के सब्जी क्रेट भी आग की भेंट चढ़ गए। दुकान मालिक के अनुसार आगामी शादी-विवाह सीजन को देखते हुए उन्होंने बड़ी मात्रा में सब्जियां पश्चिम बंगाल और अन्य जिलों से मंगाई थीं, जो पूरी तरह नष्ट हो गईं।

दमकल ने समय रहते पाया नियंत्रण : देर रात दुकान से उठती लपटें देखकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। लोगों ने तुरंत पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी। आग इतनी तेज थी कि प्रारंभिक प्रयासों में स्थानीय लोग इसे बुझा नहीं सके। थोड़ी देर बाद दमकल वाहन मौके पर पहुंचा और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

समय पर हस्तक्षेप से डेली मार्केट की अन्य दुकानों तक आग फैलने का खतरा टल गया। मौके पर मौजूद कई लोगों ने बताया कि आग दुकान के अंदर तेजी से फैल रही थी। यदि दमकल थोड़ी देर और देरी से पहुंचती तो पूरा सब्जी मार्केट आग की चपेट में आ सकता था।

असामाजिक तत्वों के हरकत की आशंका : आसपास के लोगों ने बताया कि रात के समय मार्केट में कुछ असामाजिक तत्व नशा सेवन करने के उद्देश्य से इकट्ठा होते हैं। स्थानीय लोगों का अनुमान है कि हो सकता है किसी ने सिगरेट या माचिस की तीली फेंक दी हो, जिससे आग लगी हो। नगर थाना पुलिस ने घटनास्थल पहुंचकर पूरे मामले की जानकारी ली और आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी है। दुकान मालिक गणेश प्रसाद भगत का कहना है कि आग लगने की वास्तविक वजह का पता लगना जरूरी है, क्योंकि इस घटना ने उन्हें भारी आर्थिक झटका दिया है।

रांची यूनिवर्सिटी में ताला:वीसी 30 घंटे बाद कैंपस पहुंचे, पर आंदोलित छात्रों से मिले बिना लौटे

रांची, एजेंसी। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू), रांची में यूजी-पीजी कॉमर्स की शुल्क वृद्धि को लेकर उठी आग दूसरे दिन शुक्रवार को और भड़क गई। सुबह से शुरू हुई तालाबंदी ने न सिर्फ कक्षाओं को ठप कर दिया, बल्कि पूरे प्रशासनिक ढांचे को भी जकड़ लिया।

प्रदर्शनकारी छात्रों और विवि प्रशासन के बीच बातचीत की हर कोशिश नाकाम रही। तालाबंदी के करीब 30 घंटे बाद शुक्रवार शाम 4 बजे प्रभारी कुलपति अंजनी कुमार मिश्र कैंपस पहुंचे। वे करीब 15 मिनट तक डीएसडब्ल्यू डॉ. सर्वोत्तम कुमार, रजिस्ट्रार डॉ. धनंजय बासुदेव द्विवेदी, प्रॉक्टर डॉ. राजेश कुमार सिंह और डॉ. अजय चौधरी के साथ ओल्ड बिल्डिंग में बातचीत की। लेकिन प्रदर्शनकारी छात्रों से बिना बात किए कुलपति परिसर से लौट गए, जिससे छात्रों में और असंतोष पैदा हुआ।

सोमवार को वार्ता के लिए बुलाया, छात्र नहीं माने : इससे पहले प्रशासनिक अधिकारियों ने छात्रों से तालाबंदी खत्म करने को लेकर बातचीत की थी। विवि प्रशासन ने छात्रों को सोमवार को बातचीत के लिए आमंत्रित किया, जिसे प्रदर्शनकारी छात्रों ने अपर्याप्त करार दिया। छात्र प्रतिनिधियों की ओर से पहले एग्जाम फॉर्म जमा करने की तिथि बढ़ाने की मांग की गई थी, जिसे विवि ने खारिज कर दिया। छात्रों ने कहा कि मांग पूरी होने तक अनिश्चितकालीन तालाबंदी जारी रहेगी। इधर, कैंपस पर पुलिस -प्रशासन की पैनी नजर थी।

क्लास रूम खाली करवा कर जड़ा ताला : सुबह 9 बजे ही एसीएस और आईसा के प्रतिनिधि कैंपस पहुंच गए। उस समय मॉर्निंग शिफ्ट की कक्षाएं चल रही थीं। प्रदर्शनकारियों ने घूम-घूम कर छात्रों और शिक्षकों को कक्षाओं से बाहर निकाला और गेट में ताला जड़ दिया। इस दौरान गेट से बाहर निकलने को लेकर छात्रों और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी नोंक-झोंक भी हुई।

दूर-दराज से आने वाले छात्र हुए परेशान : रांची एवं आसपास के प्रखंडों के अलावा लोहरदगा जिले से भी छात्र यहां पढ़ते हैं। सुनील, हेमंत, सौरभ, आनंद समेत कई छात्रों ने कहा- हम पढ़ाई के लिए आते हैं, आंदोलन से हमें कोई मतलब नहीं। रोज यहां आकर पता चलता है कि स्ट्राइक है। इससे नुकसान सिर्फ छात्रों का हो रहा है।

कब-कैसे बढ़ा था शुल्क : 2021 तक यूजी- पीजी कॉमर्स का शुल्क वार्षिक आधार पर लिया जाता था।2022 से शुल्क मॉडल बदल सेमेस्टर सिस्टम (हर 6 माह) किया गया।

फर्जी डिग्रीधारी 102 पारा शिक्षकों की स्कूल में नो एंट्री, लगातार शिकायत मिलने के बाद डीएसई ने लिया एक्शन

जामताड़ा, एजेंसी। जून में माह में ही सेवा समाप्त करने के बाद सहायक अध्यापक (पारा शिक्षक) द्वारा नियमित कक्षा संचालन की शिकायत मिल रही थी। इसके बाद जिला शिक्षा अधीक्षक विकेश कुनाल प्रजापति ने सख्त कदम उठाया है।

उन्होंने संबंधित विद्यालय के प्रधानाध्यापक व प्रभारी प्रधानाध्यापक को पत्र लिख है। इसमें ऐसे शिक्षकों को स्कूल में प्रवेश देने से मना किया है। इसके अलावा जिला एमआइएस प्रभारी को 102 सहायक अध्यापकों का ई-विद्यवाहिनी पोर्टल पर तत्काल प्रभाव से निष्क्रिय करने का आदेश दिया है। ऐसे शिक्षक जामताड़ा में 11, नारायणपुर में 33, नाला में 10, कुंडहित 11, करमाटांड़ में 21 व फतेहपुर में 16 हैं।

बता दें कि फर्जी, गैर मान्यता प्राप्त संस्थानों से शैक्षणिक- प्रशैक्षणिक प्रमाण पत्र प्राप्त से 102 सहायक

अध्यापक जिले के विभिन्न स्कूलों में पठन-पाठन कार्य में जुटे थे। राज्य मुख्यालय के आदेश के बाद उनके प्रमाण पत्र की जांच की गई।

इसमें उनका प्रमाण पत्र फर्जी पाया और जून में इन शिक्षकों का मानदेय रोक दी गई है। पठन पाठन कार्य से अलग रहने को कहा गया था। बावजूद सभी स्कूल में नियमित कार्य कर रहे थे। इसकी लगातार शिकायत मिलने पर डीएसई ने सख्त कत उठाया है।

राज्य के 79 सरकारी आईटीआई का होगा अपग्रेडेशन, झारखंड सरकार एडीबी के साथ राज्य में औद्योगिक परिवेश को देगी बढ़ावा, नीति आयोग से भी प्रोजेक्ट मंजूर, 1079 करोड़ होंगे खर्च

रांची, एजेंसी। राज्य में औद्योगिक परिवेश को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार 79 सरकारी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट (आईटीआई) को अपग्रेड करेगी। एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) के साथ मिलकर राज्य सरकार करेगी यह काम करेगी। इस पर करीब 1079 करोड़ रुपए खर्च होने की संभावना है। इसमें 70 प्रतिशत राशि एडीबी और 30 प्रतिशत राशि राज्य सरकार खर्च करेगी। एडीबी से करीब 755 करोड़ रुपए मिलेंगे। राज्य सरकार की हिस्सेदारी करीब 324 करोड़ रुपए की रहेगी। इस परियोजना के लिए केंद्र सरकार एवं एशियन डेवलपमेंट बैंक ने सैद्धांतिक सहमति दे दी है। एडीबी द्वारा पूरी कार्ययोजना को जारी करने के बाद इस पर काम शुरू हो जाएगा।

श्रम विभाग झारखंड स्किल डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के तहत इस पर काम करेगा। प्राप्त जानकारी के मुताबिक इन सभी आईटीआई की भौतिक (फिजिकल) स्थिति, इंफ्रास्ट्रक्चर और पढ़ाई के स्तर को बढ़ाया जाएगा। इसमें इंडस्ट्रियल क्लस्टर-बेस्ड अप्रोच का इस्तेमाल करके छह मॉडल आईटीआई तैयार होंगे। अप्रेंटिसशिप, ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग एंटरप्रेन्योरियल इमर्शन प्रोग्राम के जरिए काम पर आधारित लर्निंग भी होगी। ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म और जॉब पोर्टल सहित लर्निंग के लिए डिजिटल रिसोर्स भी बनेंगे।

क्या होगा फायदा

01. सरकार अपने स्किल डेवलपमेंट इकोसिस्टम को, युवाओं की उम्मीदों और रोजगार के नतीजों को बेहतर बनाएगी।

02. बेहतर गवर्नेंस, डेटा-ड्रिवन प्लानिंग व प्रोएक्टिव गैप की पहचान के जरिए स्किल

डेवलपमेंट को मॉडर्न बनाया जाएगा।

03. मार्केट-ड्रिवन स्किलिंग, रीस्किलिंग और अपस्किलिंग प्रोग्राम के जरिए स्किल्ड वर्कफोर्स पाइपलाइन को मजबूत

किया जाएगा।

04. लीडरशिप डेवलपमेंट व एडवांस्ड स्किलिंग के लिए इंस्टिट्यूट फॉर एडवांस्ड

6 मॉडल आईटीआई को किया जाएगा विकसित

01. सरकार अपने स्किल डेवलपमेंट इकोसिस्टम को, युवाओं की उम्मीदों और रोजगार के नतीजों को बेहतर बनाएगी।

02. बेहतर गवर्नेंस, डेटा-ड्रिवन प्लानिंग व प्रोएक्टिव गैप की पहचान के जरिए स्किल डेवलपमेंट को मॉडर्न बनाया जाएगा।

03. मार्केट-ड्रिवन स्किलिंग, रीस्किलिंग और अपस्किलिंग प्रोग्राम के जरिए स्किल्ड वर्कफोर्स पाइपलाइन को मजबूत

किया जाएगा।

04. लीडरशिप डेवलपमेंट व एडवांस्ड स्किलिंग के लिए इंस्टिट्यूट फॉर एडवांस्ड स्किलिंग एंड टीचर ट्रेनिंग पर काम होगा।

इस प्रोजेक्ट का मकसद झारखंड के सरकारी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूशंस का अपग्रेडेशन, एशियन डेवलपमेंट बैंक के साथ मिलकर झारखंड के स्किल डेवलपमेंट इकोसिस्टम को बेहतर बनाना है। प्रोजेक्ट के मुख्य कामों में इंस्टिट्यूट फॉर एडवांस्ड स्किलिंग एंड टीचर ट्रेनिंग (आईएएसटीटी) बनाना, 6 मॉडल आईटीआई बनाना, 74 मौजूदा आईटी को अपग्रेड करना और डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म शुरू करना शामिल है। यह प्रोजेक्ट झारखंड के लिए एक भविष्य आधारित मानव क्षमता विकसित करने की कोशिश करता है।

जून में हो चुका है स्थल निरीक्षण : झारखंड स्किल डेवलपमेंट प्रोजेक्ट से इस कार्यक्रम का अनुमोदन पहले ही हो चुका है। शुरुआती प्रोजेक्ट रिपोर्ट पर वित्त विभाग की भी सहमति प्राप्त है। इसके बाद नीति आयोग ने भी इसे मंजूरी दे दी है। स्किल डेवलपमेंट और एंटरप्रेन्योरशिप मंत्रालय से अनुमोदन मिल चुका है। इसी साल जनवरी माह में एडीबी के कॉस्ट शेयरिंग स्ट्रक्चर को 70% और राज्य सरकार का 30% किया गया।

नहीं भटकेगा पढ़ाई से मन, इन टिप्स को अपनाएं

इसमें कोई दो राय नहीं कि पढ़ाई से मन आसानी से भटक जाता है और एकाग्रता की कमी बडी समस्या बन जाती है। एकाग्रता यानी आप अपने मन और दिमाग को बाकी चीजों से दूर कर एक समय में एक ही जगह लगाए। लेकिन यह बहुत मुश्किल काम है। आप अपने आसपास की चीजों से प्रभावित होते ही है। वहीं छात्रों को पढ़ाई पर ध्यान लगाना और ज्यादा कठिन हो जाता है। इससे तनाव भी बढ़ जाता है। एकाग्रता बढ़ाना बहुत आसान तो नहीं लेकिन अगर आप निश्चय कर लें तो यह संभव है। यहां हम ऐसे टिप्स बता रहे हैं जिससे आप एकाग्रता को बढ़ा सकते हैं और किसी भी तरह के तनाव से दूर रहे सकते हैं

- आप मन-मस्तिष्क के लिए आसपास का माहौल बहुत महत्वपूर्ण होता है। एकाग्रता बढ़ाने के लिए माहौल अच्छा होना जरूरी है जिससे आपका मन भटकने से बचता है। इसलिए यही कोशिश करें कि आप पढ़ाई के लिए आरामदायक और शांतिपूर्ण माहौल चुने।
- पहली बार तो यह है कि अगर आप पढ़ाई करने बैठे हैं तो आपको मालूम होना चाहिए कि आप क्या पढ़ाना चाह रहे हैं। इसके लिए पहले से ही अपनी पढ़ाई का खाका तय कर लें। इससे आपके मन में और कोई विचार नहीं आएगा और आपका मन पढ़ाई में लगेगा।
- एकाग्रता में सबसे ज्यादा दखल विचारों की होती है। मन के भटकने का एक कारण विचारों की अधिकता भी है। इसलिए जब पढ़ाई करने समय आपको लगे कि आपके दिमाग में दूसरी चीजें आ रही हैं तो इस बात को लेकर सजग हो जाएं कि आपको अपना ध्यान नहीं भटकाना है। एक बार आप इस बात को लेकर कांशस हो जाएंगे तो एकाग्र होने में मदद मिलेगी।
- अगर आप पढ़ाई के लिए एकाग्र मन चाहते हैं तो जरूरी है कि आपकी स्टडी प्लॉन्ड हो। अगर आप योजना के साथ पढ़ाई करने बैठेंगे तो आसानी होगी। इससे आपकी पढ़ाई और समय के बीच एक अच्छा संतुलन बन जाता है और आप अपनी पढ़ाई पर ज्यादा गंभीरता से ध्यान दे पाते हैं।
- मन तब ज्यादा भटकता है जब आप एक जगह नहीं बैठते। इसलिए एकाग्र मन के लिए आपको बैठने की एक जगह सुनिश्चित कर लेनी चाहिए। यह दृढ़ हो जाए कि आप अपनी पढ़ाई पूरी किए बिना सीट से नहीं उठेंगे।
- बहुत जरूरी है कि आप जहां भी बैठे हो वहां साफ-सफाई होनी चाहिए। अगर वहां बिखराव होगा तो आपका मन भी भटकेगा और ध्यान नहीं लगा पाएंगे।
- एक बहुत जरूरी टिप यही है कि आपको पहले तो शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए। अच्छा व्यायाम और पौष्टिक आहार न केवल आपकी एकाग्रता को बढ़ाता है बल्कि आपके शरीर को भी स्वस्थ रखता है। इससे शरीर से आलस और थकान दूर होती है।

कजाकिस्तान में सस्ती है एमबीबीएस की पढ़ाई

हर साल भारत का करीब 25 हजार युवा छात्र विदेश की टॉप यूनिवर्सिटीज के एमबीबीएस प्रोग्राम्स में एडमिशन लेते हैं। क्योंकि भारत में काउंसिलिंग प्रोसेस पूरा होने के बाद अधिकतर छात्रों, जिनको भारत में सीट नहीं मिलती है वह विदेशी यूनिवर्सिटी का रुख करते हैं।

हर साल भारत का करीब 25 हजार युवा छात्र विदेश की टॉप यूनिवर्सिटीज के एमबीबीएस प्रोग्राम्स में एडमिशन लेते हैं। क्योंकि भारत में काउंसिलिंग प्रोसेस पूरा होने के बाद अधिकतर छात्रों, जिनको भारत में सीट नहीं मिलती है वह विदेशी यूनिवर्सिटी का रुख करते हैं। लेकिन इस साल भारत में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी वाला मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित रहा। जिसके कारण 50 दिन बर्बाद हो गए हैं। वहीं जून-जुलाई में विदेशी यूनिवर्सिटीज की एडमिशन प्रक्रिया शुरू हो जाती है। जो बिना किसी रुकावट के सुचारू रूप से चलती रहती है। वहीं इस साल भी विदेश से एमबीबीएस करने के लिए भारत से बड़ी संख्या में छात्रो ने रजिस्ट्रेशन करवा लिया है।

वहीं बाकी के छात्र एमबीबीएस काउंसिलिंग पूरा होने का इंतजार कर रहे हैं। भारत में आई अनिश्चितता से अंतराष्ट्रीय यूनिवर्सिटीज एडमिशन प्रोसेस की डेट्स में बदलाव नहीं करेंगे। इसलिए भारत में नीट परीत्रा पास कर चुके छात्रों के पास अब एक ही ऑप्शन बचा है कि वह एमबीबीएस काउंसिलिंग राउंड में हिस्सा लेकर विदेशी यूनिवर्सिटी में एमबीबीएस के लिए अपनी सीट आरक्षित करें। इससे अगर आपको भारत में सीट नहीं मिली तो कम से कम आपका साल बर्बाद नहीं होगा और विदेश में एमबीबीएस के लिए सीट मिल जाएगी। क्योंकि कजाकिस्तान, जॉर्जिया, चीन और रूस आदि देशो में अधिकतर यूनिर्वसिटी वीजा जारी करने से पहले ट्यूशन फीस का भुगतान नहीं लेतीं।

विदेश में एमबीबीएस

हर मेडिकल स्टूडेंट को नेशनल एग्जिट टेस्ट देना अनिवार्य है। इसका मतलब यह हुआ कि भले ही आप एम्स में पढ़ाई कर रहे हों, या किसी डीम्ड यूनिवर्सिटी में या फिर विदेश से स्नातक हों। प्रैक्टिस करने का लाइसेंस पाने के लिए सभी डॉक्टरों को भारत में NExT लाइसेंस परीक्षा पास करनी होगी। NMC भारत और विदेश से स्नातक करने वालों को एक समान मानता है। ऐसे में भारत में प्रबंधन/एमबीबीएस सीटों के लिए छात्र भारी फीस क्यों चुकाए। क्योंकि भारत में 1 करोड़ रुपए लागत वाली सीट भी प्रैक्टिस के लिए लाइसेंस नहीं दे सकती है। ऐसे में यहां पर सरकारी सीट के लिए एमसीसी काउंसलिंग से गुजरने और विदेश में कम फीस वाले शीर्ष रैंक कॉलेज में अपनी सीट आरक्षित करने के ऑप्शन को चुनना चाहिए।

जल्दबाजी में न लें एडमिशन

एडमिशन लेना सिर्फ आधे काम को पूरा करना है। स्नातक स्तर पर पाठ्यक्रम के अंत में जब स्टूडेंट वापस भारत आता है, तो उनको FMGE की जगह NExT की परीक्षा देनी होती है। पिछले 10 सालों में लाइसेंस परीक्षा FMGE के रिजल्ट परिणाम साफ दिखाते हैं कि एमबीबीएस में एडमिशन लेने में कोई समस्या नहीं है। लेकिन असल समस्या बाहर निकलने के बाद है। हालांकि स्थानीय सलाहकार छात्रों को सिर्फ एमबीबीएस में प्रवेश प्रदान करते हैं, बाहर निकलने का कोई समाधान नहीं है। ऐसे में आपको उन पेशेवर प्रदाताओं के पास जाने की जरूरत है, तो न सिर्फ आपको एडमिशन दे सकते हैं, बल्कि आपको NExT/USMLE जैसी लाइसेंस परीक्षाओं में मंजूरी की गारंटी भी दे सकते हैं।

कजाकिस्तान की कोक्शेताउ स्टेट यूनिवर्सिटी

कजाकिस्तान में एमबीबीएस के लिए कोक्शेताउ स्टेट यूनिवर्सिटी एकमात्र ऐसी यूनिवर्सिटी है, जो भारतीय छात्रों के लिए एकीकृत NExT बैच के कारण भारत में लाइसेंस के लिए गारंटी प्रदान करता है। वर्तमान समय में इस यूनिवर्सिटी में करीब 1,000 स्टूडेंट्स पढ़ाई कर रहे हैं। वहीं यहां पर NExT में 100% उत्तीर्ण अनुपात के साथ ही सफलता की वजह एमबीबीएस कोर्स में एकीकृत 6 साल की NExT कोचिंग है। यह यूनिवर्सिटी पहले साल से ही छात्रों को NExT की तैयारी करवाना शुरू कर देती है। वहीं हर सेमेस्टर के आधार पर विश्वविद्यालय द्वारा उनका मूल्यांकन किया जाता है। यूनिवर्सिटी में पहले 150 स्टूडेंट्स को 100% स्कॉलरशिप के साथ यह पाठ्यक्रम प्रदान किया जाता है।

बता दें कि अगर आपका नीट स्कोर 500 से कम है, और एमबीबीएस कोर्स का बजट 40 लाख से रुपए से कम है। तो आपको प्लान बी के तहत विदेश से एमबीबीएस करना चाहिए। वरना आप NEET में फिर से एग्जाम देकर अपना एक साल और बर्बाद करेंगे।

आपको किसी ऐसे एमबीबीएस पाठ्यक्रम में प्रवेश नहीं लेना चाहिए, जो NExT/USMLE जैसी लाइसेंसी परीक्षाओं के लिए छात्रों को न तैयार करता हो। क्योंकि बिना लाइसेंस के भारत में डॉक्टर बनने की संभावना बेहद कम है। अगर आप न्यूरोलॉजिस्ट, त्वचा रोग विशेषज्ञ या हृदय रोग विशेषज्ञ आदि बनना चाहते हैं, तो आपको शुरूआत से ही USMLE की तैयारी करनी चाहिए।

वर्तमान समय में देखा जाए तो कजाकिस्तान में एमबीबीएस करना सबसे अच्छा और सबसे सस्ता विकल्प है। आप कजाकिस्तान के शीर्ष रैंक वाले सरकारी कॉलेज कोक्शेताउ स्टेट यूनिवर्सिटी में इंटीग्रेटेड एनईएक्सटी प्रोग्राम में एडमिशन ले सकते हैं। यहां पर आप NExT की भी तैयारी कर लेंगे। भारत से पहले 150 आवेदकों को इस यूनिवर्सिटी में NExT कोचिंग निःशुल्क यानी की फ्री में कराई जाती है। वहीं अगर आपका बजट अधिक यानी की 45 लाख रुपए के आसपास है। तो आप जॉर्जिया में एमबीबीएस, संयुक्त राज्य अमेरिका में पीजी के लिए जॉर्जिया विश्वविद्यालय में एकीकृत अमेरिकी कार्यक्रम के लिए आवेदन कर सकते हैं।

जबरदस्त करियर का नया रास्ता, मैनेजमेंट में करें पीएचडी

प्रबंधन यानी मैनेजमेंट में पीएचडी छात्रों के बीच लोकप्रिय ऑप्शन है। यह एक प्रतिष्ठित डिग्री आपका प्रोफेशनल प्रोफाइल बेहतर बनाती है। इंडस्ट्री और शिक्षा क्षेत्र में लीडरशिप रोल के लिए इसमें कई बेहतर मौके मौजूद हैं। अगर करियर में सुधार चाहते हैं तो यह डिग्री आपके लिए सही हो सकती है। बिजनेस और मैनेजमेंट की दुनिया में आजकल ज्यादा पढ़ाई करना जरूरी है। बहुत सारे स्टूडेंट्स मैनेजमेंट में पीएचडी करने में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि यह कोर्स अपने क्षेत्र के बारे में गहरी जानकारी देता है। अगर आप ऐसे में भविष्य में कामयाब होना चाहते हैं, तो मैनेजमेंट पीएचडी करना आपके लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है। मैनेजमेंट में पीएचडी करने के बाद आपके पास बहुत सारे अच्छे जॉब के मौके होंगे।

मैनेजमेंट पीएचडी करके छात्र अपनी यूनिवर्सिटी में लेक्चरर, पॉलिसी एनालिस्ट, स्ट्रेटेजिक मैनेजर, मार्केट रिसर्च एनालिस्ट, मैनेजमेंट कंसल्टेंट, चीफ एक्जीक्यूटिव, ऑफिसर, क्वांटिटेटिव एनालिस्ट और बिजनेस डेवलपमेंट मैनेजर जैसे पदों पर काम कर सकते हैं। यह डिग्री आपको पढ़ाने और नौकरी, दोनों ही क्षेत्रों में काम करने का मौका देती है और जॉब की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। मैनेजमेंट पीएचडी कोर्स पूरी दुनिया में मान्य है और आप बड़ी-बड़ी अंतरराष्ट्रीय कंपनियों में काम करने के लिए योग्य बन जाते हैं। इस कोर्स से आप एक अच्छे विचारक, समस्याओं का हल निकालने वाले, बेहतर निर्णय लेने वाले और कुशल योजनाकार बनते हैं। इसके साथ आप मैनेजमेंट, काम सौंपने, बातचीत करने और मुश्किल व्यावसायिक परिस्थितियों को संभालने में भी माहिर बनते हैं।

बढ़ रही है मैनेजमेंट में पीएचडी की मांग

कोविड-19 महामारी ने दुनियाभर में उथल-पुथल के बाद दुनिया ने ऐसे लीडर्स की जरूरत महसूस की जो मुश्किल समय में भी सही फैसले ले सकें। मैनेजमेंट में पीएचडी से न सिर्फ छात्र, बल्कि उन कंपनियों को भी फायदा मिलता है जिन्हें अनिश्चित समय में नेतृत्व करने वाले कर्मचारियों की जरूरत है और नए जमाने की प्रतिभा रणनीतियों को लागू कर सकें।

शोध और नवाचार

पीएचडी प्रोग्राम शोध और नवाचार को बढ़ावा देते हैं। स्टूडेंट्स को नए विचारों पर काम करने, नई रणनीतियां बनाने के साथ मैनेजमेंट के क्षेत्र में अपने ज्ञान का योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। आज के समय की व्यावसायिक चुनौतियों का सामना करने और प्रगति करने के लिए रिसर्च करना बहुत जरूरी है।

शैक्षणिक संस्थानों और इंडस्ट्री के बीच सहयोग

ज्यादातर मैनेजमेंट पीएचडी प्रोग्राम शैक्षणिक संस्थानों और उद्योगों के बीच सहयोग पर जोर देते हैं। इससे यह सुनिश्चित होता है कि छात्रों को प्रैक्टिकल जानकारी और असल दुनिया का अनुभव दोनों मिलें, जिससे उनकी रिसर्च प्रासंगिक और प्रभावशाली बने। इससे थ्योरी ज्ञान और प्रैक्टिकल उपयोग के बीच की खाई को पाटने में भी मदद मिलती है।

क्या पीएचडी करना आपके लिए सही है?

पीएचडी में दाखिला लेने से पहले, यह सोचने की जरूरत है कि क्या यह आपके करियर के लक्ष्यों के हिसाब से सही है। पीएचडी प्रोग्राम काफी कठिनाई भरे हो सकते हैं। इसके लिए पूरी लगन और रिसर्च के प्रति जुनून की जरूरत होती है। अगर आप हमेशा खुद को बेहतर बनाते रहने और करियर को आगे बढ़ाने में यकीन करते हैं, तो मैनेजमेंट में पीएचडी आपके लिए सटीक कदम है। मैनेजमेंट में पीएचडी धीरे-धीरे छात्रों के बीच लोकप्रिय हुआ है। यह प्रतिष्ठित डिग्री आपके प्रोफेशनल प्रोफाइल को बेहतर बनाती है। आज के समय में, जब कंपनियां अच्छी तरह से प्रशिक्षित लोगों की तलाश कर रही हैं, तब यह डिग्री अच्छी नौकरियां व करियर में तरक्की दिलाने में सक्षम है।

नई टेक्नोलॉजी के आने से तेजी से विकसित हुई है भारत में टेक्सटाइल इंडस्ट्री

भारत में टेक्सटाइल इंडस्ट्री ने देश की नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है, इसे देश के सबसे पुराने इंडस्ट्री में से एक माना जाता है। भारत में पहले सिर्फ फैब्रिक प्रोडक्शन किया जाता था, लेकिन अब नई टेक्नोलॉजी के आने से यह तेजी से विकसित हुई है।

किसी भी देश व सभ्यता के विकास में टेक्सटाइल इंडस्ट्री का बहुत बड़ा योगदान होता है। भारत में भी यह इंडस्ट्री देश की नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है, इसे देश के सबसे पुराने इंडस्ट्री में से एक माना जाता है। भारत में पहले सिर्फ फैब्रिक प्रोडक्शन किया जाता था, लेकिन अब नई टेक्नोलॉजी के आने से यह तेजी से विकसित हुई है। अब यह इंडस्ट्री रिसर्च, डेवलपमेंट, मेन्युफैक्चरिंग और मर्केंडाइजिंग जैसी कई श्रेणियों में काम कर रही है। जिसके कारण इसमें जॉब के अवसर भी पहले की अपेक्षा अब तेजी से बढ़ रहे हैं। टेक्सटाइल सेक्टर में रंग, वस्त्र फाइबर, मशीनरी और उत्पाद, कपड़ा और परिधान प्रक्रियाओं को डिजाइन और नियंत्रित करने की प्रक्रिया शामिल है। जिसमें फैशनेबल कपड़ों की मांग को ध्यान में रखते हुए, बहुत ज्यादा रिसर्च, क्रिएटिविटी और इनोवेशन की जरूरत होती है। इसमें टेक्सटाइल इंजीनियरिंग की यह शाखा उन सिद्धांतों का भी अध्ययन करती है जो कपड़ा फाइबर के निर्माण में पॉलिमर का विश्लेषण करते हैं। जिनका उपयोग सभी प्रकार के यार्न और टेक्सटाइल कपड़ों के निर्माण में किया जाता है। कपड़ा इंजीनियरिंग में, कपड़े को आकर्षक और फैशनेबल बनाने पर जोर दिया जाता है। इसके लिए टेक्सटाइल इंजीनियर को काफी रिसर्च और एक्सपेरिमेंट करना पड़ता है। टेक्सटाइल इंजीनियर को नवाचार, अनुसंधान और रचनात्मकता जैसे कौशल की आवश्यकता होती है।

किस तरह का कोर्स करें

अगर आप टेक्सटाइल इंडस्ट्री में करियर बनाना चाहते हैं तो आपको 12वीं में फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ्स या बायोलॉजी जैसे विषय में पढ़ाई करनी होगी। इसके बाद टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी में बीई या बीटेक, टेक्सटाइल डिजाइनिंग में बीए, टेक्सटाइल डिजाइन में बीएससी, बैचलर ऑफ डिजाइन, डिप्लोमा इन टेक्सटाइल मेन्युफैक्चर या टेक्सटाइल केमिस्ट्री में बीटेक कर सकते हैं। वहीं आप इन कोर्सेज में एडवांस्ड डिप्लोमा, एमईए एमटेक और उसके बाद पीएचडी भी कर सकते हैं।

जॉब प्रोफाइल क्या है

टेक्सटाइल इंडस्ट्री में आप कई जॉब प्रोफाइल पर रहकर कार्य कर सकते हैं। जिसमें मुख्य रूप से प्रोडक्शन कंट्रोल, प्रोडक्ट रिसर्च एंड डेवलपमेंट, इंजीनियरिंग प्रोसेस, सेल्स, कॉर्पोरेट मैनेजमेंट, सुपरविजन आदि डिपार्टमेंट्स में काम कर सकते हैं। एक टेक्सटाइल इंजीनियर आम तौर पर इंजीनियरिंग प्रोसेस से जुड़ा होता है, जबकि अपैरल और गारमेंट्स की डिजाइनिंग और मेन्युफैक्चरिंग के लिए काम करने वाले प्रोफेशनल्स प्रोडक्ट रिसर्च एंड डेवलपमेंट डिपार्टमेंट में काम करते हैं। अगर आप इस फील्ड में जाना चाहते हैं तो आपके अंदर कई स्किल का होना जरूरी है। जिसमें मुख्य रूप से कम्युनिकेशन स्किल्स, कम्प्यूटर स्किल्स, एनालिटिकल स्किल्स और प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स होनी जरूरी हैं। इसके अलावा उनमें चीजों की बारीकियों पर ध्यान देने की क्षमता, लॉजिकल थिंकिंग और क्रिएटिविटी होनी भी जरूरी है।

करियर की संभावनाएं

इस क्षेत्र में करियर की अपार संभावनाएं है। कोर्स पूरा होने के बाद आप टेक्सटाइल मिल्स, एक्सपोर्ट हाउसेज, निटवेयर मेन्युफैकचरिंग यूनिट्स, टेक्सटाइल डाइंग एंड प्रिंटिंग यूनिट्स में काम कर सकते हैं। इसके अलावा आप सरकार द्वारा प्रायोजित अथवा निजी सिल्क, हैंडलूम, जूट, खादी, क्राफ्ट डेवलपमेंट संस्थानों में काम कर सकते हैं। आप फैशन रीटेलर्स डिजाइन स्टूडियोज और बड़ी टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज जैसे में भी काम कर सकते हैं।

सैलरी

टेक्सटाइल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा व डिग्री के बाद आप फ्रेशर के तौर पर अगर आप नौकरी करना चाहते हैं तो 30 से 45 हजार रूपये का शुरुआती वेतन आसानी से मिल जाता है। अनुभव के बाद, आप प्रति माह 50 हजार से एक लाख तक कमा सकते हैं। अगर आपने आईआईटी से टेक्सटाइल इंजीनियरिंग में बीटेक किया है, तो आपको शुरुआती वेतन काफी आकर्षक लग सकता है।

अडानी समूह ने बनाई 2 और कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। गौतम अडानी समूह की कंपनी- अडानी ग्रीन एनर्जी ने क्लीन एनर्जी उत्पादन और वितरण के लिए दो कंपनियां बनाई है। अडानी ग्रीन एनर्जी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडयरी कंपनी अडानी सौर ऊर्जा लिमिटेड (एएसयूकेएएल) ने गुजरात में दो पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनियां अडानी हाइड्रो एनर्जी

थर्टीन (एएचई13) और अडानी हाइड्रो एनर्जी सिक्सटीन (एएचई16) स्थापित की हैं। कंपनी ने कहा कि एएचई13एल और एएचई16एल का मुख्य उद्देश्य विंड एनर्जी, सोलर एनर्जी या अन्य रिन्यूएबल सोर्सेज से किसी भी प्रकार की विद्युत ऊर्जा का उत्पादन, विकास, रूपांतरण, वितरण, बिक्री और आपूर्ति करना है।
अडानी ग्रीन के शेयर की बात करें तो शुक्रवार को यह बिकवाली मोड में था। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यह शेयर 2.79 प्रतिशत टूटकर 1029.75 रुपये पर बंद हुआ। शेयर का ट्रेडिंग रेंज 1062.60 रुपये से 1029.75 रुपये के बीच रहा। शेयर का 52 वीक हाई 1,445 रुपये और 52 वीक लो 758 रुपये है।

कैसे रहे तिमाही नतीजे

चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड का नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 28 प्रतिशत बढ़कर 644 करोड़ रुपये हो गया। इससे पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की जुलाई-सितंबर अवधि में कंपनी ने 515 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया था। इस अवधि के दौरान बिजली आपूर्ति से कंपनी का राजस्व सालाना आधार पर 2,308 करोड़ रुपये से बढ़कर 2,776 करोड़ रुपये हो गया। इस

मीशो के आईपीओ का इंतजार खत्म

कब तक शेयर बाजार में लिस्ट होगी कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। ई-कॉमर्स दिग्गज मीशो आईपीओ मार्केट में एंट्री के लिए तैयार है। अगर सबकुछ ठीक रहा तो दिसंबर के महीने में आईपीओ की लॉन्चिंग हो सकती है। उद्योग जगत के एक सूत्र ने मनीकंट्रोल को बताया कि रोड शो और निवेशकों के साथ चर्चा के बाद मीशो ने अब मूल्यांकन तय कर लिया है और

जल्द ही लिस्टिंग के लिए तैयार है।
एक अन्य सूत्र ने कहा कि मीशो दिसंबर की शुरुआत में अपना आईपीओ लॉन्च करने की योजना बना रही है। इसने जुलाई में गोपनीय तरीके से सेबी के पास ड्राफ्ट पेपर दाखिल किए थे, जिसके बाद 18 अक्टूबर को यूडीआरएचपी-1 (अपडेट ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस) दाखिल किया गया था। यूडीआरएचपी-2 जल्द ही दाखिल किया जाएगा।

क्या है आईपीओ डिटेल

मीशो ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये 4,250 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बनाई है।

पैसा ही पैसा...28 का शेयर मचा रहा गदर

5 साल में दिया 56,000 प्रतिशत का तूफानी रिटर्न

नई दिल्ली, एजेंसी। इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रीज के शेयर में बीते शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन 5 प्रतिशत का ऊपरी सर्किट लगा। यह 28.09 रुपये पर पहुंच गया। कंपनी ने अगले हफ्ते 28 नवंबर को फंड जुटाने पर विचार करने की घोषणा की है। इसके बाद इसमें उछाल आया है। यह लगातार पांचवां कारोबारी सत्र था जब शेयर में तेजी देखी गई। यह स्मॉल-कैप स्टॉक पिछले पांच सालों में 56,000 प्रतिशत का मल्टीबैगर रिटर्न दे चुका है। हालांकि, हाल के दिनों में इसका प्रदर्शन मिला-जुला रहा है। पिछले एक साल में शेयर में 30 प्रतिशत की गिरावट आई है। लेकिन, पिछले छह महीनों में 11 प्रतिशत, तीन महीनों में 41 प्रतिशत और एक महीने में 13 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रीज ने एक्सचेंज को सूचित किया है कि उसके निदेशक मंडल की बैठक 28 नवंबर, 2025 को शुक्रवार को होगी। इस बैठक में इक्विटी शेयर या इक्विटी में बदलने योग्य वारंट जारी करके फंड जुटाने के प्रस्ताव

का मूल्यांकन किया जाएगा। यह फंड जुटाना आवश्यक नियामक और शेयरधारक की मंजूरी के अधीन, तरजीही आवंटन सहित अनुमत माध्यमों से किया जा सकता है। कंपनी ने अपनी एक्सचेंज फाइलिंग में कहा, बोर्ड फंड जुटाने की गतिविधियों पर विचार करेगा और अगर उचित समझा गया तो इक्विटी शेयर या इक्विटी शेयरों में बदलने योग्य वारंट जारी करके, जिसमें तरजीही आवंटन भी शामिल है, उन्हें मंजूरी देगा। कंपनी के सितंबर तिमाही के नतीजे काफी शानदार रहे। इस तिमाही में शुद्ध लाभ 29.9 करोड़ रहा, जो पिछले साल की इसी तिमाही) के 14.7 करोड़ की तुलना में 104 प्रतिशत ज्यादा है। वहीं, परिचालन से राजस्व साल-दर-साल 54 प्रतिशत बढ़कर 286.9 करोड़ हो गया, जबकि त्त2स्न्ड्ड25 में यह 186.6 करोड़ था। ई बी आई टी डी ए भी दोगुना होकर 30.7 करोड़ हो गया, जो पिछले साल के 14.7 करोड़ से 109 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। ई बी आई टी डी ए मार्जिन भी 7.9 प्रतिशत से बढ़कर 10.7 प्रतिशत हो गया, जो 284 बेसिस पॉइंट का सुधार है।

सितंबर 2025 को समाप्त हुए छह महीनों के लिए शुद्ध लाभ पिछले साल के 27.4 करोड़ से दोगुना होकर 54.7 करोड़ हो गया। राजस्व 536.7 करोड़ रहा, जो वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही के 326.7 करोड़ से 64 प्रतिशत अधिक है। ई बी आई टी डी ए में 92 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह 56.2 करोड़ हो गया, जबकि पिछले साल यह 29.2 करोड़ था। मार्जिन में भी लगातार सुधार देखा गया।

क्या है कंपनी का बैकग्राउंड

इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रीज की स्थापना 1995 में हुई थी। यह जैविक और अकार्बनिक खाद्य उत्पाद और बेकरी आइटम बनाती है। इसकी सहायक कंपनी नेचर वेल फूड्स की स्थापना 2023 में हुई थी। यह कई ब्रांडों के तहत बिस्कुट और कुकीज का उत्पादन करती है। यह सहायक कंपनी राजस्थान के नीमराणा में एक आधुनिक स्वचालित सुविधा का संचालन करती है। इसकी उत्पादन क्षमता 3,400 टन प्रति माह है।

भूटान के बड़े प्रोजेक्ट पर टाटा ने लगाया दांव

1572 करोड़ रुपये में डील पर मुहर

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा पावर ने एक बड़ी डील की है। कंपनी ने कहा कि उसने भूटान के एक विशेष उद्देशीय कोष (एसपीवी) में 1,572 करोड़ रुपये में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए ड्रुक ग्रीन पावर कॉर्पोरेशन के साथ कॉमर्शियल समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत 1125 मेगावाट की दोर्जिलुंग जलविद्युत परियोजना स्थापित की जानी है। दोर्जिलुंग भूटान की दूसरी सबसे बड़ी पनबिजली परियोजना होगी, और यह देश में अब तक सबसे बड़ी सार्वजनिक-निजी साझेदारी (पीपीपी) वाली परियोजना होगी।

समझौते के तहत टाटा पावर ने तय ढांचे के अनुसार किस्तों में लगभग 1,572 करोड़ रुपये का इक्विटी निवेश करने का वादा किया है। इस रियायती समझौते पर थिम्पू में टाटा पावर के सीईओ और एमडी प्रवीर सिन्हा और ड्रुक ग्रीन पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (डीजीपीसी) के प्रबंध निदेशक दाशो छेवांग रिनजिन ने भूटान के प्रधानमंत्री ल्योंछेन शेरिंग तोबगे की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए। बता दें कि यह परियोजना सितंबर 2031 में चालू होने वाली है, और इसका 80 प्रतिशत उत्पादन भारत को आपूर्ति किया जाएगा। इससे इलाके की ऊर्जा सुरक्षा और साफ बिजली की उपलब्धता को काफी बढ़ावा मिलेगा। इस परियोजना को विश्व बैंक का समर्थन है।

टाटा पावर के शेयर का हाल- टाटा पावर के शेयर की बात करें तो सुस्त पड़ा है और इसका भाव शुक्रवार को 386.95 रुपये है। दिसंबर 2024 में शेयर की कीमत 447.70 रुपये थी।

कैसे रहे तिमाही नतीजे

टाटा पावर को चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के दौरान 1,245 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है, जो पिछले साल की समान तिमाही की तुलना में 14 प्रतिशत अधिक है। कंपनी का कुल राजस्व तीन प्रतिशत बढ़कर 15,769 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। परिचालन लाभ छह प्रतिशत की वृद्धि के साथ 4,032 करोड़ रुपये रहा।

अमेरिकी टैरिफ के दंश से भारत को राहत पहुंचा रहा है चीन

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी टैरिफ के दंश के बीच भारतीय निर्यातकों के लिए एक अच्छी खबर है। भारत का चीन को निर्यात इस वित्त वर्ष के पहले सात महीनों में हर महीने बढ़ा है। अक्टूबर में तो यह 42 प्रतिशत तक बढ़ गया। इससे भारत को अमेरिका द्वारा लगाए गए भारी टैरिफ (शुल्क) के असर को कुछ हद तक कम करने में मदद मिली है।

कितना हो गया निर्यात

इस साल अप्रैल से अक्टूबर के दौरान, चीन को भारत का निर्यात पिछले साल की तुलना में 24.7 प्रतिशत बढ़कर 10.03 बिलियन हो गया। इसमें पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स, टेलीकॉम इंस्ट्रुमेंट्स और मरीन प्रोडक्ट्स सबसे आगे रहे। हालांकि, इस अवधि में भारत का कुल निर्यात सिर्फ 0.63 प्रतिशत ही बढ़ा। एक अधिकारी ने कहा, यह द्विपक्षीय व्यापार के सबसे मजबूत दौरों में से एक है,

खासकर ऐसे समय में जब दुनिया भर में मांग अनिश्चित है और कई बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के निर्यात क्षेत्र सिकुड़ रहे हैं।

लगातार बढ़ रहा है निर्यात- इस साल अप्रैल में चीन को निर्यात 11 प्रतिशत बढ़ा था। जुलाई में यह बढ़कर 28 प्रतिशत और सितंबर में 33 प्रतिशत हो गया। अप्रैल-अक्टूबर के दौरान चीन भारत का चौथा सबसे बड़ा एक्सपोर्ट डेस्टिनेशन था। हालांकि, अक्टूबर में चीन को हुआ मजबूत निर्यात, भारत के कुल निर्यात के प्रदर्शन से अलग है। उस महीने, अमेरिका द्वारा 27 अगस्त से लागू किए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के कारण, भारत का कुल निर्यात 11.8 प्रतिशत घटकर 34.38 बिलियन रह गया।

भारतीय सामानों का सबसे बड़ा आयातक चीन

इस समय चीन भारत के लिए सामान का सबसे बड़ा आयातक बना हुआ है। अप्रैल-अक्टूबर के दौरान चीन से 73.99 बिलियन का सामान भारत आया। इस दौरान चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा (जितना हम खरीदते हैं और जितना बेचते हैं, उसका अंतर) 64 बिलियन रहा।

दुनिया पर महा-संकट... फंसी है कई देशों की गर्दन

दिग्गज अर्थशास्त्री की चेतावनी, सामने सिर्फ 2 रास्ते

नई दिल्ली, एजेंसी। जापान में लंबे समय के लिए कर्ज लेने की लागत ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गई है। इससे देश की वित्तीय स्थिरता, कमजोर होती मुद्रा और वैश्विक बॉन्ड बाजार पर बढ़ते दबाव को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक चार्ट साझा करते हुए चेतावनी दी है। उनके मुताबिक, यह उछाल वैश्विक बाजारों के लिए महत्वपूर्ण मोड़ है। उन्होंने कहा, जापान की 30-वर्षीय यील्ड 3.4 प्रतिशत पर पहुंच गई है - यह एक बड़ा ग्लोबल स्ट्रेस पॉइंट है। अपने कर्ज के स्तर को देखते हुए जापान को या तो मंदी स्वीकार करनी होगी या लंबे समय तक ज्यादा महंगाई का सामना करना पड़ेगा। वहीं, ब्रिटेन की 30-वर्षीय यील्ड 5.4 प्रतिशत पर है। जापान की यील्ड में यह उछाल विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। कारण है कि यह देश लंबे समय से अल्ट्रा-लो ब्याज दरों का ग्लोबल सेंटर रहा है। जापानी सरकारी बॉन्ड (जेजीबी) यील्ड में बढ़ोतरी वैश्विक बाजारों में फैल सकती है। इससे फाइनेंसिंग की लागत बढ़ने के साथ अस्थिरता बढ़ने के आसार हैं।

कर्ज वाले देशों की फंस चुकी है गर्दन- सान्याल का आकलन एक और अहम पैमाने को दर्शाता है। वह यह है कि दुनिया एक ऐसे चरण में प्रवेश कर सकती है जहां सबसे अधिक कर्ज वाले देशों को दर्दनाक विकल्प का सामना करना पड़ेगा। उनके सामने दो विकल्प होंगे। मंदी या लंबे समय

तक चलने वाली महंगाई। कारण है कि उधार लेने की लागत लगातार बढ़ रही है।

जापान में गहराया संकट- जापानी सरकारी बॉन्ड (जेजीबी) की बिकवाली जारी है। इससे 30-वर्षीय यील्ड रिकॉर्ड 3.37 प्रतिशत पर पहुंच गई। यह 3 आधार अंकों की बढ़ोतरी है जो अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। अन्य परिपक्वता अवधि के बॉन्ड पर भी दबाव देखा गया। 20-वर्षीय यील्ड 3.5 आधार अंक बढ़कर 2.85 प्रतिशत हो गई। यह जून 1999 के बाद सबसे अधिक है। 10-वर्षीय यील्ड 3.5 आधार अंक बढ़कर 1.8 प्रतिशत हो गई, जो जून 2008 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। यह तेज उछाल कई जोखिमों का परिणाम है। इनमें जापान का भारी कर्ज, लगातार बढ़ती महंगाई और येन का तेजी से कमजोर होना शामिल है। यह यील्ड उछाल प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची की कैबिनेट की ओर से 21.3 ट्रिलियन येन (135 अरब डॉलर) के एक प्रोत्साहन पैकेज को मंजूरी देने के कुछ दिनों बाद आया है। इस पैकेज का उद्देश्य परिवारों और व्यवसायों को बढ़ती कीमतों से निपटने में मदद करना है। इसमें ऊर्जा सब्सिडी और टैक्स में कटौती शामिल है।

महंगाई जापान में बड़ा मुद्दा- ताकाइची पांच साल में जापान की पांचवीं प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने पिछले महीने पदभार संभाला था। महंगाई से निपटने का वादा किया था।

ब्रिटेन की हालत भी खराब

जापान की यह उथल-पुथल ऐसे समय में आई है जब प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में लंबी अवधि के लिए कर्ज लेने की लागत तेजी से बढ़ रही है। ब्रिटिश 30-वर्षीय गिल्ट यील्ड हाल ही में 5.680 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो 27 साल का ऊंचा स्तर है। यह उछाल कई चिंताओं के कारण है। इनमें ब्रिटेन में लगातार ऊंची महंगाई, सरकारी उधार में बढ़ोतरी, धीमी आर्थिक तरक्की और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से फेडरल रिजर्व पर दबाव के कारण उत्पन्न राजनीतिक अनिश्चितता शामिल है। ब्रिटेन की लंबी अवधि की उधार लागत अब जी7 देशों में सबसे ज्यादा है। सान्याल ने इस बात पर रोशनी डाली कि यह वैश्विक बॉन्ड बाजार पर बढ़ते तनाव का एक हिस्सा है।

डिलीवरी बॉय से कैब ड्राइवर तक

गिग वर्कर्स के लिए कंपनियों को करना होगा ये काम

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में नए लेबर लॉ 21 नवंबर 2025 से लागू हो गए हैं। इसके लागू होने से कर्मचारियों को कई बड़ी सुविधाएं मिलने वाली हैं। इसके तहत गिग वर्कर्स के लिए भी कुछ अहम ऐलान हुए हैं। गिग वर्कर्स में फ्रीलांसर, डिलीवरी बॉय और कैब ड्राइवर्स आते हैं। नए लेबर लॉ के लागू होने से स्विगी, जोमैटो, ब्लिंकिट और जेप्टो जैसी ऑनलाइन फूड डिलीवरी, ई-

कॉमर्स और क्विक-कॉमर्स कंपनियों सहित कई अन्य कंपनियों को अब अपने वार्षिक कारोबार का 2 प्रतिशत तक गिग और प्लेटफॉर्म कर्मचारियों के लिए आवंटित करना होगा।

पहली बार गिग वर्कर्स के लिए हुआ ये काम

बता दें कि सरकार ने पहली बार कानूनों में गिग वर्कर्स, प्लेटफॉर्म वर्कर्स और एग्रीगेटर्स की परिभाषा जोड़ते हुए स्पष्ट किया है कि ये श्रमिक देश के औपचारिक आर्थिक ढांचे का हिस्सा हैं। नए श्रम संहिताओं के तहत सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 को लागू करते हुए मंत्रालय ने घोषणा की कि सभी गिग तथा प्लेटफॉर्म वर्कर्स को अब पीएफ, ईएसआईसी, बीमा और अन्य सुरक्षा लाभों का अधिकार होगा। इससे पहले यह लाभ केवल संगठित क्षेत्र तक सीमित थे, जिसके कारण देश के 80 प्रतिशत से अधिक श्रमिक ऐसे थे जिन्हें सामाजिक सुरक्षा का कोई लाभ नहीं मिलता था।

कंपनियां क्या करेंगी

नए लेबर लॉ के अनुसार, गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों को रोजगार देने वाली एग्रीगेटर कंपनियों को अपने वार्षिक कारोबार का 1-2 प्रतिशत श्रमिकों को देने की आवश्यकता नहीं होगी। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने यह भी बताया कि कंपनियों द्वारा इन श्रमिकों को देय राशि में से गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों के लिए आवंटन की ऊपरी सीमा 5 प्रतिशत होगी। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने अपनी आधिकारिक घोषणा में कहा- एग्रीगेटर्स को वार्षिक टर्नओवर का 1-2 प्रतिशत योगदान देना होगा, जो गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों को भुगतान/देय राशि के 5 प्रतिशत तक सीमित होगा।

2 रुपये से 96 रुपये के पार शेयर, 4700 प्रतिशत की तूफानी तेजी

अब कंपनी को मिला बड़ा सोलर प्रोजेक्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। एडवांस्ड सोलर और क्लीन एनर्जी सॉल्यूशंस बनाने वाली कंपनी सर्वोटेक रिन्यूएबल पावर सिस्टम लिमिटेड को एक और बड़ा ऑर्डर मिला है। सर्वोटेक रिन्यूएबल पावर को ग्राउंड माउंटेड और रूफटॉप ऑन-ग्रिड सोलर प्रोजेक्ट मिला है। कंपनी को मिला यह प्रोजेक्ट 16.31 करोड़ रुपये का है। सर्वोटेक रिन्यूएबल को यह प्रोजेक्ट रेलवे एनर्जी मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड से मिला है। आरईएमसीएल, राइट्स लिमिटेड और रेलवे मिनिस्ट्री का संयुक्त उपक्रम है। सर्वोटेक रिन्यूएबल को पिछले दिनों ही 73.70 करोड़ रुपये का ग्रिड-कनेक्टेड रूफटॉप सोलर प्रोजेक्ट मिला है। कंपनी को यह प्रोजेक्ट न्यू एंड रिन्यूएबल एनर्जी डिवेलपमेंट कॉरपोरेशन ऑफ आंध्र प्रदेश लिमिटेड से मिला है।

4 साल में 4700 प्रतिशत से ज्यादा उछल गए हैं सर्वोटेक रिन्यूएबल के शेयर- स्मॉलकैप कंपनी सर्वोटेक रिन्यूएबल पावर सिस्टम के शेयर पिछले 4 साल में 4700 पर्सेंट से अधिक चढ़ गए हैं। सोलर कंपनी के शेयर 4 नवंबर 2021 को 1.99 रुपये पर थे। सर्वोटेक रिन्यूएबल के शेयर 21 नवंबर 2025 को एनएसई में 96.05 रुपये पर बंद हुए हैं। पिछले तीन साल में सर्वोटेक रिन्यूएबल के शेयर 537 पर्सेंट उछल गए हैं। हालांकि, पिछले एक साल में सर्वोटेक रिन्यूएबल पावर सिस्टम के शेयरों में 44 पर्सेंट से अधिक की गिरावट देखने को मिली है। इस साल अब तक कंपनी के शेयरों में 42 पर्सेंट से ज्यादा की गिरावट आई है। सर्वोटेक रिन्यूएबल के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 189.67 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 95.15 रुपये है।

प्रोजेक्ट में कंपनी को क्या करना होगा

रेलवे एनर्जी मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड से मिले सोलर प्रोजेक्ट में सर्वोटेक रिन्यूएबल को नोएडा में डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड में अलग-अलग कैपेसिटी के ग्राउंड माउंटेड और रूफटॉप सोलर पावर प्लांट्स के डिजाइन, इंजीनियरिंग, सप्लाई, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग और कमीशनिंग का काम करना होगा। इसके अलावा, प्रोजेक्ट में 10 साल के ऑपरेशंस और मेंटीनेंस भी शामिल है।

पूर्व विश्व चैंपियन गोलोवकिन वर्ल्ड बॉक्सिंग के नए अध्यक्ष बने

वॉशिंगटन, एजेंसी। गोलोवकिन ने 2004 में ओलंपिक में रजत पदक जीता था और पेशेवर बनने के बाद वह लंबे समय तक विश्व चैंपियन रहे। उन्होंने 2022 में संन्यास ले लिया था। अब उन्हें नई जिम्मेदारी मिली है। पूर्व विश्व चैंपियन गेनाडी गोलोवकिन विश्व मुक्केबाजी की सर्वोच्च संस्था वर्ल्ड बॉक्सिंग के नए अध्यक्ष चुने गए हैं। कजाकिस्तान के रहने वाले गोलोवकिन को वर्ल्ड

बॉक्सिंग के अध्यक्ष पद के लिए यूनान के हरिलाओस मारिओलिस के खिलाफ चुनाव लड़ने की उम्मीद थी, लेकिन संगठन ने शुक्रवार को कहा कि जांच प्रक्रिया के बाद वह एकमात्र योग्य उम्मीदवार पाए गए हैं। गोलोवकिन ने एक प्रतिनिधि के माध्यम से जारी बयान में कहा, 'मुझे सूचित किया गया है कि अध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल एकमात्र अन्य उम्मीदवार को अयोग्य घोषित कर दिया गया है।' उन्होंने कहा, 'मैं वर्ल्ड बॉक्सिंग के स्वतंत्र जांच पैनल के काम की सराहना करना चाहूंगा, जिसने यह सुनिश्चित करने में मदद की कि सभी चुनाव ओलंपिक खेल में प्रशासन के उच्चतम मानकों के अनुसार निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से हों। कजाकिस्तान के पूर्व मिडिलवेट चैंपियन गोलोवकिन को अध्यक्ष पद की दौड़ में सबसे आगे माना जा रहा था, क्योंकि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के साथ संबंधों को फिर से सुधारने के लिए वर्ल्ड बॉक्सिंग के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया था। गोलोवकिन ने 2004 में ओलंपिक में रजत पदक जीता था और पेशेवर बनने के बाद वह लंबे समय तक विश्व चैंपियन रहे। उन्होंने 2022 में संन्यास ले लिया था।

न्यूजीलैंड - वेस्टइंडीज

न्यूजीलैंड ने तीसरा वनडे 4 विकेट से जीता, वेस्टइंडीज को 3-0 से किया क्लीन स्वीप

हैमिल्टन, एजेंसी। न्यूजीलैंड ने सेडन पार्क में खेले गए तीसरे और अंतिम वनडे मुकाबले में वेस्टइंडीज को 4 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप कर दिया। कीवी तेज गेंदबाज मैट हेनरी को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, लेकिन पूरी टीम 36.2 ओवर में 161 रन पर सिमट गई। रोस्टन चेस ने 51 गेंदों पर 38 रन बनाकर टीम के लिए सबसे बड़ी पारी खेली। जॉन कैंपबेल ने 26 और खैरी पियरे ने नाबाद 22 रन बनाए।

न्यूज़ीलैंड के लिए मैट हेनरी ने शानदार गेंदबाज़ी करते हुए 4 विकेट झटके। जैकब डफी और कप्तान मिचेल सैंटनर ने 2-2 विकेट लिए। टारगेट का पीछा करते हुए न्यूज़ीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। डेवोन कॉन्वे (11), रचिन रविंद्र (14) और विल यंग (3) जल्दी आउट हो गए। लेकिन इसके बाद मार्क चैपमैन (64 रन, 63 गेंद) और माइकल ब्रेसवेल (नाबाद 40 रन, 31 गेंद) ने टीम को संभाला और 30.3 ओवर में लक्ष्य हासिल कर मैच जीत लिया। वेस्टइंडीज़ की ओर से मैथ्यू फोर्ड और जेडन सील्स ने 2-2 विकेट लिए। इससे पहले, न्यूज़ीलैंड ने पहला वनडे 7 रन से और दूसरा वनडे 5 विकेट से जीता था। टी20 सीरीज़ में भी न्यूज़ीलैंड ने वेस्टइंडीज पर 3-1 से कब्ज़ा किया था। अब दोनों टीमें 2 दिसंबर से क्राइस्टचर्च में शुरू होने वाली 3 मैचों की टेस्ट सीरीज़ में आमने-सामने होंगी, जो आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 का हिस्सा है।

महिला टी20 वर्ल्ड कप क्रिकेट फॉर द ब्लाइंड | **ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से रौंदकर**

फाइनल में पहुंची भारतीय महिला टीम

कोलंबो, एजेंसी। भारत ने शनिवार को पी. सारा ओवल में ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से मात देकर महिला टी20 वर्ल्ड कप क्रिकेट फॉर द ब्लाइंड के फाइनल में जगह बना ली है। भारत की जीत में बसंती हंसदा ने अहम भूमिका निभाई, जिन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। ऑस्ट्रेलियाई टीम 37 के स्कोर तक अपने 5 विकेट गंवा चुकी थी। यहां से चानाकन बुआखाओ ने जूली न्यूमैन के साथ टीम को संभाला। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 109 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से बी2 बैटर जूली न्यूमैन ने 25 रन बनाए, जबकि बी3 प्लेयर्स चानाकन बुआखाओ ने 34 और कोर्टनी लुईस ने 14 रन बनाकर स्कोरबोर्ड को आगे बढ़ाया, जिसमें 20 एक्स्ट्रा रन भी शामिल थे। भारत की तरफ से बी2 सिमरनजीत कौर, बी1 जमुना रानी और बी1 अनु कुमारी ने 1-1 विकेट हासिल किया। इसके जवाब में बी3 गंगा कदम ने तेजी से रन जुटाते हुए भारत को शानदार लय दिलाई। उन्होंने बी2 बसंती हंसदा के साथ 11 ओवरों में 93 रन बनाए। बसंती हंसदा 39 गेंदों में 3 चौकों के साथ 45 रन बनाकर रन आउट हुईं। यहां से बी1 स्ट्राइकर करुणा ने सिर्फ 5 गेंदों में 16 रन बनाकर मैच खत्म किया। भारत ने 11.5 ओवरों में मुकाबला अपने नाम कर लिया। भारत की ओर से गंगा कदम 31 गेंदों में 3 चौकों के साथ 41 रन बनाकर नाबाद रहीं।

ऑस्ट्रेलिया की तरफ से बी3 कोर्टनी लुईस और बी3 एडेलिन रो ने 4-4 ओवर गेंदबाजी की, लेकिन विकेट हासिल नहीं कर सकीं। इनके अलावा, चानाकन बुआखाओ ने 3.5 ओवरों में 46 रन दिए, लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी। अब नेपाल और पाकिस्तान के बीच दूसरा सेमीफाइनल तय करेगा कि भारत रविवार को ऐतिहासिक फाइनल में किस टीम से भिड़ेगा। महिला टी20 वर्ल्ड कप क्रिकेट फॉर द ब्लाइंड टूर्नामेंट में छह टीमों ने हिस्सा लिया, जिन्होंने एक ही राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में एक-दूसरे के साथ खेला। टीम इंडिया ने अपने सभी पांच मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह पक्की की।

सिर्फ 2 दिनों में खत्म हुआ पर्थ टेस्ट

एशेज : , ऑस्ट्रेलिया ने 8 विकेट से जीता मुकाबला

पर्थ, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ पर्थ स्टेडियम में खेले गए एशेज सीरीज 2025-26 के पहले मुकाबले को 8 विकेट से अपने नाम कर लिया है। इसी के साथ मेजबान टीम ने 5 मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से लीड बना ली। यह मैच सिर्फ दो ही दिन चला। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। यह टीम 32.5 ओवरों में सिर्फ 172 रन ही बना सकी। इंग्लैंड की ओर से इस पारी में हैरी ब्रूक ने सर्वाधिक 52 रन बनाए, जबकि ओली पोप ने 46 रन की पारी खेली। विपक्षी टीम की तरफ से मिचेल स्टार्क ने 12.5 ओवरों में 58 रन देकर 7 विकेट हासिल किए, जबकि ब्रेंडन डोगेट ने 2 विकेट निकाले। 1 विकेट कैमरून ग्रीन के नाम रहा। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम सिर्फ 132 रन पर सिमट गई। इस पारी में एलेक्स कैरी ने 26 रन की पारी खेली, जबकि कैमरून ग्रीन ने 24 रन टीम के खाते में जोड़े। इंग्लैंड की ओर से कप्तान बेन स्टोक्स ने 6 ओवरों में 23 रन देकर 5 विकेट हासिल किए, जबकि ब्रायडन कार्स ने 3 सफलताएं हासिल कीं। इंग्लैंड ने पहली पारी के आधार पर 40 रन की बढ़त बना कर ली थी। इंग्लैंड ने दूसरी पारी में 164 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 205 रन का लक्ष्य दिया। इंग्लैंड की दूसरी पारी में गस एटकिंसन ने सर्वाधिक 37 रन बनाए, जबकि ओली पोप ने 33 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। इनके अलावा, बेन डकेट ने 28 रन की पारी खेली। मिचेल स्टार्क और ब्रेंडन डोगेट ने इस पारी में 3-3 विकेट निकाले, जबकि स्कॉट बोलैंड ने 4 विकेट हासिल किए। सिर्फ 5 सेशन में 30 विकेट गिर चुके थे। यहां से लगा कि ऑस्ट्रेलिया के लिए 205 रन तक पहुंचना आसान नहीं होगा, लेकिन सलामी जोड़ी ने मेजबान टीम को शानदार शुरुआत दिलाते हुए जीत की नींव रखी। ट्रेविस हेड ने जैक वेदरलैंड के साथ 11.3 ओवरों में 75 रन जुटाए। वेदरलैंड 34 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद मार्नस लाबुशेन ने ट्रेविस हेड के साथ मिलकर शतकीय साझेदारी करते हुए ऑस्ट्रेलिया को जीत की दहलीज तक पहुंचाया। हेड 83 गेंदों में 4 छक्कों और 16 चौकों के साथ 123 रन बनाकर आउट हुए, जबकि लाबुशेन ने नाबाद 51 रन की पारी खेली।

माहित ने बधिर ओलंपिक में जीता अपना दूसरा स्वर्ण

- **50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में शीर्ष पर रहीं**

टोक्यो, एजेंसी। माहित ने फाइनल तक पहुंचने के दौरान बधिर खेलों का नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने क्वालिफाइंग दौर में 585 अंक बनाए और शीर्ष पर रहते हुए फाइनल में प्रवेश किया। भारत की माहित संधू ने बधिर ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन जारी रखा। माहित ने टोक्यो में चल रहे बधिर ओलंपिक खेलों की निशानेबाजी प्रतियोगिता में महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में स्वर्ण पदक जीता जो उनका चौथा पदक है। माहित ने 45 शॉट के बाद कुल 456.0 अंक हासिल कर बधिर ओलंपिक खेलों का अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीता। दक्षिण कोरिया की डैन जियोंग ने 453.5 अंक के साथ रजत और हंगरी की मीरा ज़ुज़ाना बियातोव्स्की ने 438.6 अंक के साथ कांस्य पदक जीता।

बनाया बधिर खेलों का नया रिकॉर्ड

माहित ने फाइनल तक पहुंचने के दौरान बधिर खेलों का नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने क्वालिफाइंग दौर में 585 अंक बनाए और शीर्ष पर रहते हुए फाइनल में प्रवेश किया। माहित ने नीलिंग में 194, प्रोन में 198 और स्टैंडिंग में 193 अंक प्राप्त किए तथा पिछले वर्ष हनोवर में आयोजित विश्व बधिर निशानेबाजी चैंपियनशिप में बनाए गए 576 अंकों के अपने ही पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया। भारत की नताशा जोशी ने भी 566 अंक के साथ सातवें स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई। वह फाइनल में 417.1 अंक के साथ पांचवें स्थान पर रहीं। भारतीय निशानेबाजों ने बधिर ओलंपिक में अब तक पांच स्वर्ण, छह रजत और तीन कांस्य सहित 14 पदक जीते हैं। अभिनव देशवाल और चेतन हनमंत सपकाल 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में प्रतिस्पर्धी में हैं।

व्हाइट बॉल सीरीज के लिए साउथ अफ्रीका टीम घोषित

बावुमा वनडे, मार्करम टी-20 में कप्तानी करेंगे; भारत के खिलाफ 30 नवंबर से मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। साउथ अफ्रीका ने भारत के खिलाफ वनडे और टी-20 सीरीज के लिए टीम घोषित कर दी है। टेस्ट कप्तान टेम्बा बावुमा ही वनडे में भी टीम को लीड करेंगे। वहीं ऐडन मार्करम टी-20 फॉर्मेट में कप्तानी संभालते नजर आएंगे। दोनों टीमों के बीच 30 नवंबर से 3 वनडे और 5 टी-20 की सीरीज शुरू होगी।

रांची में पहला वनडे होगा

साउथ अफ्रीका ने वनडे टीम में ओटनील बार्टमैन, मैथ्यू ब्रीट्जकी, नांद्रे बर्गर, क्विंटन डी कॉक, प्रनेलन सुब्रायन और रुबिन हरमन को शामिल किया। ये सभी प्लेयर्स फिलहाल खेली जा रही टेस्ट सीरीज का हिस्सा नहीं हैं। वनडे सीरीज के 3 मैच रांची, रायपुर और विशाखापट्टनम में खेले जाएंगे।

रोहित शर्मा और विराट कोहली करीब 10 महीने बाद भारत में इंटरनेशनल मैच खेलते नजर आएंगे। दोनों ने इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी बार घरेलू मैदान पर वनडे सीरीज खेली थी। फिर दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद दोनों ने पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया सीरीज से वापसी की थी। टेम्बा बावुमा वनडे सीरीज में भी साउथ अफ्रीका की कप्तानी करते नजर आएंगे।

लक्ष्य सेन का जबरदस्त कमबैक

विश्व नंबर-6 चौ तिएन को रोमांचक मैच में हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में पहुंचे

सिडनी, एजेंसी। फाइनल में लक्ष्य का सामना या तो जापान के युशी तानाका या चीनी ताइपे के पांचवीं वरीयता प्राप्त लिन चुने-यी से होगा। इस सीजन लक्ष्य अभी तक कोई खिताब नहीं जीत पाए हैं, इसलिए यह फाइनल उनके लिए बेहद खास मौका होगा। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट के पुरुष एकल फाइनल में जगह बना ली है। शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में लक्ष्य ने विश्व नंबर-छह और दूसरे वरीय खिलाड़ी चौ तिएन-चेन (चीनी ताइपे) को कड़े संघर्ष में 17-21, 24-22, 21-16 से पराजित किया। यह मुकाबला करीब 86 मिनट तक चला और इसमें लक्ष्य का जज्बा और धैर्य देखने लायक था।

पहला गेम: धीमी शुरुआत, दबाव में गिरे अंक- पहले गेम में लक्ष्य की शुरुआत कमजोर रही और चेन ने अपनी सटीक प्लेसमेंट और आक्रामक गेम के दम पर 11-6 की बढ़त बना ली। लक्ष्य ने कुछ शानदार शॉट्स जरूर लगाए, लेकिन लगातार गलतियों ने अंतर बढ़ाया और वे पहला गेम 17-21 से हार गए।

दूसरा गेम: रफ्तार, धैर्य और वापसी की कहानी

दूसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच लंबी रैलियों और शानदार नेट गेम देखने को मिला। स्कोर कई बार बराबर पहुंचा, लेकिन अंतिम पलों में लक्ष्य के शानदार स्मैश और आत्मविश्वास ने उन्हें 24-22 से गेम जिताया। यह जीत निर्णायक साबित हुई क्योंकि इससे मैच का मोमेंटम भारत की ओर शिफ्ट हुआ।

तीसरा गेम: अनुभव बनाम ऊर्जा और जीत लक्ष्य की- निर्णायक गेम में लक्ष्य ज्यादा फिट और तेज नजर आए, जबकि 35 वर्षीय चेन की रफ्तार कम होती दिखी। लक्ष्य ने लगातार दबाव बनाए रखा और 6-1 की शुरुआती बढ़त के बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा। शानदार नेट ड्रॉप्स, सटीक स्मैश और आत्मविश्वास भरे शॉट्स की बदौलत लक्ष्य ने गेम 21-16 से जीतकर फाइनल में प्रवेश किया।

अब फाइनल में मुकाबला- फाइनल में लक्ष्य का सामना या तो जापान के युशी तानाका या चीनी ताइपे के पांचवीं वरीयता प्राप्त लिन चुने-यी से होगा। इन दोनों के बीच दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला खेला जाना है।

इस बहुत बड़े 'ब्लंडर' की वजह से सेमीफाइनल हारा भारत

वैभव सूर्यवंशी को बाहर करने से सभी भड़के

नई दिल्ली। एशिया कप राइजिंग स्टार्स के सेमीफाइनल मैच में बांग्लादेश ने भारत पर रोमांचक जीत दर्ज की. जानिए टीम इंडिया अपनी किस सबसे बड़ी गलती की वजह से हारी.

एशिया कप राइजिंग स्टार्स के सेमीफाइनल मैच में बांग्लादेश ने भारत पर रोमांचक जीत दर्ज की. सुपर ओवर तक चले इस मैच को बांग्लादेश ने वाइड गेंद की मदद से जीता. दरअसल सुपर ओवर में भारत ने बिना रन बनाए अपने दोनों विकेट गंवा दिए थे. बांग्लादेश को सुपर ओवर जीतने के लिए सिर्फ एक रन बनाना था. सुयश शर्मा वाइड गेंद फेंक बैठे, जिसके चलते बांग्लादेश के स्कोरकार्ड में एक रन जुड़ गया और उसने फाइनल में एंट्री ली. मगर भारत की इस शर्मनाक हार का असली कारण आखिर क्या रहा?

इस गलती की वजह से हारा भारत- पारी की आखिरी गेंद पर 3 रन भाग कर भारतीय बल्लेबाज जैसे-तैसे मैच को सुपर-ओवर तक ले गए थे. भारतीय टीम के पास फाइनल में जाने का सुनहरा मौका था, लेकिन सुपर ओवर में भारतीय मैनेजमेंट बहुत बड़ी गलती कर बैठा.

भारतीय टीम ने जीतेश शर्मा और रमनदीप सिंह को बल्लेबाजी के लिए भेजा. एक तरफ जीतेश शर्मा टूर्नामेंट के पहले मैच के बाद बैटिंग में चले ही नहीं हैं, वहीं रमनदीप सिंह को भी बहुत बड़े-बड़े शॉट लगाने के लिए नहीं जाना जाता है.

वैभव सूर्यवंशी को नहीं भेजा

सुपर ओवर की स्थिति आने पर भारतीय टीम को अपने दोनों नियमित ओपनिंग बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और प्रियांश आर्या से शुरुआत करवानी चाहिए थी. सूर्यवंशी ने पूरे टूर्नामेंट में करीब 244 के तूफानी स्ट्राइक रेट से बैटिंग की. वहीं बांग्लादेश के खिलाफ सेमीफाइनल मैच में उन्होंने पहली ही गेंद पर बल्ला घुमाना शुरू कर दिया और पारी की पहली 3 गेंदों में 2 छक्के जड़ दिए थे. जब टीम को सूर्यवंशी की सबसे अधिक जरूरत थी, तब उन्हें बैटिंग के लिए नहीं लाया गया.

दूसरी ओर प्रियांश आर्या इस मैच में 23 गेंदों में 44 रन की पारी खेल चुके थे. 4 चौके और 3 छक्के लगाने वाले प्रियांश भी अच्छे टच में लग रहे थे.

आगामी शो 'मिसेज देशपांडे' में दिलचस्प किरदार में नजर आएंगी माधुरी दीक्षित

माधुरी दीक्षित इन दिनों अपने आगामी शो 'मिसेज देशपांडे' को लेकर चर्चाओं में हैं। माधुरी इस शो में एक अलग और दिलचस्प किरदार में नजर आएंगी। शो से माधुरी का फर्स्ट लुक सामने आया है। इसके सामने आने के बाद फैंस इस शो के लिए और भी उत्साहित हो गए हैं।

जारी हुए इस फर्स्ट लुक में माधुरी अपना मेकअप और गहने उतारती हुई दिखाई दे रही हैं। अगले ही फ्रेम में उनका एक कच्चा, अनफिल्टर्ड रूप सामने आ रहा है। अगले शॉट से संकेत मिलता है कि कुछ गंभीर हुआ है क्योंकि वह सलाखों के पीछे दिखाई दे रही हैं। हालांकि, अब तक मेकर्स ने शो के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बताया है।

लेकिन पहला लुक माधुरी के प्रशंसकों को उत्साहित करने के लिए काफी है। इस फर्स्ट लुक को शेयर करते हुए हॉटस्टार ने कैप्शन में लिखा, 'एक ऐसा मोड़ जिसकी आपने कल्पना भी नहीं की होगी।'

अपने पहले लुक में ही माधुरी के अलग-अलग एक्सप्रेशन देखने को मिल रहे हैं। पहली झलक को देखकर ऐसी उम्मीद की जा रही है कि माधुरी इंटेंस किरदार में नजर आएंगी। बात करें शो की तो नागेश कुकुनूर द्वारा निर्देशित इस शो को अप्लॉज एंटरटेनमेंट ने कुकुनूर मूवीज के सहयोग से निर्मित किया है। हालांकि, अभी तक शो की रिलीज डेट सामने नहीं आई है।

माधुरी दीक्षित हाल ही में कनाडा, टोरंटो, न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी, ह्यूस्टन, शिकागो और बोस्टन सहित 6 शहरों में फैले एक वर्ल्ड टूर पर थीं। यहां कई जगह लेट होने की वजह से उन्हें ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा था।

मस्ती 4 में साथ में काम करना सपने के सच होने जैसा

फिल्मी दुनिया में जब कोई नया कलाकार किसी बड़ी फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनता है, तो उसके लिए यह सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं होता, बल्कि एक बड़ा मौका होता है, अपने हुनर को दिखाने का, लोगों तक अपनी पहचान पहुंचाने का और उन सितारों के साथ काम करने का, जिन्हें वे सालों से पर्दे पर देखते आए हैं। कुछ ऐसा ही अनुभव एक्ट्रेस रुही सिंह का भी रहा, जिन्होंने आने वाली फिल्म मस्ती 4 में कई मशहूर अभिनेताओं के साथ काम किया है। यह फिल्म पहले से चर्चित मस्ती फ्रेंचाइजी का हिस्सा है, जिसकी वजह से लोगों में पहले ही काफी उत्साह है। रुही के लिए यह फिल्म सिर्फ एक कॉमेडी नहीं, बल्कि कुछ नया सीखने का मौका भी है।

इंटरव्यू में रुही सिंह ने बताया कि मस्ती 4 की शूटिंग उनके लिए एक खास सफर था। फिल्म में उनके साथ बॉलीवुड के जाने-माने नाम आफताब शिवदासानी, रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और अरशद वारसी जुड़े हुए हैं। उनके साथ स्क्रीन शेयर करना शानदार अनुभव रहा।

रुही सिंह ने कहा, हर अभिनेता अपनी एक अलग ऊर्जा लाता है, और यह फिल्म मेरे लिए सीखने का एक बेहतरीन मौका बनी। इस फ्रेंचाइजी की लोकप्रियता और कलाकारों की टीम ने मुझे अधिक मेहनत करने की प्रेरणा दी। फिल्म में रुही की जोड़ी अभिनेता आफताब शिवदासानी के साथ है।

आफताब के साथ काम करने को लेकर उन्होंने कहा, वह बहुत ही विनम्र और सादगी भरे इंसान हैं। मेरे परिवार के सभी सदस्य और दोस्त आफताब को पहले से पसंद करते आए हैं, इसलिए उनके साथ काम करने का मौका मिलना किसी सपने के सच होने जैसा है।

इसके बाद उन्होंने बाकी कलाकारों की भी जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, रितेश देशमुख कमाल के अभिनेता हैं, जिनकी कॉमिक टाइमिंग और नेचुरल एक्टिंग सभी को प्रभावित करती है। विवेक ओबेरॉय के बारे में उन्होंने कहा कि स्क्रीन पर उनकी मौजूदगी यादगार होती है और वे हर किरदार में गहराई जोड़ते हैं। इंटरव्यू के दौरान जब आईएएनएस ने उनसे पूछा कि इतने बड़े स्टारकास्ट वाली फिल्म में क्या उन्होंने अपने रोल को लेकर कभी चिंता की, इस पर रुही ने जवाब देते हुए कहा, मेरे लिए भूमिका छोटी या बड़ी होने का कोई मतलब नहीं है। अगर किरदार को ईमानदारी से निभाया जाए तो वह अपने आप दर्शकों पर प्रभाव छोड़ता है। मैं इस फिल्म का हिस्सा इसलिए बनना चाहती थी क्योंकि यह एक बड़े स्तर की फिल्म है, जिसे देखने लाखों लोग आएंगे, और मैं चाहती थी कि उन दर्शकों के बीच मेरा चेहरा और नाम पहचाना जाए। उन्होंने बताया कि अपने रोल को लेकर वे पूरी तरह खुश हैं और उन्होंने उस पर बहुत मेहनत भी की है। मस्ती 4 में रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय, आफताब शिवदासानी, तुषार कपूर, एलनाज नौरोजी, शाद रंधावा और अन्य कलाकार शामिल हैं। फिल्म का निर्देशन मिलाप जावेरी ने किया है।

दीपिका को अपने फैसलों पर है पछतावा!

दीपिका पादुकोण बॉलीवुड की सबसे कामयाब अभिनेत्रियों में शामिल हैं। अपने 18 साल के करियर में दीपिका पादुकोण ने अब तक कई कामयाब फिल्मों में काम किया है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत फिल्म ओम शांति ओम से की और वह पैन इंडिया ब्लॉकबस्टर फिल्म कल्कि 2898 ए.डी. में नजर आईं। हालांकि, उनकी कुछ फिल्में ऐसी भी रहीं, जो बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकीं। हाल ही में दीपिका ने एक इंटरव्यू में माना कि कई बार उन्होंने गलत फैसले भी लिए हैं, जिसका उन्हें पछतावा है।

बातचीत में दीपिका ने बताया कि वह फिल्म चुनते वक्त किन बातों का ध्यान देती हैं। दीपिका ने बताया सबसे बड़ी चीज प्रमाणिकता है। जो भी चीज सच्ची नहीं लगती, वह मुझे रास नहीं आती। कभी-कभी लोग बहुत सारा पैसा देते हैं और सोचते हैं कि इससे सब कुछ हो जाएगा लेकिन वह काफी नहीं होता। मुझे लोगों या संदेश पर यकीन है और मैं उस पर कायम रहूंगी। दीपिका ने माना कि वह अपने विचार को लेकर इतनी स्पष्ट नहीं थीं। उन्होंने कहा क्या मैं हमेशा से चीजों को लेकर इतनी स्पष्ट थी? शायद नहीं। हालांकि अब मैं उस स्पष्टता तक पहुंच गई हूं। क्या मैं कभी-कभी पीछे मुड़कर सोचती हूं कि मैं क्या सोच रही थी? जी हां मैं सोचती हूं। इससे मैं सीखती हूं। शायद आज से 10 साल बाद, मैं आज के कुछ फैसलों पर सवाल उठाऊंगी जो फैसले अभी मुझे सही लगते हैं।

दीपिका की फिलहाल दो फिल्में पाइपलाइन में हैं। सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित शाहरुख खान की अपकमिंग फिल्म किंग में वह एक सहायक भूमिका में हैं। इसमें सुहाना खान, अभिषेक बच्चन और रानी मुखर्जी जैसे कलाकार होंगे।

अली अब्बास जफर की फिल्म में ऐश्वर्य ठाकरे बनेंगे विलेन

फिल्म इंडस्ट्री में नए चेहरों का आना हमेशा से दर्शकों का उत्साह बढ़ाता है, खासकर तब जब उन्हें बड़े स्तर की फिल्मों में मौका मिल रहा हो। इस कड़ी में इन दिनों फिल्म निर्देशक अली अब्बास जफर की आगामी एक्शन-रोमांस ड्रामा फिल्म की चर्चा खूब हो रही है, क्योंकि इसमें शिवसेना के संस्थापक बालासाहेब ठाकरे के पोते ऐश्वर्य ठाकरे विलेन के तौर पर नजर आने वाले हैं। यह खबर सामने आते ही फिल्म को लेकर दर्शकों में दिलचस्पी और भी बढ़ गई है। इस फिल्म में सैयारा फेम अहान पांडे और मुंज्या फेम शरवरी वाघ हैं। इस फिल्म के बारे में आईएएनएस के एक करीबी सूत्र ने बताया, अली अब्बास जफर बड़े स्तर के एक्शन और भावनाओं से भरी कहानियां बनाने के लिए जाने जाते हैं। उनकी फिल्मों सुल्तान और टाइगर जिंदा है ने बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रचा था। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि इस फिल्म में भी वह उसी दमदार निर्देशन का प्रदर्शन करेंगे।

अहान की गर्लफ्रेंड नहीं हैं अनीत

अहान पांडे और अनीत पड्डा को लेकर बातें चल रही हैं कि दोनों का रिश्ता रोमांटिक है और वे रिलेशनशिप में हैं लेकिन अहान पांडे ने अब इस बात को लेकर चुप्पी तोड़ी है और कहा कि अनीत उनकी गर्लफ्रेंड नहीं हैं। अहान ने सारी बातों से पर्दा हटा दिया है।

अहान पांडे और अनीत पड्डा ने भले ही इसी साल बॉलीवुड में कदम रखा हो, लेकिन उनकी जोड़ी को लेकर जो चर्चा है, वह पुराने स्टार्स जैसी ही है। उनकी पहली फिल्म सैयारा ने तुरंत ही लोगों के दिलों में खास जगह बना लिया। उनके फैन एडिट रातोंरात वायरल हो गए, गपशप के पन्नों ने उन्हें इंडस्ट्री का अगला इट कपल घोषित कर दिया और सोशल मीडिया ने मानो उनके बीच रोमांस को जन्म दे दिया हो। इन अटकलों को और हवा तब मिली जब करण जौहर ने हिंट दिया कि ये दोनों नए कपल बन सकते हैं। लेकिन अहान पांडे ने अब सभी अफवाहों पर विराम लगा दिया है।

हाल ही में त्न एक इंटरव्यू में, अहान पांडे ने रिश्ते पर सीधे तौर पर बात की। उन्होंने क्लियर किया कि उनके और अनीत के बीच का रिश्ता गहरा तो है, लेकिन यह रोमांटिक नहीं है। उन्होंने कई महीनों से चल रही अटकलों पर विराम लगाते हुए कहा, अनीत मेरी सबसे अच्छी दोस्त है। पूरा इंटरनेट सोचता है कि हम साथ हैं, लेकिन हम साथ नहीं हैं।

अहान और अनीत की केमेस्ट्री

उन्होंने बताया कि पर्दे पर उनके बीच जो सहजता है, वह रोमांस से नहीं, बल्कि इमोशनल सिक्योरिटी और आपसी समझ से आती है। उन्होंने कहा, केमिस्ट्री हमेशा रोमांटिक नहीं होती - यह सहजता, सुरक्षा और लोगों की नजरों में आने के बारे में है। हम दोनों ने एक-दूसरे को यह एहसास दिलाया है। भले ही वह मेरी गर्लफ्रेंड नहीं है, फिर भी अनीत के साथ मेरा रिश्ता जैसा है वो किसी के साथ नहीं होगा।

फिल्म एक टीम वर्क होता है और मैं इसका एक छोटा-सा हिस्सा हूं

दारा सिंह और मुमताज जैसे जाने-माने कलाकारों से ताल्लुक रखने वाले अभिनेता शाद रंधावा ने अपना रास्ता खुद अख्तियार किया। वो लम्हे से अपने करियर का आगाज करने वाले शाद के दो दशक के करियर में कई उतार-चढ़ाव देखे, मगर इस साल उनके किस्मत का सितारा खूब चमका। सैयारा जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म के बाद इन दिनों दीवानियत जैसी 100 करोड़ के क्लब में एंट्री ले चुकी फिल्मों में सावंत के रोल से लोकप्रिय हुए शाद अपने सफर की बात करते हैं।

शाद रंधावा फिल्मी परिवार से ताल्लुक रखते हैं। वे अपनी पृष्ठभूमि के बारे में बताते हैं, मैं 6-7 साल की उम्र का रहा होऊंगा और अभिनय में तभी से मेरी काफी रुचि थी। स्कूल के नाटकों में भाग लेता था। मेरी मम्मी भी एक जमाने में ऐक्ट्रेस थीं और पिता पहलवानी के साथ-साथ अभिनय भी किया करते थे। दारा सिंह मेरे अंकल और मुमताज मेरी मौसी हैं। जब मैंने अपने परिवार को अपने एक्टर बनने की ख्वाहिश बताई, तो सभी ने कहा कि ये आपकी अपनी जर्नी है। हम आपको भावनात्मक रूप से तो सपोर्ट करेंगे, मगर अपना काम आपको खुद ढूंढना होगा।

भट्ट साहब के ऑफिस के खूब चक्कर लगाता था

मेरे ताया (दारा सिंह) हों या मेरे पिता रंधावा, सभी बहुत विनम्र बैकग्राउंड से हैं अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए वे कहते हैं, चाहे वो मेरी मम्मी (मल्लिका अस्करी) हों या मुमताज आंटी, सभी ने अपना रास्ता खुद बनाया, तो मैंने अभिनय में आने से पहले रोशन तनेजा के यहां एक्टिंग क्लासेज कीं। साथ-साथ में मैं नाटक तो करता ही रहता था। ये उन दिनों की बात है, जब मैं रोल पाने के लिए फिल्मी ऑफिसों के चक्कर लगाया करता था। एक जगह मुझे उम्मीद दिखी और वो थी भट्ट साहब (महेश भट्ट) का ऑफिस। लंबे स्ट्रगल के बाद एक दिन भट्ट साहब ने मुझे मोहित से मिलवाया। तब तक मोहित की जहर आ चुकी थी और कलयुग की शूटिंग कर रहे थे। उसी वक्त उन्होंने कहा कि वे मुझे अपनी अगली फिल्म में लेंगे। मगर उन्होंने ये भी कहा कि शाद नेगेटिव रोल है। उस वक्त तो मैं सिर्फ काम करना चाहता था, तो बस इस तरह वो लम्हे से मेरी जर्नी शुरू हुई। मेरे काम को सराहा गया और मुझे अपने रोल के लिए अवॉर्ड भी मिला।

रेस्टॉरेंट्स और डायमंड्स में किस्मत आजमाई

अच्छी शुरुआत के बावजूद शाद के करियर में शायद ने भी काफी उतार-चढ़ाव देखे। वे कहते हैं, कई बार रिजेक्ट भी हुआ, मगर परिवार और दोस्तों का सपोर्ट हमेशा रहा। अपने मुश्किल दौर का जीकर करते हुए वे कहते हैं, आशिकी 2 के बाद मैं लगातार काम पाने की कोशिश कर रहा था, मगर काम मिल नहीं रहा था, तब मैंने डायमंड्स के क्षेत्र में हाथ आजमाया। फिर मैंने रेस्टॉरेंट्स में भी किस्मत आजमाई। बाहर से भले लगे कि ये काफी चकाचौंध वाली लाइन है, मगर मेरे लिए ऐसा नहीं था।

इन दो निर्देशकों ने हमेशा काम दिया

शाद रंधावा की एक के बाद एक करके दोनों फिल्में, पहले सैयारा और अब हालिया दीवानियत ने बॉक्स ऑफिस पर हंगामा मचाया हुआ है। वे कहते हैं, मेरा मानना है कि फिल्म एक टीम वर्क होता है और मैं तो इसका एक छोटा-सा हिस्सा हूं। लेकिन मुझे बहुत अच्छा लगता है कि इन दोनों निर्देशकों ने मुझ पर हमेशा यकीन रखा। इन दोनों निर्देशकों ने मुझे हमेशा काम दिया। दीवानियत से पहले मैं मिलाप के साथ मरजांवा और सत्यमेव जयते 2 में काम कर चुका हूं। जहां तक मोहित की बात है, तो उसके साथ मैंने अपने करियर की शुरुआत वो लम्हे से की थी और उसके बाद मैं आवारापन, आशिकी 2, एक विलेन, मलंग, एक विलेन रिटर्न्स जैसी तमाम फिल्मों का हिस्सा रहा।

हर्षवर्धन राणे ने अपने हिस्से के डायलॉग मुझे दिए

हाल ही में दीवानियत में सावंत के रोल से फेमस हुए शाद फिल्म के नायक हर्षवर्धन राणे के साथ अपने अनुभव को बयान करते हुए कहते हैं, हर्ष के साथ काम करते हुए मैंने पाया कि उनमें काम करने की भूख और नियत दोनों ही जबरदस्त है। पूरी टीम ही इस जज्बे से जुड़ी रही। हर्ष पर मैं शूटिंग से पहले एक ही बार मिला था और जिस दिन मैं सेट पर मिला तो उन्होंने मुझसे साफ़ तौर पर कहा कि स्क्रिप्ट में सावंत के किरदार में उतना रस नहीं है, मगर भाई हम लोग इस किरदार और मेरे चरित्र विक्रम आदित्य की एक अलग ही केमेस्ट्री बनाएंगे। उन्होंने वो फिल्म में किया।